आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
24.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.07
सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 03:04 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 5 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 316, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- शांति भंग करने वालों को देंगे मुंहतोड़ जवाब - 10

सीतारमण ने कहा- बैंकों और नियामकों के पास बिना दावे वाली 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां - 10

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले - गाजा पर बमबारी बंद करे इजराइल -11

शुभमन गिल वनडे टीम के कप्तान बनाए गए, रोहित और कोहली टीम में -12

इन्टरनेशनल सिटी
Global Standards. International Liviing
स्वदेश में आपका विदेश

नए रिश्तों की बुनियाद,
पुराने विश्वास के साथ।

Premium Plots Available
at International City, Bareilly

600+ परिवारों का भरोशा

Aminities

- Temple
- Kids play zone
- Exclusive Cycling Track
- Pedestal Pathway
- Sports Zone
  (Counts of lawn Tennis, Basketball, Badminton, Cricket Net Practice Area)
- High Security Surveillance Line & CCTV Cameras
- Sewage Treatment Plant
- Beautiful Designer Landscape Gardens.
- All underground electric lines
- CUGL

BDA APPROVED

UP RERA UPRERAPRJ550066

Competent रिश्ता विश्वास का!

Scan Me

Get In Touch

8193095501 | 8392921952 | 8392921966

www.competentinternationalcity.com

Banking Partner
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda | HDFC BANK | केनरा बैंक Canara Bank | pnb

Nariyawal, Shahjahanpur Road, Bareilly

मुख्यमंत्री ने चेताया, फील्ड में निकलें अफसर

सभी प्राधिकरण जारी करेंगे बांड, मेरठ, कानपुर व मथुरा में 1833 करोड़ की 38 परियोजनाएं प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आवास एवं शहरी विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि अब विकास प्राधिकरणों को फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर उतरकर योजनाओं की वास्तविक प्रगति सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि अधिकारी फील्ड में जाएं, जनता की सुविधा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की तेजी से बढ़ती शहरी आबादी के अनुरूप विकास का मॉडल तैयार किया जा रहा है। हर योजना का ब्लूप्रिंट स्थानीय सर्वे और अध्ययन के बाद ही तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि फाइलों में योजनाएं नहीं चलतीं, जनता को नतीजा जमीन पर दिखना चाहिए। उन्होंने बताया कि मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र विकास के लिए 1833 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इनमें मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर प्रस्ताव को क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए, ताकि जनता को सीधा लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि विकास प्राधिकरण केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर भी बनें। उन्होंने सभी प्राधिकरणों को अपने बांड जारी करने के निर्देश दिए, ताकि आय के नए स्रोत बन सकें और जनता का विश्वास सशक्त हो।

मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण स्वीकृति के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि जल संकट को देखते हुए यह व्यवस्था भविष्य की जरूरत है। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि पीपीपी मॉडल पर कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जाए, जिसमें साझा राजस्व के आधार पर भूमि प्राधिकरण उपलब्ध कराए और निवेशक निर्माण व संचालन करें।

लखनऊ में आवास एवं शहरी विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

खास बातें

- 38 परियोजनाओं के लिए 1833 करोड़ रुपये प्रस्तावित
- लखनऊ में बनेगा 28 किमी लंबा ग्रीन कॉरिडोर
- हर विकास प्राधिकरण जारी करेगा अपना बांड
- हर भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था अनिवार्य
- पीपीपी मॉडल पर बनेगा कन्वेंशन सेंटर

12 सेक्टरों में तैयार होगा विकसित यूपी का ब्लूप्रिंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नीति आयोग के 11 अफसरों ने संभाली कमान

अमृत विचार : प्रदेश को वर्ष 2047 तक 'विकसित राज्य' बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की साझा कवायद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप 'समर्थ उत्तर प्रदेश–विकसित उत्तर प्रदेश 2047' का विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराने में नीति आयोग की टीम सक्रिय रूप से जुट गई है। आयोग ने राज्य के 12 प्रमुख सेक्टरों में विकास की रूपरेखा तैयार करने के लिए अपने 11 प्रोग्राम निदेशकों को नामित कर दिया है, जो नवंबर तक विस्तृत रोडमैप तैयार कर नियोजन विभाग को सौंपेंगे।

नीति आयोग के इन वरिष्ठ अधिकारियों को यूपी के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर भविष्य की विकास रणनीति तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें नीलम पटेल (कृषि व संबद्ध क्षेत्र व पशुधन संरक्षण), इश्तियाक अहमद (औद्योगिक विकास), देबजानी घोष व युगल किशोर जोशी (आईटी एवं इमर्जिंग सेक्टर), अन्ना राय (नगर व ग्राम्य विकास), राजीव सिंह ठाकुर (अवस्थापना विकास) तथा मेजर जनरल के. नारायनन (सुरक्षा व सुशासन) शामिल हैं।

राज्य के नियोजन विभाग को इस पूरी प्रक्रिया का नोडल विभाग बनाया गया है। विभाग ने अपने उप निदेशक, संयुक्त निदेशक और शोध अधिकारियों की सेक्टरवार टीम गठित कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

दिवाली से पहले महंगाई भत्ता देने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों और 16 लाख पेंशनर्स को 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान दिवाली से पूर्व करने की मांग की है। महामंत्री व मीडिया प्रभारी अरुणा शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मांगपत्र मुख्यमंत्री के आधिकारिक ईमेल और एक्स हैंडल पर भेजा गया है।

अमिताभ ठाकुर की शिकायत निराधार

अमृत विचार, लखनऊ : लोकायुक्त ने पूर्व आईपीएस और एक्टिविस्ट अमिताभ ठाकुर की शिकायत का निस्तारण करते हुए साफ कर दिया कि आरोप निराधार और तथ्यों से परे हैं। शिकायत में पुल निर्माण में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए थे। जिस वक्त शिकायत हुई, उस दौरान लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास थी।

विकसित यूपी के लिए मिले 24.5 लाख सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को वर्ष 2047 तक समर्थ और विकसित राज्य बनाने के लिए चल रहे 'समर्थ उत्तर प्रदेश–विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान' को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। अभियान के पोर्टल samarthuttarpradesh.up.gov.in पर अब तक 24.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 19 लाख ग्रामीण और 5.5 लाख शहरी क्षेत्र से आए हैं। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक 7.5 लाख सुझाव मिले हैं।

स्तनधारी जीवों के संरक्षण को ईको रन

अमृत विचार, लखनऊ : ग्लोबल मैमल बिग डे के अवसर पर ओखला बर्ड सैंक्चुअरी में 5 अक्टूबर रविवार को विशेष ईको रन का आयोजन किया जाएगा। उप्र. ईको टूरिज्म और ग्लोबल वाइल्डलाइफ फेयर के सहयोग से आयोजित ईको रन का उद्देश्य सिर्फ दौड़ना नहीं, बल्कि प्रकृति और स्तनधारी जीवों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।

बरेली में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं विपक्षी नेता: राठौर

लखनऊ, अमृत विचार : बरेली की स्थिति पर विपक्षी नेताओं के दौरे को लेकर योगी सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि बरेली में अब पूरी तरह अमन और चैन है, पुलिस ने ससमय और संयमित कार्रवाई कर उपद्रव फैलाने की हर साजिश को नाकाम किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य दलों के नेता राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए बरेली का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं, लेकिन सरकार ऐसा होने नहीं देगी।

राठौर ने कहा कि सर तन से जुदा जैसे नारे लगाने वालों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई कर हालात संभाले। किसी निर्दोष को नुकसान नहीं हुआ।

ट्रक से कुचलकर सड़क किनारे खड़े 3 की मौत

संवाददाता, बीसलपुर (पीलीभीत)

- बरेली-बीसलपुर मार्ग पर ग्राम मंडरा सुमन के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : बीसलपुर-बरेली मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार ने तीन लोगों की जान ले ली। कार का पहिया पंचर होने पर उसमें सवार लोग सड़क पर किनारे खड़े हुए थे और ट्रक की चपेट में आ गए। पुलिस कार्रवाई कर रही है।

हादसा शनिवार सुबह करीब 5 बजे बरेली-बीसलपुर मार्ग पर ग्राम मंडरा सुमन के पास हुआ। बताते हैं कि पश्चिमी दिल्ली के थाना मोहन गार्डन के इंदिरा पार्क इलाके के निवासी गणेश कुमार (25) पुत्र भीम सिंह कार चलाते थे। उनकी कार में छेती (नेपाल) के थाना भजंग क्षेत्र के ग्राम छब्बीपाती के रहने वाले 19 वर्षीय निखिल पुत्र करन, उसकी भाभी अंजिल, मां पूजा समेत आठ लोग सवार हुए। सभी कार सवार दिल्ली से कांठमांडू जा रहे थे। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मंडरा सुमन के पास पहुंचते ही कार का पहिया पंचर हो गया। इस पर कार सड़क किनारे खड़ी कर पंचर जोड़ा जा रहा था। सभी कार सवार उतरकर बाहर आ गए थे। बताते हैं कि इस बीच तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों को कुचल दिया। वह ट्रक काफी दूर तक घिसटते हुए गए। हादसे में निखिल, कार चालक गणेश कुमार और एक अज्ञात की मौत हो गई, जबकि अंजलि घायल हो गई। अन्य लोग ट्रक की चपेट में आने से बच गए। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। दो मृतकों की पहचान कर उनके परिवार वालों को सूचना दे दी गई, जबकि तीसरे मृतक की पहचान करने में काफी समय लगा। तीसरा मृतक भी नेपाल का रहने वाला निकला।

चमोली में सतोपंथ ग्लेशियर ट्रैक पर एक पर्यटक की मौत

देहरादून, अमृत विचार: चमोली जिले के सतोपंथ ग्लेशियर पर पश्चिम बंगाल के एक पर्यटक की मौत हो गई हालांकि अन्य तीन पर्यटकों को सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया गया कि चारों यात्री सतोपंथ ग्लेशियर पर ट्रैकिंग के लिए गए थे।

एसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि बीते शुक्रवार को शुक्रवार को बद्रीनाथ पुलिस स्टेशन में सूचना मिली कि सतोपंथ ट्रैक पर चार पर्यटक फंसे हुए हैं। इनमें एक की हालत अत्यधिक गंभीर है। इस पर पुलिस फोर्स व बचाव दल को तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने के निर्देश दिए। पुलिस व एसडीआरएफ की संयुक्त टीम तुरंत बचाव अभियान पर निकली। शुक्रवार की देर शाम रवाना हुई टीम शनिवार की सुबह सतोपंथ ट्रैक तक पहुंच गई। मृतक की शिनाख्त सुमंत निवासी बाराद्रोन, प. बंगाल के रूप में हुई।

मस्जिद के ध्वस्तीकरण के खिलाफ याचिका खारिज

संवाददाता, प्रयागराज/संभल

- संभल में 2 अक्टूबर को मैरिज हॉल को जमींदोज कर दिया गया था

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के राया बुजुर्ग की मस्जिद गोसुलबारा के ध्वस्तीकरण की प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर मस्जिद कमेटी की और से दायर याचिका को वापस लेने की शर्त पर खारिज कर दिया है।

मस्जिद कमेटी ने तहसीलदार, संभल द्वारा 2 सितंबर 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान याची के अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी ने कोर्ट को सूचित किया कि वह वैकल्पिक उपाय के रूप में राजस्व संहिता, 2006 की धारा 67(5) के तहत सक्षम अपीली न्यायालय (कलेक्टर) के समक्ष अपील दाखिल करना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने याचिका को वापस लेने की अनुमति प्रदान कर दी। इस पर राज्य सरकार की ओर से कोई आपत्ति नहीं जताई गई। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि यदि याची अपीली न्यायालय में अंतरिम राहत के लिए आवेदन करता है, तो वह आवेदन कानून के अनुसार विचारित किया जाएगा और उच्च न्यायालय के इस आदेश से प्रभावित नहीं होगा। राया बुजुर्ग स्थित मस्जिद और बैंकेट हाल के ध्वस्तीकरण मामले में दाखिल याचिका पर शुक्रवार 3 अक्टूबर को विशेष अवकाश पीठ गठित कर सुनवाई की गई। मस्जिद शरीफ गोसुलवरा रायां बुजुर्ग और उसके मुतवल्ली मिंजर की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया कि प्रशासन ने अवैध निर्माण बताते हुए 2 अक्टूबर को महज 4 घंटे में मैरिज हॉल को जमींदोज कर दिया। याचिका में यह भी आरोप है कि यह कार्रवाई गांधी जयंती और दशहरे जैसे दिन पर की गई, जिससे भीड़ और तनाव की स्थिति बनी।

देहरादून का युवक अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा पर जहाज से लापता

देहरादून, अमृत विचार : देहरादून निवासी मर्चेंट नेवी का डेक कैडेट अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा पर खड़े जहाज से लापता हो गया। उसके पिता ने विदेश मंत्रालय व उत्तराखंड सरकार से बेटे की तलाश के लिए मदद की गुहार लगाई है।

पटेल नगर निवासी नरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि उनका बेटा करणदीप सिंह (22) मर्चेंट नेवी में डेक कैडेट है। वह बीती 18 अगस्त को देहरादून से सिंगापुर गया था। जहां से अगले दिन वह तेल भरने के लिए इराक गए और जहाज पर सवार हुआ। इराक से तेल भरने के बाद चीन जाते समय रास्ते में 20 सितंबर को श्रीलंका के पास समुद्र में जहाज से ही करणदीप के लापता होने की सूचना मिली। जबकि दोपहर की परिजनों की करणदीप से बात हुई थी, तब वह बिल्कुल ठीक था। परिजनों ने पूछताछ की तो कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि करणदीप डेक पर अकेला गया था।

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.07
सूर्यास्त 05.53

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 03:04 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 5 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 316, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- शांति भंग करने वालों को देंगे मुंहतोड़ जवाब - 10

सीतारमण ने कहा- बैंकों और नियामकों के पास बिना दावे वाली 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां - 10

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले - गाजा पर बमबारी बंद करे इजराइल -11

शुभमन गिल वनडे टीम के कप्तान बनाए गए, रोहित और कोहली टीम में -12

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मन में उत्साह भरते त्योहार व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

भारत-भूटान ने द्विपक्षीय संबंधों पर की वार्ता

थिम्पू। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ व्यापक वार्ता की और इस दौरान उन्होंने व्यापार और संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। यहां भारतीय दूतावास के अनुसार, मिसरी शुक्रवार को भूटान गए थे। उनकी यह यात्रा भारत और भूटान के बीच रेल संपर्क की स्थापना के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में एक अंतर-सरकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद हुई है। अपनी यात्रा के दौरान, मिसरी ने भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की तथा प्रधानमंत्री तोबगे और विदेश मंत्री डी एन धुंग्याल से भी भेंट की।

मॉर्निंग वॉक कर रहीं 3 महिलाओं को कुचला

गाजियाबाद। यहां शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने मार्निंग वॉक पर निकलीं तीन महिलाओं को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि जीटी रोड पर राकेश मार्ग के पास सुबह करीब छह बजे सैर कर रहे लोगों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान कोतवाली थाना क्षेत्र के न्यू कोटगांव निवासी कमलेश (55), मीनू प्रजापति (56) और सावित्री देवी (60) के रूप में हुई है।

मौलाना तौकीर के करीबी नफीस के बरातघर पर गरजे बुलडोजर

बरेली बवाल : शरण देने वाले फरहत का घर सील, चार दुकानों पर भी कार्रवाई

- वक्फ की जमीन पर नफीस ने पूर्व पीसीएस अधिकारी के बेटे संग किया था बरात घर का निर्माण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के दाहिने हाथ डॉ. नफीस खां के किला क्षेत्र के मोहल्ला जखीरा स्थित रजा पैलेस बरात घर को बीडीए ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की देखरेख में यह कार्रवाई शनिवार दोपहर 3 बजे शुरू हुई और कई घंटों तक चली। इसके अलावा तौकीर को शरण देने वाले फरहत के फाइक एन्क्लेव स्थित घर को भी सील कर दिया। आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम की नौमहला मस्जिद के पास बनीं 4 दुकानें सीलकर दीं।

शनिवार को कैंप कार्यालय पर डीएम की मौजूदगी में हाई लेवल मीटिंग हुई। इसके बाद बीडीए की टीम पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों और फोर्स के साथ जखीरा में डॉ. नफीस के अवैध बरात घर को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर लेकर पहुंची। सबसे पहले इलाके की बिजली सप्लाई काटी गई। मुख्य गेट तोड़ते ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई, लेकिन पुलिस फोर्स ने किसी को पास नहीं आने दिया। बीडीए और प्रशासनिक अफसरों ने बरातघर की दीवार पर लगी नेम प्लेट देखी तो हैरान रह गए। नेम प्लेट पर मुतवल्ली शोएब बेग पुत्र स्व. अथहर बेग (पूर्व पीसीएस अधिकारी) लिखा हुआ था। इस बरात घर का निर्माण वक्फ की जमीन पर डॉ. नफीस ने बहनोई शोएब बेग संग मिलकर कराया था। जिसका संचालन शोएब बेग कर रहा था।

बरेली के जखीरा क्षेत्र में अवैध बरात घर को ध्वस्त करते बुलडोजर।

नफीस का क्लीनिक सील

डॉ. नफीस के अवैध क्लीनिक को भी स्वास्थ्य विभाग में सील कर दिया। शासन के निर्देश पर कार्रवाई की गई। कुतुबखाना स्थित डॉ. नफीस नाम से संचालित क्लीनिक पर टीम ने छापा मारा तो यहां कोई नहीं मिला। टीम में डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अंसारी, डिप्टी सीएमओ डॉ. अमित शामिल रहे। जिस परिसर में क्लीनिक का संचालन अवैध रूप से हो रहा था, वहां चश्मे की दुकान है। क्लीनिक का पंजीयन भी नहीं है। खुद को डॉ. बताने वाले नफीस के पास मेडिकल की डिग्री नहीं है।

एक्शन मोड में रहा प्रशासन

बीडीए शनिवार को पूरे दिन एक्शन मोड में रहा। बीडीए की दूसरी टीम ने फाइक एन्क्लेव स्थित फरहत खान के घर को सील किया। चार दिन पहले बीडीए ने घर को खाली करने का नोटिस दिया था। इस घर में मौलाना ने बवाल कराने वाले दिन शरण ली थी। पुलिस ने इसी आवास से मौलाना तौकीर को गिरफ्तार किया था।

बरेली बवाल पर गरमाई सियासत

बरेली आ रहे कई सांसद और विधायक नजरबंद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रास्ते में कई नेताओं को पुलिस ने बैरियर लगाकर रोका

अमृत विचार: बरेली की घटना को लेकर शनिवार सुबह प्रदेश की सियासत अचानक गरमा गई। बरेली आ रहे समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन ने रोक दिया। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय, सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार समेत पांच सांसद, दो विधायक और कई वरिष्ठ सपा पदाधिकारियों को घर से बाहर निकलने नहीं दिया गया। रास्ते में बैरियर लगाकर कई नेताओं को वापस कर दिया गया। इस दौरान सपाइयों ने प्रदर्शन करके योगी सरकार पर तानाशाही के आरोप लगाए।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' विवाद से उपजे तनाव के बीच शनिवार सुबह सियासत में हलचल मच गई, जब बरेली आ रहे समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन ने रोक दिया। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय को उनके लखनऊ के आशियाना स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया गया। बरेली प्रशासन ने पहले ही पत्र जारी कर सभी जिलों को निर्देशित किया था कि राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल का जिले में प्रवेश वर्जित है। बरेली के जिलाधिकारी ने शुक्रवार देर रात लखनऊ, मेरठ, संभल और अन्य जिलों के पुलिस प्रमुखों को पत्र लिखकर कहा किकिसी भी राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को बिना अनुमति बरेली आने की अनुमति नहीं है। इसी आदेश के बाद सभी सपा नेताओं के घरों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

हाउस अरेस्ट नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय।

यह नेता नजरबंद रहे

सांसद हरेन्द्र मलिक, इकरा हसन, जियाउर्रहमान बर्क, मोहिबुल्लाह नदवी, नीरज मौर्य, पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव, प्रवीण सिंह ऐरन, विधायक अताउर्रहमान, शहजिल इस्लाम अंसारी, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, प्रदेश सचिव शुभलेश यादव।

कफ सिरप : छह राज्यों में हुई जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु हिप्र, मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की इकाइयों से लिए नमूने

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में संदूषित कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत होने के मद्देनजर छह राज्यों में खांसी की दवा, एंटीपाइरेटिक्स और एंटीबायोटिक समेत 19 दवाओं की विनिर्माण इकाइयों में जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि विनिर्माण इकाइयां हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में हैं, जहां विभिन्न दवाओं के 19 नमूने निर्मित किए गए। सीडीएससीओ ने 3 अक्टूबर को यह निरीक्षण शुरू किया, जिसका उद्देश्य उन कमियों की पहचान करना है जिनके कारण दवा की गुणवत्ता में कमी आई है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए प्रक्रिया में सुधार का सुझाव देना है।

मप्र : जबलपुर में जांच करते अधिकारी।

छह दवा के नमूनों में डीईजी/ईजी की मौजूदगी नहीं मिली

मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि सीडीएससीओ द्वारा अब तक जिन नमूनों की जांच की गई है, वे दो संदिग्ध कफ सिरप के नहीं थे, जिनमें से एक कोल्ड्रिफ है जो मौतों के बाद से जांच के दायरे में है। एक सूत्र ने बताया, सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह दवा के नमूनों में डीईजी/ईजी की मौजूदगी नहीं पाई गई। ये नमूने एंटीबायोटिक्स, एंटीपायरेटिक्स और ओंडान्सेट्रॉन समेत अन्य दवाओं और सिरप के थे, जिनका सेवन मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बीमार पड़े बच्चों ने किया था।

कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट, 2 छात्रों की मौत

फर्रुखाबाद। शहर के सातनपुर मंडी रोड पर एक कोचिंग सेंटर में शनिवार को भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि 5 गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। विस्फोट इतना भीषण था कि कोचिंग के बाहर खड़ी बाइकें 50 मीटर दूर जा गिरीं।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर पहुंचे और विस्फोट की छानबीन की। मुख्यमंत्री ने

- फर्रुखाबाद में हुआ विस्फोट, पांच छात्र गंभीर रूप से घायल, जांच के लिए टीम का गठन

घटना का संज्ञान लेते हुए घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं। सातनपुर मंडी रोड पर द सन क्लासेज लाइब्रेरी एवं कोचिंग सेंटर है। शनिवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे कोचिंग सेंटर के बाहर धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयानक था कि एक किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। हादसे में दर्जन भर छात्र घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल हुए 7 छात्रों को लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां आकाश सक्सेना को मृत घोषित कर दिया, जबकि आकाश कश्यप को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। एसपी आरती सिंह ने कहा कि विस्फोट की तह तक पहुंचने के लिए जांच टीम गठित कर दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी का दावा-जुबिन को सिंगापुर में दिया गया था जहर

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग के बैंड में शामिल ड्रम वादक शेखर ज्योति ने सिंगापुर में रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी (जुबिन) मौत से जुड़े मामले में एक चौंकाने वाला दावा किया है।

पुलिस के पास मौजूद दस्तावेजों के मुताबिक, शेखर का आरोप है कि जुबिन के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत ने सिंगापुर में गायक को जहर दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई। जुबिन के साथ सिंगापुर गए शेखर ने शर्मा की गिरफ्तारी के विस्तृत आधार या रिमांड नोट में कहा है कि जब जुबिन समुद्र सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब शर्मा को जाबो दे, जाबो दे (जाने दो, जाने दो) चिल्लाते हुए सुना गया था। गवाह ने कहा है कि गर्ग कुशल तैराक थे।

- बैंड के सदस्य शेखर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

फास्टैग न हो तो यूपीआई से सवा गुना शुल्क देकर पार होगा टोल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा में वैध और चालू फास्टैग के बिना प्रवेश करने वाले वाहनों से 15 नवंबर से सामान्य टोल राशि के मुकाबले 1.25 गुना शुल्क लिया जाएगा, लेकिन इसके लिए यूपीआई से भुगतान करने का विकल्प चुनना होगा।

सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी और कहा कि नकद लेनदेन को कम करने के लिए ऐसा किया गया है। इस समय वैध फास्टैग के बिना यात्रा करने वालों को नकद भुगतान पर दोगुना टोल शुल्क देना पड़ता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और गैर-फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए नकद लेनदेन को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है।

- डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए टोल संग्रह का नया नियम 15 नवंबर से होगा प्रभावी

समीक्षा बैठक

जल संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने उठाया बड़ा कदम

तालाब व ब्लास्टकूप निर्माण को बनाएं जनांदोलन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय है, और इससे निपटने के लिए जनसहभागिता के साथ ठोस प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि एक पेड़ मां के नाम की तर्ज पर चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप निर्माण को जनांदोलन बनाया जाए, ताकि वर्षा जल को रोका जा सके और भूगर्भीय जलस्तर में सुधार हो।

मुख्यमंत्री ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं, बल्कि यह समेकित जल प्रबंधन की एक किफायती और प्रभावी प्रणाली है। इनसे न केवल वर्षा जल का संरक्षण होता है, बल्कि सिंचाई क्षमता और कृषि उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। प्रदेश में अब तक 6,448 चेकडैम बना चुके हैं, जिनसे 1.28 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित हुई है।

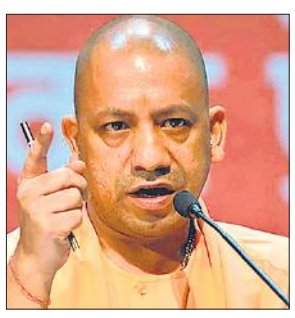

बड़े भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर भी बड़ा फैसला लिया। उन्होंने कहा कि 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य की जाए। यह कदम शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए निर्णायक सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में 82 अतिदोहित और 47 क्रिटिकल क्षेत्र थे, जो 2024 में घटकर 50 और 45 रह गए हैं। कहा कि यह संतोषजनक प्रगति है, लेकिन आने वाले वर्षों में लक्ष्य यह होना चाहिए कि सभी क्षेत्र सामान्य श्रेणी में आएं।

फोटोग्राफिक डॉक्यूमेंटेशन के निर्देश

योगी ने निर्देश दिया कि सभी जिलों में चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप का फोटोग्राफिक डॉक्यूमेंटेशन कराया जाए तथा सोशल मीडिया और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाए। कहा कि सरकार जल संरक्षण के क्षेत्र में एक सफल मॉडल प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

सेक्टर-2 रामगंगानगर आवासीय योजना, बरेली (उ.प्र.)

Website : www.bdainfo.org email : bdabareilly@yahoo.com, blyda@up.nic.in

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत रामगंगानगर आवासीय योजना (व्योम खण्ड) में आवंटित आवासों के आवंटियों द्वारा धनराशि जमा न करने के कारण आवंटन निरस्त किये जाने सम्बन्धी अन्तिम सूचना

निम्नलिखित आवंटियों को प्रधानमन्त्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत प्राधिकरण द्वारा रामगंगानगर आवासीय योजना (व्योम खण्ड) में नाम के सम्मुख अंकित भवन आवंटित किये गये थे। आवंटियों को 60 मासिक किश्तों में अथवा एकमुश्त धनराशि जमा कराये जाने का अवसर प्रदान किया गया परन्तु आवंटियों द्वारा पर्याप्त समय व्यतीत हो जाने के उपरान्त अब तक आवंटित भवन के सापेक्ष पंजीकरण धनराशि के अतिरिक्त कोई धनराशि प्राधिकरण कोष में जमा नहीं करायी गयी है। अवशेष धनराशि जमा कराने हेतु आवंटियों को बार-बार पत्र द्वारा एवं दूरभाष द्वारा सूचित किया गया परन्तु उनके द्वारा प्राधिकरण कोष में धनराशि जमा कराने का कोई साक्ष्य कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। पंजीकरण पुस्तिका के बिन्दु सं. 5.7 के अनुसार देय किश्तों की धनराशि को समय से जमा न किये जाने पर डिफाल्टर होने की दशा में आवंटन निरस्त किया जा सकता है। इस प्रकार निम्नलिखित आवंटी डिफाल्टर की श्रेणी में आ गये है। अत: निम्नलिखित आवंटियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर प्राधिकरण कोष में अब तक की बकाया धनराशि जमा कराना या पंजीकरण धनराशि के अलावा यदि कोई धनराशि जमा की गयी हो तो रसीदों की छायाप्रतियां प्राधिकरण कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। ऐसा न करने पर उनको आवंटित आवास निरस्त कर दिया जायेगा तथा आवंटित भवन को रिक्त मानते हुए अन्य लाभार्थियों को भवन आवंटित करने हेतु अग्रेतर कार्यवाही कर दी जाएगी। जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व आवंटी का होगा।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता का नाम	निवासी	आवंटित भवन संख्या
1.	अंसार अहमद	इलाही बक्श	एजाज नगर बरेली	ए-03 भू-तल
2.	दिव्यांशु कुमार	प्रमोद कुमार	48 ए बजरिया पूरनमल बरेली	ए-06 भू-तल
3.	मीनाक्षी भसीन	चन्द्र प्रकाश भसीन	428 गुद्दड बाग निकट जगदम्बा स्कूल चाहबाई, बरेली	ए-105 प्रथम -तल
4.	इन्द्रेश कुमार सूदन	भुवनेश्वर नाथ	एकता नगर बरेली	ए-304 द्वितीय तल
5.	संगीता	छिम्मन लाल	नवादा शेखान पुराना शहर बरेली	ए-311 तृतीय तल
6.	तरूण कुमार शर्मा	राजेन्द्र कुमार शर्मा	192 चाहबाई बरेली	बी-03 भू-तल
7.	शाहीन	आबिद हुसैन	एजाज नगर गौटिया बरेली	बी-102 प्रथम तल
8.	नन्हीं देवी	गंगाराम	440 सहगल होटल के सामने कटघर बरेली	बी-103 प्रथम तल
9.	फरमीला	इश्तियाक	चकमहमूद श्यामगंज बरेली	बी-111 प्रथम तल
10.	अजय पाल यादव	राम सिंह	10 कृष्णा नगर आर के विश्वविद्यालय बरेली	बी-112 प्रथम तल
11.	देववती	हर प्रसाद	बनखण्डी नाथ के पास नवादा जोगियान बरेली	बी-202 द्वितीय तल
12.	रूखसाना बेगम	नक्शे अली	एजाज नगर गौटिया बरेली	बी-203 द्वितीय तल
13.	सैमसन मार्टिन	डैनियल मार्टिन	म.नं. 6 स्टेशन सुरेश शर्मा नगर बरेली	बी-211 द्वितीय तल
14.	सायरा	मो. असलम	964 चक महमूद पुराना शहर बरेली	बी-307 तृतीय तल
15.	मनोज	मुन्ना लाल	पीलीभीत बाईपास रोड बीडीए कालोनी तुलाशेरपुर बरेली	बी-308 तृतीय तल
16.	प्रवीण शर्मा	शिवहरी शर्मा	149 आलमगिरीगंज बरेली	बी-311 तृतीय-तल
17.	ताहिर हुसैन	स्व. श्री जाकिर हुसैन	म.नं. 84 हुसैन बाग किला बरेली	सी-01 भू-तल
18.	राज रानी	स्व. श्री जीवन लाल	म.नं. 493 गल्ला मण्डी सुभाष पटेल की कोठी बरेली	सी-106 प्रथम-तल
19.	पवन देवल	जयन्ती प्रसाद देवल	88 बजरिया पूरनमल बरेली	सी-107 प्रथम-तल
20.	बंधु लाल	कुंवर	550 आजमनगर बरेली	सी-202 द्वितीय-तल
21.	प्रेमपाल सिंह	स्व. श्री टीका राम	336 शनि मन्दिर के पास फाल्तून गंज बरेली	सी-206 द्वितीय-तल
22.	राहुल देवल	जयन्ती प्रसाद देवल	74 पूरमल बजरिया बरेली	सी-208 द्वितीय-तल
23.	प्रताप सिंह बिष्ट	दीवान सिंह बिष्ट	रामपुर बाग बरेली	सी-211 द्वितीय-तल
24.	ज्योति सैनी	संतोष कुमार	534 चाहबाई बरेली	सी-302 तृतीय-तल
25.	अनिल कुमार	राम स्वरूप	549 आलमगिरीगंज बरेली	सी-306 तृतीय-तल

उपाध्यक्ष

न्यूज ब्रीफ

रिठौरा में सड़क पर युवक को दौड़ाकर पीटा

रिठौरा , अमृत विचार : तीन दिन पहले हुए झगड़े का फैसला होने के बाद एक पक्ष ने दंबगई दिखाते हुए युवक को जमकर पीट डाला। इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिठौरा के मोहल्ला इंद्रानगर के ताहिर अली का तीन दिन पहले पड़ोस में झगड़ा हो गया था ।तब रिठौरा पुलिस चौकी पर मामले की शिकायत हुई थी। लेकिन दोनों पक्षों में समझौता हुआ था। शनिवार को ताहिर अली रिठौरा बाजार जा रहा था तो कस्बे के ही साजिद शाहिल,सैजल ने बीच रोड पर दौड़ा –दौड़ा कर रोड पर पीटा जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

एसीएमओ ने किया सीएचसी का निरीक्षण

आंवला, अमृत विचार : शनिवार को एसीएमओ डॉ. राकेश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाओं के स्टॉक रूम, एक्सरे रूम तथा महिला प्रसव कक्ष सहित विभिन्न वार्डों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया ।एसीएमओ ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, मरीजों को मिलने वाली दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता की भी जानकारी ली। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. विनय कुमार पाल, डॉ. अब्बास, रामाशीष, नरेन्द्र सिंह, किशन सिंह आदि रहे।

सीडीओ ने किया वृहद गौ संरक्षण केंद्र का निरीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार : :सीडीओ देवयानी ने गांव चुरई दलपतपुर में स्थित वृहद गौ संरक्षण केंद्र (गौशाला) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में चल रही साफ–सफाई और हरा चारा, गौवंशों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली ।पशुपालन और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को गोशाला की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोशाला में पशुओं की नियमित सफाई करने के भी निर्देश दिये।

क्यारा में क्षेत्र पंचायत की बैठक में हंगामा

ब्लॉक प्रमुख पति पर लगाया अभद्रता का आरोप, दो करोड़ रुपये के विकास कार्यों का प्रस्ताव पास

विकास कार्यों का लोकार्पण करते विधायक डॉ . राघवेंद्र शर्मा । ● अमृत विचार

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार :क्यारा ब्लॉक सभागार में शनिवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत और ग्राम प्रधानों की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। बीडीसी सदस्यों ने ब्लॉक प्रमुख पति अरविंद चौहान पर अभद्रता का आरोप लगाया, जबकि उन्होंने किसी हंगामे से इंकार किया। गांव अंगूरी ठाकुरान के बीडीसी गोपेंद्र पाल सिंह व महगवां ऊंचा के सुरेश सिंह ने बीडीओ सुखपाल सिंह से पिछली बैठक का ब्योरा मांगा। इसी दौरान तारीख पूछने पर अरविंद चौहान भड़क गए और कहा-सुनी के बीच सदस्यों को बाहर निकालने व बाहर निपटने की धमकी दे डाली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बैठक में ब्लॉक प्रमुख रजनी चौहान की अध्यक्षता में करीब दो करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पास किए गए और सांसद छत्रपाल गंगवार व विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने इसी राशि से कराए गए कार्यों का लोकार्पण किया। बीडीसी सदस्यों ने ब्लॉक प्रमुख पर सरकारी धन को निजी हित में खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि ब्लॉक प्रमुख ने सबसे ज्यादा सरकारी धन का उपयोग अपने परिजनों के बारात घरों तथा मकानों, दुकानों आदि के सामने इंटरलॉकिंग सड़कें बिछवाने में किया है। बीडीओ सुखपाल सिंह ने कहा कि बैठक में सामान्य नोकझोंक हुई थी। ब्लाक प्रमुख पति अरविंद चौहान ने सभी आरोपों को निराधार बताया।

मीरगंज क्षेत्र पंचायत की बैठक में एक करोड़ 82 लाख के 42 प्रस्ताव पारित

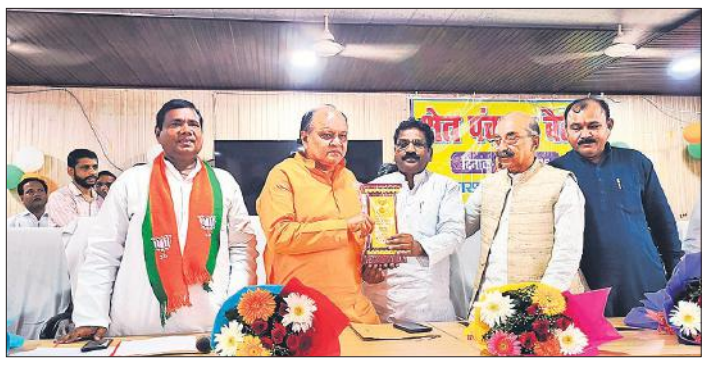

क्षेत्र पंचायत की बैठक में मुख्य अतिथियों का स्वागत करते ब्लॉक प्रमुख। ● अमृत विचार

मीरगंज, अमृत विचार : जलस्तर बढ़ने से कटी एप्रोच रोड 15 दिन में ठीक हो जाएगी और गोरा लोकनाथपुर व बाबा कैलाश गिरी मढ़ी रोड पर आवागमन सुचारू हो जाएगा। यह बात मीरगंज विधायक डा .डीसी वर्मा ने क्षेत्र पंचायत की बैठक में दी। बैठक में एक करोड़ 82 लाख के 42 प्रस्ताव पास हुए। शनिवार को ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष (ब्लॉक प्रमुख) गोपाल कृष्ण गंगवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से एक करोड़ 82 लाख के 42 प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में ज्यादातर शिकायतें राशन कार्ड बनाने में धांधली और सुविधा शुल्क लेने की आईं। सीडीपीओ, बीईओ, एवं अन्य विभाग से आधिकारियों के बैठक में न आने पर कार्रवाई कराने की बात विधायक ने कही। बीडीसी और प्रधानों ने आपूर्ति विभाग की शिकायतें ज्यादा बताई तों सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा पूरा सदन आपूर्ति विभाग की बखियां उधेड़ रहा है। उन्होंने मौके पर ही डीएसओ को फोन कर मामले से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सदन में उपस्थित जनप्रतिनिधि राशन कार्ड में अनियमितता और अपात्र का राशन कार्ड बनने को कह रहे हैं। इसकी जांच कराई जाए । उन्होंने कहा कि बुधवार को एसडीएम, डीएसओ आपूर्ति निरीक्षक आयेगे और समस्याओं का समाधान कराएंगे। बैठक में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, निरंजन यदुवंशी, सोनू कुर्मी, बीडीओ आनन्द विजय यादव, एडीओ पंचायत वीपी सिंह, डॉक्टर वैभव राठौर, मुकेश कश्यप आदि रहे।

झांकी के स्वरूपों के साथ अभद्रता, तनाव का माहौल

संवाददाता, नवाबगंज

- घर लौटने के दौरान दूसरे समुदाय के लोगों ने की अभद्र टिप्पणी
- रामलीला सोसाइटी के कोषाध्यक्ष ने दी दो युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर
- जनता में आक्रोश, पुलिस ने गश्त बढ़ाई, क्षेत्र के युवकों की तलाश में जुटी पुलिस टीम

अमृत विचार : रामलीला में विभिन्न आराध्य स्वरूप शोभायात्रा के बाद घर को लौटने के दौरान रास्ते में दूसरे समुदाय के लोगों ने अभद्र टिप्पणी कर दी। दूसरे समुदाय के युवक लड़ाई पर आमादा हो गये। मामला बढ़ते देख हिन्दू समुदाय के लोग एकत्र होने लगे तो मौके से लोग भाग गये। मामले की नामजद तहरीर रामलीला कमेटी कोषाध्यक्ष शैलेश शर्मा ने दी है। इसके बाद पुलिस युवकों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने गश्त तेज कर दी है।

मोहल्ला नौबतगंज निवासी शैलेश शर्मा उर्फ मनोज शर्मा, श्रीरामलीला रजि. के कोषाध्यक्ष हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रामलीला सोसाइटी द्वारा दशहरा मेला 17 सितंबर से शुरू हुआ है। शनिवार की शाम रामलीला करने वाले स्वरूप (श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान जी) नगर भ्रमण कर वापस लौट रहे थे। जैसे ही यह लोग रामलीला मैदान स्थित शेरोबाली बगिया के पास पहुचें, तभी पहले से मौजूद मुस्लिम समुदाय के दो युवकों ने भगवान स्वरूपों के प्रति गंदे इशारे, गाली-गलौज और धर्मविरोधी टिप्पणी की। बताया कि दोनों युवक स्वरूपों से झगड़े पर उतारू हो गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। इस घटना से हिन्दू समुदाय की भावनाएं आहत हुईं और लोगों में गहरा रोष फैल गया। मौके पर मौजूद लोगों के जुटते ही दोनों युवक वहां से फरार हो गए। घटना की पुष्टि बैंड बाजा दल के सदस्यों ने भी की है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस की गश्त तेज कर दी गई है कस्बे के युवकों को पुलिस उन्हें तलाश कर रही है।

मकान मालिक ने महिला किरायेदार को पीटा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव बल्लिया निवासी पीड़िता ममता पत्नी रविंद्र चौधरी ने बताया उनकी शादी बिहार में होने के कारण वह अपने मायके में ही गांव निवासी हरीश के मकान में किराए पर रहती है। बताया शुक्रवार शाम को मकान मालिक के पत्नी ने पूरे घर की सफाई करने के बाद कूड़ा उनके कमरे के आंगन में डाल दिया। जिसको लेकर मारपीट हुई थी।

सुबह टहलने निकली महिला के कुंडल छीने

भमोरा, अमृत विचार: बरेली बदायूं मार्ग पर सुबह बहन के लड़के व बहू के साथ टहलने निकली महिला को पीछे से आये युवक ने कुंडल खींच लिये और खाई में गिरा दिया। पुलिस को दी तहरीर सूचना पर पहुंचे सीओ आंवला के साथ फॉरेंसिक टीम ने घटना का किया निरीक्षण।

संगीता गुप्ता

ग्राम देवचरा निवासी संगीता गुप्ता , विपिनऔर प्रीति के साथ शनिवार सुबह बरेली बदायूं रोड नकटपुर मोड़ के आगे बने एक ढाबा के पास टहलने निकली थी तभी पीछे से आए युवक ने धक्का दे कर सड़क किनारे खाई में गिरा दिया और कुंडल छीन फरार हो गया। संगीता ने बताया उसे समय प्रीति व विपिन काफी आगे चले गए थे। युवक कई दिन से पीछा कर रहा था। सूचना पर पहुंचे सीओ आंवला,एस ओ भमोरा सनी चौधरी व फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। वही एसओ भमोरा ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

- अंधेरे का लाभ उठाकर एक बदमाश हुआ फरार

अमृत विचार : शनिवार शाम पुलिस की तीन बदमाशों से मुठभेड़ हो गयी, जिसमे पुलिस ने दो बदमाशो को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक बदमाश भाग गया। पकडे गए एक बदमाश के पैर मे गोली लगी है। जबकि गोली लगने से एक सिपाही भी घायल हुआ है।

शनिवार शाम पुलिस को सूचना मिली की बाइक सवार तीन बदमाश कुआटांडा नहर पटरी के पास खड़े है। सूचना पर इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ला ने फोर्स के साथ तीन बदमाशों को घेर लिया। अपने को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दिया। जिसमे सिपाही गौतम गोली लगने से घायल हो गया। जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने एक बदमाश के पैर मे गोली मार दी। गोली लगने से एक बदमाश गिर गया। तभी पुलिस ने दौड़ कर दूसरे बदमाश को भी पकड़ लिया। जबकि तीसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फायरिंग करता हुआ भाग गया। पूछताछ मे गोली लगने घायल बदमाश ने अपना नाम अफताब उर्फ सैफ अली उर्फ गजनी उर्फ नसरीन निवासी आदमपुर थाना भोजपुर मुरादाबाद बताया दूसरे बदमाश ने अपना नाम देवेंद्र निवासी सम्शीपुर थाना मदनापुर शाहजहांपुर बताया।

तलाशी में अवैध असलहे के साथ ही दो सोने की अंगूठी बरामद हुई। उन्होंने बताया 2024 मे उदयपुर जसरथपुर मे केसर खां के घर उन्होंने डकैती डाली। यह अंगूठी वही से मिली थी। इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ला ने बताया घायल बदमाश व सिपाही को इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती करवा दिया गया है। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

सपा का स्थापना दिवस मनाया

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी का स्थापना दिवस शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सपा के तमाम नेताओं ने एकजुट होकर पार्टी संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव के आदर्शों का नमन किया। पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष शुभलेश यादव, राम बहादुर यादव, किशन लाल यादव, शमीम ख़ां सुल्तानी, पूर्व ब्लाक प्रमुख भद्रसेन गंगवार और मलखान सिंह यादव ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि दी।

ग्रामीणों ने रास्ते को लेकर किया प्रदर्शन

भुता : ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम रावल कला गांव में शमशान भूमि को जाने वाला मार्ग काफी समय से बेहद खराब पड़ा हुआ है जिसको लेकर ग्रामीणों व महिलाओं ने पंचायत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

महिला फंदे पर लटकी, पांच पर रिपोर्ट

संवाददाता, भोजीपुरा :

अमृत विचार : पति से कहासुनी के बाद पत्नी ने फंदे से लटककर जान दे दी। मायके वालों ने दहेज में कार न देने की खातिर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

इज्जत नगर के गांव कलापुर निवासी राजपाल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बहन की शादी 26 अप्रैल 2024 को भोजीपुरा के गांव मबई निवासी पुष्पेन्द्र के साथ की थी। शादी में दान उपहार भी दिये गये। फिर भी ससुराल वाले संतुष्ट नही थे और वह कार की मांग कर रहे थे। इसके लिए वह बहन को पीटते भी थे। शुक्रवार को सुबह मारपीट की सूचना पर मायके वाले ससुराल पहुंचे और बेटी व ससुरालीन को समझाकर वापस आ गये। सुबह 11 बजे मृतका के भाई के पास बहनोई का फोन आया और बहन की मृत्यु होने की सूचना दी। जब यह लोग ससुराल पहुंचे तो घर के सभी लोग फरार थे और लक्ष्मी का शव जमीन पर पड़ा था। सूचना पर पहुंचे सीओ और पुलिस भी पहुंची। मृतका के भाई राजपाल की तहरीर पर पुलिस ने पति पुष्पेन्द्र, ससुर गोपाल सिंह उर्फ गप्लू,सास ईश्वरवती ,ननद रेखा, ननदोई दीपक निवासी मबई, थाना भोजीपुरा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार : शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, रिछौला किफायतुल्ला निवासी निशार अहमद अपनी पत्नी छुटकनी (60) के साथ लाडपुर उस्मानपुर गांव जा रहे थे। उनकी बाइक गौंटिया मोड़ पर मुड़ने के लिए आगे बढ़ी, तभी सामने से आ रही तेज़ रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइकें दूर जाकर गिर गईं। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक ही घायलों को लेकर नवाबगंज के सरकारी अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने छुटकनी को प्राथमिक उपचार के बाद मृत घोषित कर दिया। घायल का इलाज चल रहा है।

महिला को इको ने मारी टक्कर, मौत

भमौरा, अमृत विचार : सुबह टहलने निकली महिला को कार ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गई। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के गांव मई किरतपुर निवासी नेत्रवती(60) सुबह बल्लिया से किरतपुर जाने वाले मार्ग पर टहलने निकली थी। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार इको कार ने टक्कर मार दी, जिससे नेत्रवती गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंचे पुत्र महिपाल व राम खेलावन उन्हें लेकर एक अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत

मीरगंज, अमृत विचार : नगरिया सादात रेलवे स्टेशन इलाके में एक अज्ञात महिला की देर रात्रि दौरान ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गयी। जिससे डाउन लाइन पर अकालतख्त एक्सप्रेस ट्रेन एक घंटे तक बीच रास्ते में खड़ी रही। सूचना पर घटना स्थल पहुंची आरपीएफ और जीआरपी ने महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन पहचान नहीं होनेसे महिला के शव का पंचनामा भरकर पीएम हेतु भेज दिया।

मेले की जगह से कब्जा न हटा तो विवाद की आशंका

नवाबगंज, अमृत विचार : मोहर्रम मेले की जगह पर गांव के कुछ लोगों ने कब्जा करने की नीयत से गेट लगा दिया है। ग्राम प्रधान ने एसडीएम को शिकायत कर कब्जा हटवाने की मांग की है। ग्राम प्रधान जुल्फेकार खां ने शिकायत में कहा है कि भौआ बाजार के गाटा संख्या 523 सरकारी अभिलेख में नवीन पर्ती दर्ज है। यहां हर साल मुस्लिम समुदाय का मोहर्रम व चेहल्लुम का मेला लगता है।

आरोप लगाया गांव के ही कुछ लोगों ने दबंगई के चलते यहां पर अवैध दरवाजा लगा लिया है और घरेलू इस्तेमाल का पानी प्रयोग कर रहेहैं। यहां गंदगी फैल रही है। प्रधान ने चेतावनी दी कि इससे कब्ज़ाधारियों के बीच गंभीर विवाद व लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मोदी के खिलाफ टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

शेरगढ़, अमृत विचार : पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरूद्ध टिप्पणी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल भी बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि 30 सितंबर को गांव बैरमनगर निवासी मुस्तकीम खां ने अपनी फोटो के साथ प्रधानमंत्री की फोटो व आवाज एडिट कर वीडियो के साथ गरीब लोगों को लेकर आपत्तिजनक व अश्लील शब्द बोलते हुए वीडियो को अपने फेसबुक अकाउंट की स्टोरी पर लगाकर शेयर किया गया था। इसकी रिपोर्ट दर्ज की गई और शनिवार को पुलिस ने वांछित को गिरफ्तार कर लिया।

योगी के चित्र पर अभद्र पोस्ट , मुकदमा दर्ज

फरीदपुर, अमृत विचार :फरीदपुर नगर के एक नामचीन यूनिवर्सिटी में मैच कोच के पद पर कार्यरत तंजीर आलम द्वारा सोशल मीडिया पर की गई अभद्र पोस्ट चर्चा का विषय बन गई है। तंजीर आलम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो के साथ आपत्तिजनक सामग्री इंस्टाग्राम पर साझा की, जिससे क्षेत्र के लोगों की धार्मिक भावनाएं हुई हैं। हिन्दू जागरण मंच के पदाधिकारियों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।। हिन्दू जागरण मंच युवा वाहिनी फरीदपुर के नगर अध्यक्ष रघुप्रताप सिंह ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक हैं। उनके सम्मान से जुड़ी किसी भी अभद्रता को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

अमृत विचार Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO+TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डायबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, कैयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!
ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
● शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
● दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
● हिलते हुए दांतों को जाम करना।
● दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
● मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
● दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
● सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
● टेड़े–मेढ़े, ऊँचे–नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
● डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
● मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
● गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
● एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रामलखन व पुत्रवधु मोहिनी को गलत चाल–चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अनिल कुमार पुत्र स्व. दुजई निवासी 377 मेमरान चिडिमरान बिहारीपुर थाना कोतवाली जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 3776979 का अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **मान सरोवर पुत्री भदई निवासी ग्राम व पोस्ट कजरिया पलिया कलां खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में नाम विक्रमजीत पाण्डेय अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम विक्रमजीत है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी मेरा नाम विक्रमजीत ही अंकित है। **विक्रमजीत पुत्र रामप्रसाद निवासी ग्राम चांदुपुर तहसील कली नगर जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र नरेश चन्द्र को गलत चाल–चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मंगल सेन पुत्र श्री मान सिंह निवासी ग्राम खिल्जीपुर थाना नवाबगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 5 अक्टूबर 2025 www.amritvichar.com

मन में उत्साह भरते त्योहार

त्योहारों का मौसम मन में खुशी का अहसास जगाता है। उत्सवीय उजास में हर उम्र के लोगों का मन उमंग और उत्साह से भर जाता है। बच्चे हों या बड़े, सब इस खुशनुमा अनुभूति को जीते हैं। असल में हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनशैली ही नहीं विज्ञान भी कहता है कि त्योहार मन को उत्साह देते हैं। पहले गणेश उत्सव और फिर नवरात्र के उल्लास और दशहरे के पर्व के बाद अब शरद पूर्णिमा, करवा चौथ, दीपावली, छठ पूजा और कितने ही छोटे-बड़े व्रत-अनुष्ठानों की शृंखला आने वाले दिनों में मन का मेल करवाने का मौका साबित होगी। सभी पर्व जीवन में उजास भरने का परिवेश बनाएंगे। हर वर्ष त्योहारों की यह रौनक सही मायने में लोगों के मन-जीवन में सुख-स्नेह को पोसने का काम करती है। खुशियां बांटने और जीने का माहौल परिवार को जोड़ने का काम करता है। समग्र समाज में सौहर्द्र के भाव को बल देता है।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ लेखिका

प्रतीक्षारात मन- हर उम्र के लोगों को त्योहारों का इंतजार रहता है। लाजिमी भी है, क्योंकि फेस्टिवल सीजन मन-जीवन से जुड़े कई तरह के बदलाव साथ लाता है। दिनचर्या से लेकर दिली जुड़ाव तक, सभी बदलाव मन को खुशी देने वाले होते हैं। नई चीजों की खरीद हो या खुद में कोई बदलाव लाना। सब कुछ सहज सा सुख देता है। ब्रेन रिसर्चर मानफ्रेड श्पित्सर का कहना है कि 'कई चीजें ऐसी होती हैं, जो हमारे दिमाग को किसी खास दिन के इंतजार के लिए तैयार करती हैं। जैसे गाना गाना, खास पकवानों का बनना, उपहार मिलना और अपनों के साथ मेलजोल के बारे में सोचना। हमारे त्योहार इन सभी चीजों की प्रतीक्षा पूरी करते हैं। साथ ही मेल-मिलाप, मौज-मस्ती और अपनों की मान-मनुहार का सुंदर अवसर साथ लाते हैं। रोजमर्रा की भागदौड़ के बाद जब यह इंतजार पूरा होता है तो सभी को दिली खुशी मिलती है। औपचारिकताओं से परे हर किसी का मन साथ स्नेह के इस एहसास को खुलकर जीता है।

मन-मस्तिष्क की संतुष्टि

इंसानी मन की भावनाएं ही सुख का धरातल बनाती हैं। हमारे मनोभाव मन-मस्तिष्क से गहराई से जुड़े होते हैं। खुशी को मन का इमोशन माना जाता है। लगता है जैसे दिल के खुश होने का दिमाग से कोई लेना-देना नहीं है। सच तो यह है कि दिमाग ही शरीर के सभी हिस्सों से जुड़ा रहता है। दर्द हो या हर्ष, मस्तिष्क न केवल महसूस करता है, बल्कि ऐसे संदेशों को शरीर के बाकी हिस्सों तक पहुंचाता भी है। त्योहारों पर अचानक उपहार मिलना, किसी अपने के आने पर सरप्राइज होना, गीत-संगीत की रौनक या घर की सजावट से मन-मस्तिष्क में सुखद भावों का आना। दिलो-दिमाग की ऐसी हर प्रक्रिया से खुशी देने वाले कई हार्मोन भी जुड़े होते हैं। ऐसे में दिमाग में डर और चिंता के रिसेप्टर निष्क्रिय और आनंद से जुड़े न्यूरोट्रांसमिटर सक्रिय हो जाते हैं। यानी परंपरागत रूप से पर्व-त्योहारों से जुड़ी खुशी और खुशहाली की बातों का पुख्ता वैज्ञानिक आधार भी है।

मेलजोल और अपनेपन का सुख

इंसान का मन आनंद, उत्सव और आपसी जुड़ाव को जीने का गहरा भाव लिए होता है। मौजूदा दौर में जब अकेलापन एक महामारी की तरह घेरा कस रहा है, मेलजोल के सुख के वास्तविक अर्थ समझे जा रहे हैं। गांवों से लेकर महानगरों तक, हमारे उत्सव मेलजोल और अपनेपन का सुंदर अवसर होते हैं। असल में त्योहारों पर तो पूरा परिवेश ही बदल जाता है। उम्र, तबके या जिंदगी की उलझनों से परे हर कोई मुस्कुराहटों से रिश्ता जोड़ लेता है। आस-पास खुश और मुस्कुराते हुए चेहरों को देखना हमारे मन का मौसम भी बदलता है। परिवार हो या समाज, त्योहार जुड़ाव का सबसे सुंदर मौका होते हैं। त्योहारी मौसम की रौनक रीत-रिवाज और परंपरा के रंग ही नहीं खुद हमारे जीवन को भी सहेजती है। हालात चाहे जैसे हों खुशियों के पावन रंग हर ओर बिखर ही जाते हैं। मन के परेशान कोनों में भी आस्था के भावों का प्रकाश पहुंच ही जाता है।

गांव-घर लौटने की सुख

आज भी कुछ खास पर्वों पर लोग अपने गांव-घर त्योहार मनाने जाते हैं। वहीं महानगरों की आपाधापी को जीने वाले अपनों के लिए समय निकालते हैं। गांवों-कस्बों से लेकर शहरों तक, घर-आंगन को संवारने और अपनों के साथ समय बिताते हुए निभाने के भाव को जीने के रंग हर ओर दिखने लगते हैं। यह जुड़ाव शारीरिक-मानसिक वैल बीइंग के लिए बेहद जरूरी है। लेखक और सामाजिक मनोवैज्ञानिक फ्रेड ब्रायंट के मुताबिक परिवार के साथ छुट्टियां और उत्सव मानने जैसी छोटी चीज़ों को मन से जीना, रिश्तों को मजबूत और मानसिक सेहत को बेहतर बनाता है। टेक्नोलॉजी और मेडिसिन पब्लिशर, (पलोस) पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस में सोशल मीडिया पर इस्तेमाल किए गए शब्दों के विश्लेषण को लेकर छपे रिसर्च के मुताबिक, जो लोग वीकेंड, कॉफी, हॉलीडे और स्वादिष्ट जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, उनमें सकारात्मक भावनाएं ज्यादा होती हैं। हमारे पर्व भी ऐसे ही सकारात्मक मनोभावों से जुड़ी गतिविधियां साथ लाते हैं।

आर्थिक पक्ष भी अहम

हमारे पर्व परंपरागत-सांस्कृतिक ही नहीं आर्थिक पहलू पर भी महत्वपूर्ण हैं। त्योहार पारंपरिक कला, शिल्प, अर्थव्यवस्था में सुधार, सामुदायिक कल्याण और रचनात्मकता क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाते हैं। उत्सवों के माध्यम से ही कई परंपराएं अगली पीढ़ियों को हस्तांतरित की जाती हैं। संगठित व्यावसायिक संसार ही नहीं हस्तकला और लोकरंग की रचनात्मकता का विस्तार बहुत से लोगों को रोजगार देता है। यूनेस्को का ही एक आकलन बताता है कि विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 4 प्रतिशत हिस्सा सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योग से आता है। दीपावली के दीए हों या हस्तकला के सजावटी सामान। महंगी गाड़िया हों या गहने-कपड़े। उत्सवों पर खूब खरीदारी होती है, जिससे हर किसी की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। सभी उद्योगों के लिए त्योहारी मौसम लाभ अर्जित करने का समय का होता है। यह बात भी सीधे-सीधे मन की खुशी से जुड़ा पक्ष है।

पर्व पर अकेलापन नहीं अपनों को चुनिए

आधुनिक युग की सबसे बड़ी उपलब्धि तकनीक है, जिसने मानवीय जीवन को एक नई दिशा और गति प्रदान की है। आभासी और एआई ने संचार को एक अद्वितीय स्वरूप दिया है। आज हम एक क्लिक में दूर अपने प्रियजनों, मित्रों और जानकारों से जुड़ सकते हैं। भौगोलिक दूरी अब संवाद में बाधा नहीं बनती। इस डिजिटल क्रांति ने हमारी दुनिया को अधिक सुलभ, तेज और व्यापक बना दिया है, लेकिन इसी उपलब्धि के साथ विडंबना जुड़ी है कि हम पहले से अधिक जुड़े होने के बावजूद भीतर से अकेले होते जा रहे हैं। तकनीक ने जहां हमारी दूरी को कम किया है, वहीं उसने आत्मीयता, सहानुभूति और गहन भावनात्मक जुड़ाव की जगह सतही संवादों व आभासी संपर्कों को ले लिया है। संयुक्त परिवारों की वह गर्माहट और त्योहारों की सामूहिकता, जो जीवन को गहराई और सजीवता देती थी, अब क्षीण होती जा रही है। मोबाइल स्क्रीन के परे के संसार में, हम एक-दूसरे से जुड़ने का भ्रम पाल लेते हैं, पर वास्तविक जुड़ाव खोता जा रहा है। यही विरोधाभास आधुनिक समाज की एक चुनौती बन गया है कि कैसे तकनीक की सुविधा व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित करते हुए हम अपनी भावनात्मक धरोहर को सुरक्षित रखें और मानवीय जुड़ाव को पुनर्जीवित करें।

तकनीक से बदलता हमारा जीवन

संसार-तकनीक ने आज हमारे जीवन को एक अद्भुत गति और सुविधा प्रदान की है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और वीडियो कॉलिंग ने परिवार, मित्र और रिश्तेदार भले ही हजारों किलोमीटर दूर हों, उन्हें एक-दूसरे के करीब ला दिया है, लेकिन इस डिजिटल जुड़ाव के पीछे एक गहन विरोधाभास छिपा है। सार्वजनिक जगहों का दृश्य इसका जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है, सैकड़ों लोग एक साथ खड़े होते हैं, पर हर कोई अपने मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहता है। पास में खड़ा व्यक्ति भी अजनबी सा महसूस होता है। यह दर्शाता है कि तकनीक ने भौगोलिक दूरियां मिटा दी हैं, पर दिलों और आत्मा के बीच की दूरी बढ़ा दी है। आज का संवाद केवल सूचना का आदान-प्रदान है, पर उसमें वह गहराई और सजीवता नहीं है, जो व्यक्तिगत संवाद में होती है। इस यथार्थ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तकनीक चाहे जितनी भी प्रगति कर ले, भावनात्मक जुड़ाव का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकती।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
साहित्यकार

स्वतंत्रता और सामूहिकता का संतुलन

आधुनिकता ने व्यक्ति को एक महत्वपूर्ण उपहार दिया है- व्यक्तिगत स्वतंत्रता। आज का व्यक्ति अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम है- चाहे वह विवाह, करियर, जीवनशैली या विचारधारा से जुड़ा हो। यह स्वतंत्रता निस्संदेह उसकी आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान को सशक्त बनाती है, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है कि यह व्यक्ति को आत्मकेंद्रित बनाकर पारिवारिक और सामाजिक जुड़ाव की गर्माहट से दूर कर देती है। महानगरों में इसका स्पष्ट उदाहरण देखने को मिलता है। एकल परिवारों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जहां पति-पत्नी और बच्चे अलग-थलग जीवन जीते हैं। इस बदलाव के साथ ही दादा-दादी की कहानियां, चाचा-चाची का स्नेह, बड़े-बुजुर्गों का मार्गदर्शन, जो बच्चों के जीवन में अनुभव और संस्कार भरते थे, धीरे-धीरे लुप्त हो रहे हैं। आज जरूरत है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिकता के बीच एक संतुलन स्थापित किया जाए, ताकि आधुनिक जीवन में भी संबंधों की गहराई बनी रहे।

संयुक्त परिवार: भावनात्मक सुरक्षा का आधार

भारतीय समाज की आत्मा सदियों तक संयुक्त परिवार की परंपरा में सांस लेती रही है। गांवों में मेलों और त्योहारों का दृश्य इसकी सजीव मिसाल है-पूरा परिवार एक साथ तैयार होता, बच्चे पकौड़ियां खाते, औरतें गीत गातीं और पुरुष सामूहिक मुद्दों पर चर्चा करते। इन अवसरों पर हर व्यक्ति के भीतर यह विश्वास दृढ़ होता था कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक सशक्त सामूहिक ढांचे का हिस्सा है। दुर्भाग्यवश आधुनिक तकनीकी जुड़ाव इस भावनात्मक सुरक्षा और आत्मीय सहारा का विकल्प नहीं बन पाया है। आभासी संवाद चाहे कितना भी आकर्षक क्यों न लगे, वह संयुक्त परिवार की गर्माहट और आत्मीयता से कभी प्रतिस्थापित नहीं हो सकता।

त्योहारों की बदलती परंपरा

भारत की पहचान उसकी जीवंत और त्योहार प्रधान संस्कृति से है। यहां हर पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामूहिकता और आत्मीयता का उत्सव रहा है। दीपावली पर मोहल्लों में लोग एक-दूसरे के घर जाकर दीपों की रोशनी साझा करते थे तो होली पर रंगों में भीगकर गली-मोहल्ला परिवार बन जाता था। इन अवसरों में समाज की आत्मा झलकती थी, जहां पड़ोसी और रिश्तेदार मिलकर खुशियां बांटते थे और सामूहिक चेतना पुष्ट होती थी, लेकिन आधुनिक जीवनशैली ने इस परंपरा को बदल दिया है। आज त्योहार उपभोक्तावाद और दिखावे का रूप लेने लगे हैं। चमक-दमक भरे बाजार और सोशल मीडिया पोस्ट ही अब पर्वों की पहचान बनते जा रहे हैं। एक ही घर में बैठे भाई-बहन भी एक-दूसरे को सीधे गले लगाने के बजाय व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर दायित्व की पूर्ति मान लेते हैं। त्योहार अब आत्मीयता और मिलन के नहीं, बल्कि औपचारिकता निभाने और फोटो साझा करने के अवसर बन गए हैं। यह बदलाव केवल परंपरा के स्वरूप को नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन की उस आत्मा को भी कमजोर कर रहा है, जिसने सदियों तक भारतीय समाज को जोड़े रखा। त्योहारों की सच्ची महत्ता तभी लौटेगी, जब उन्हें दिखावे से नहीं, आत्मीय सहभागिता से मनाया जाएगा।

भावनात्मक पुनरुद्धार

तकनीक ने हमारे जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। इस प्रगति के साथ एक गंभीर परिणाम भी जुड़ा है। भावनात्मक जुड़ाव की नींव कमजोर होती जा रही है। आज मनुष्य भौतिक रूप से संपन्न होते हुए भी आंतरिक रूप से एक प्रकार की दरिद्रता का सामना कर रहा है। यदि यह प्रवृत्ति अनियंत्रित रूप में जारी रही तो भावनात्मक दूरी और अकेलापन समाज का स्थायी सत्य बन जाएगा। इस चुनौती का समाधान केवल तकनीक का परित्याग नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और आत्मीयता की पुनः स्थापना में निहित है। हमें अपनी परंपराओं और त्योहारों को केवल आभासी संदेशों तक सीमित न रखकर वास्तविक मिलन, साझा अनुभव और सहयोग का पर्व बनाना चाहिए। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक होगा, जब वह हमारे संबंधों को गहरा करने का साधन बने, न कि उनका विकल्प। संतुलन इसी में है, विज्ञान व तकनीक की प्रगति के साथ-साथ हम अपनी भावनात्मक संवेदनाओं और सामाजिक जुड़ाव को संरक्षित रखें। यह एक ऐसा समाज निर्मित करेगा, जहां विकास केवल भौतिक न होकर मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी समृद्ध होगा।

बच्चों में ओबेसिटी
भविष्य के दिल की समस्या

बचपन को जीवन का सबसे सुनहरा समय माना जाता है, लेकिन आज की बदलती जीवनशैली ने इसे गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर धकेल दिया है। हाल ही में यूनिसेफ की चाइल्ड न्यूट्रीशन ग्लोबल रिपोर्ट-2025 में खुलासा हुआ है कि भारत समेत पूरे दक्षिण एशिया में अब अंडरवेट से ज्यादा ओवरवेट एक बड़ी चुनौती बन चुका है। रिपोर्ट बताती है कि आज भारत का लगभग हर दसवां बच्चा मोटापे से जूझ रहा है। यह स्थिति न केवल उनके वर्तमान स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि भविष्य में हृदय रोगों के लिए सीधी नींव भी डाल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मोटापा ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में जरूरत से ज्यादा वसा जमा हो जाती है और यह स्वास्थ्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालती है, जिनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 25 से ज्यादा होता है, उन्हें ओवरवेट कहा जाता है और जिनका बीएमआई 30 से ज्यादा होता है, उन्हें ओबेस माना जाता है। आज विश्व स्तर पर लगभग 39 करोड़ बच्चे और किशोर अधिक वजन या मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। इनमें से करीब 16 करोड़ गंभीर मोटापे की श्रेणी में आते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि अगर यही रफ्तार जारी रही तो चाइल्ड ओबेसिटी महामारी का रूप ले सकती है।

सीमा अग्रवाल
लेखिका

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का कहना है कि जिन बच्चों का बीएमआई अधिक है, उन्हें हृदयघात और स्ट्रोक का खतरा दो से तीन गुना ज्यादा होता है। माना जाता है कि ऐसे बच्चों की जीवन प्रत्याशा सामान्य बच्चों से लगभग आधी रह जाती है। पोस्टमॉर्टम स्टडीज से यह पता चला है कि मोटापे से ग्रस्त बच्चों की रक्त वाहिनियों में शुरुआती उम्र से ही फैटी स्ट्रिक्स जमा होने लगती हैं। यह स्थिति युवावस्था तक पहुंचते-पहुंचते एथेरोस्क्लेरोसिस में बदल जाती है, जो हार्ट अटैक का मुख्य कारण है।

क्या कहते हैं अध्ययन

अध्ययनों से पता चला है कि मोटे किशोरों में वयस्क अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते हृदय रोग का खतरा 40-70 प्रतिशत अधिक हो जाता है। भारत में हुए कुछ शोधों के अनुसार, 10-15 साल की उम्र के मोटे बच्चों में 20-30 प्रतिशत तक पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर और असामान्य लिपिड स्तर पाए जाते हैं। यदि मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही, तो 2035 तक भारत में किशोरों और युवाओं में हृदय रोग का बोझ दोगुना हो सकता है।

क्या हैं सावधानियां

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए बहुस्तरीय प्रयास जरूरी हैं। परिवार स्तर पर बच्चों को संतुलित आहार देना, स्क्रीन टाइम सीमित करना और आउटडोर खेलों के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। स्कूलों में कैंटीन और मिड-डे मील में हेल्दी फूड को प्राथमिकता देनी चाहिए और शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सरकारी स्तर पर जंक फूड और शुगरीय ड्रिंक्स पर टैक्स या प्रतिबंध, हेल्थ चेक-अप और जागरुकता अभियान चलाना कारगर उपाय हो सकते हैं। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जन-जागरुकता पैदा की जा सकती है।

बचपन का मोटापा अब केवल एक लाइफस्टाइल समस्या नहीं, बल्कि भविष्य के हृदय रोगों का सबसे बड़ा बीज है। यह बच्चों को जीवन की शुरुआत में ही गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों की ओर धकेल रहा है। भारत जैसे युवा देश के लिए यह चिंता और भी बड़ी है, क्योंकि यदि आज इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो आने वाले 10-20 सालों में हृदय रोगों का बोझ विस्फोटक रूप से बढ़ेगा। समाधान स्पष्ट है-स्वस्थ आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, समय पर स्वास्थ्य जांच और नीतिगत हस्तक्षेप। अगर हम अभी कदम उठाएं, तो बच्चों का वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी सुरक्षित किया जा सकता है।

मोटापे बढ़ने के कारक

बच्चों में मोटापे के बढ़ने के पीछे कई परस्पर जुड़े कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ी वजह गलत खान-पान की आदतें हैं। फास्ट फूड, पैकेज्ड स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और जंक फूड बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। इन खाद्य पदार्थों में कैलोरी तो अधिक होती है, लेकिन पोषण बेहद कम होता है। इसके साथ ही शारीरिक निष्क्रियता ने भी स्थिति को और बिगाड़ा है। पहले बच्चे खुलकर खेलकूद करते थे, लेकिन आज मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम्स ने उनकी शारीरिक गतिविधियों को लगभग खत्म कर दिया है। घंटों स्क्रीन के सामने बैठने से ऊर्जा की खपत कम होती है और वजन तेजी से बढ़ता है। परिवार और सामाजिक माहौल भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। व्यस्त जीवनशैली के कारण माता-पिता अक्सर बच्चों को रेडी-टू-ईट और बाहर का भोजन देते हैं। पोषण संबंधी जागरूकता की कमी बच्चों में असंतुलित आहार को और बढ़ावा देती है। आय में वृद्धि और शहरीकरण ने भी पारंपरिक संतुलित भोजन को पीछे छोड़कर तैलीय और बाजारू भोजन को लोकप्रिय बना दिया है।

बच्चों में मोटापे और हृदय रोगों के बीच गहरा संबंध

मोटापे और हृदय रोगों के बीच गहरा संबंध है। हमारा हृदय एक मांसपेशी है, जो पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। जब बच्चे का वजन बढ़ जाता है, तो हृदय को सामान्य से कहीं अधिक मेहनत करनी पड़ती है। समय के साथ यह अतिरिक्त कार्यभार हृदय की दीवारों को मोटा, कठोर और कम कुशल बना देता है। मोटे बच्चों में हाई ब्लड प्रेशर और खराब कोलेस्ट्रॉल जल्दी विकसित हो जाते हैं, जो धमनियों में चर्बी जमा करके खून के प्रवाह को बाधित करते हैं। यह स्थिति दिल का दौरा या स्ट्रोक का खतरा बढ़ाती है। बचपन का मोटापा इंसुलिन रेजिस्टेंस और टाइप-2 डायबिटीज को जन्म देता है और डायबिटीज हृदय रोग का सबसे बड़ा जोखिम कारक है। किंग्स कॉलेज लंदन की रिसर्च बताती है कि बचपन का मोटापा सीधे हृदय रोगों का कारण बन सकता है। मोटे बच्चों का लेफ्ट वेंट्रिकल गोलाकार हो जाता है, जिससे उसकी पंपिंग क्षमता घट जाती है और हृदय कमजोर होने लगता है।

बिगड़ रही है शरीर की
जैविक घड़ी

ईश्वर जीव-जंतुओं और वनस्पति जगत का पिता है। जड़, जंगम और जगत का रचयिता और नियंता है। हम और आप मनुष्य की बनाई साधारण घड़ी से तो परिचित हैं, जो अक्सर दीवारों पर लगी दिखती है। घंटा घर पर भी दिखाई देती है, लेकिन अधिकांश मनुष्य परमात्मा की बनाई जैविक घड़ी से परिचित नहीं है, जो उसने मानव शरीर जीव-जंतुओं के शरीर और वनस्पति में स्थापित की है।

आर्य सागर
लेखक

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की एक शाखा है-फिजियोलॉजी, जिसे शरीर क्रिया विज्ञान कहा जाता है, जिसमें इस बात का अध्ययन किया जाता है कि मानव शरीर के अंग कैसे कार्य करते हैं, कौन सा अंग, कौन सा रस हार्मोन कब-कब बनाएगा और शरीर की आवश्यकता पूरी होने पर बनाना बंद करेगा। वह कौन है, जो हमें गहरी नींद से सोते हुए ही जगा देता है, वह कौन है, जो निश्चित समय होने पर हमें भूख का एहसास शरीर में करा देता है। हमारे लिए इन सभी कार्यों का करता ईश्वर है। ईश्वर ने इस क्रिया के लिए मानव शरीर में जैविक घड़ी बायोलॉजिकल क्लॉक को बनाकर उसमें चाबी भर दी है, जो हमें हमारे स्वभाव, सुबह से लेकर रात्रि तक मानसिक सक्रियता, तनाव, उत्साह को नियंत्रित करती है। हमारे शरीर के अंदरूनी अंगों की क्रिया प्रणाली को निर्धारित नियंत्रित करती है।

कैसे काम करती है जैविक घड़ी

दुनिया इस जैविक घड़ी के विषय में वर्ष 2017 में ही विस्तारपूर्वक जान पाई है, जब तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को वर्ष 2017 का फिजियोलॉजी का नोबल मिला था। हमारे ओजस्वी, तेजस्वी पूर्वज परमात्मा की बनाई जैविक घड़ी को लाखों-करोड़ों वर्ष पहले ही जान गए थे तभी तो उन्होंने अपनी दिनचर्या को नियमित किया था। प्रात: 3:00 या 4:00 बजे ब्रह्म मुहूर्त में उठना, 6:00 बजे तक

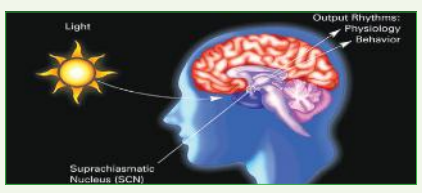

मल त्याग और 12:00 बजे तक भोजन ग्रहण कर लेना। सुबह-शाम मानसिक आध्यात्मिक लाभ के लिए वैदिक संध्या करना। रात्रि 9 से 10 के बीच सो जाना। जब हम 9 बजे सो जाते हैं तो नींद चार चरणों में पूरी होती है 9 से 11 के बीच गहरी नींद आती है। 11 से 1 के बीच सपनों से युक्त नींद आती है। 1 से 3 के बीच दोबारा गहरी नींद आती है। 3 से 5 के बीच सपनों से युक्त नींद आती है। यह शुभ-अशुभ सपने होते हैं। इनमें से अधिकांश सुबह याद भी नहीं रह जाते। युवकों के लिए विशेष लाभदाई होता है प्रात: 4 बजे का उठना।

शारीरिक रोगों से ग्रस्त लोग

हम देखते हैं कि जीव-जंतु समय से खाते हैं, समय से सोते हैं, समय पर उठते हैं तो वह सदैव स्वस्थ रहते हैं, उनको गंभीर बीमारियां नहीं होतीं, लेकिन इंसान आज रोगों का पुतला बन गया है। मानसिक शारीरिक रोगों से ग्रस्त है। जब कोई छोटा बच्चा रात को पेड़ को हिलाता था तो हमारे बुजुर्ग मना करते थे, उसके पीछे यही कारण था कि पेड़ की जैविक घड़ी बाधित हो जाएगी पेड़ को असमय हिलाने से। इतना ही नहीं महीने में दो दिन खेती में काम आने वाले पशु से अमावस्या, पूर्णमासी के दिन काम नहीं लिया जाता था। चंद्र-मास परिवर्तन का असर पशुओं की जैविक घड़ी पर न पड़े, लेकिन आज मानव शरीर बीमारियों का पुतला बन गया है। हर दूसरा व्यक्ति अशांत, बेचैन, अतृप्त है। इसका एक ही कारण है परमात्मा की बनाई जैविक घड़ी के अनुसार अपनी दिनचर्या का पालन नहीं करना। सुबह-शाम सूर्य की किरणें इस जैविक घड़ी को प्रभावित करती हैं। शरीर अपने अंदर से आंतरिक परिवर्तन लाता है। सुबह हम ऊर्जा का अनुभव करते हैं। स्मृति तेज होती है। शाम होते-होते ऊर्जा की कमी अनुभव होने लगती है। रात को सोते समय कक्ष में कृत्रिम प्रकाश नहीं होना चाहिए। इससे जैविक घड़ी प्रभावित होती है। सोने का यही नियम होना चाहिए सबसे पहले लाइट बंद, फिर आंख बंद, फिर विचार बंद।

सोने के नियम

सोने के कुछ नियम हैं, जिनका पालन करना आवश्यक है। हमें रात को जल्दी सोना चाहिए और सोने से पहले लाइट बंदकर देनी चाहिए। कृत्रिम प्रकाश हमारी जैविक घड़ी को प्रभावित कर सकता है और हमें नींद की गुणवत्ता को कम कर सकता है।

दिनचर्या नियमित करने के लाभ

हम अपनी दिनचर्या को नियमित करते हैं तो हमें कई लाभ होते हैं। हमें अच्छी नींद आती है, हमारा पाचन तंत्र ठीक रहता है और हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। नियमित दिनचर्या हमें तनाव और चिंता से भी बचाती है और हमें अधिक ऊर्जा और उत्साह देती है।

सूर्य की किरणों का प्रभाव

सूर्य की किरणें हमारी जैविक घड़ी पर बहुत प्रभाव डालती हैं। सुबह की किरणें हमें ऊर्जा और उत्साह देती हैं, जबकि शाम की किरणें हमें आराम और शांति देती हैं। सूर्य की किरणें हमारे शरीर को विटामिन डी भी प्रदान करती हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से होगी। यदि सप्ताह के उत्तरार्ध का कुछ समय छोड़ दिया जाए तो पूरा हफ्ता अनकूल रहने वाला है। यदि आप प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे हैं या फिर आप अपना करियर या कारोबार विदेश में चाहते हैं तो आपकी राह में आ रही बाधाएं दूर होगी।

वृष
इस सप्ताह कार्य विशेष को करते समय सूझबूझ से काम लेना होगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र में सभी को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। इस सप्ताह घर हो या बाहर आपको लोगों की छोटी-मोटी बातों को तूल देने से बचना होगा।

मिथुन
यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह के अंत तक आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी, पद की प्राप्ति संभव है। यदि आप लंबे समय से अपनी नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के अंत में आपके शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

कर्क
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह थोड़ा बेहतर रहेगा, लेकिन बावजूद इसके आपको अपने कामकाज के तरीके व लोगों के साथ बात-व्यवहार में बदलाव की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह किसी भी कार्य को कल पर टालने अथवा किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की गलती न करें।

सिंह
यह सप्ताह मनचाही मुराद पूरी करने वाला साबित होगा। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। यदि आप लंबे समय से किसी स्थान विशेष पर तबादले अथवा किसी महत्वपूर्ण पद को पाने के लिए प्रयासरत थे तो आपको अप्रत्याशित रूप से वह मिल सकता है।

कन्या
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। इस राशि के जातकों को इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करने में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। स्वजनों और शुभचिंतकों से समय पर सहयोग व समर्थन न मिल पाने पर कन्या राशि के जातकों का मन इस सप्ताह थोड़ा उदास रहेगा।

तुला
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आप अपने करियर और कारोबार के लिए जितना परिश्रम व प्रयास करेंगे आपको उतनी ही ज्यादा सफलता हासिल होगी। इस पूरे सप्ताह आप पर ईश्वर की कृपा बरसती नजर आएगी। अधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे और कनिष्ठ लोगों का पूरा सहयोग-समर्थन मिलता रहेगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह के आरंभ का समय आप अपनी ऊर्जा और ध्यान विशेष रूप से आय बढ़ाने में लगाएंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप लाभ के नए साधन बनाने और आय के साधनों को बहुगुणित करने में अपनी ऊर्जा जगाएंगे। धन का आगमन इस सप्ताह अवधि की विशेषता रहेगी।

धनु
यह सप्ताह अनुकूल है, लेकिन फिर भी आपको इस सप्ताह कोई भी कदम जल्दबाजी अथवा आवेश में आकर उठाने से बचना चाहिए अन्यथा आपको मिलने वाली सफलता और लाभ का प्रतिशत कम हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपके कर्मक्षेत्र में अचानक ही आपको कोई लाभ होगा अथवा किसी कार्य में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है।

मकर
यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। आपके कार्य यथावत चलते रहेंगे और कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं नए संबंधों को बढ़ाने में मददगार साबित होगी। आप अपने आजीविका के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव लाने की योजना बना सकते हैं।

कुंभ
यह सप्ताह बीते सप्ताह के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहने वाला है। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों की आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे, जिससे उनकी आर्थिक हालात में सुधार देखने को मिलेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में आप अपने कार्य विशेष में सफलता और कारोबार में होने वाले लाभ को लेकर काफी आशान्वित रहेंगे। काफी हद तक आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल भी होंगे।

मीन
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह अहं और वहम से बचना होगा। जीवन में सभी पर विश्वास करना उचित नहीं है, लेकिन यदि किसी पर विश्वास करना भी हो तो सोच समझकर करें। घर और बाहर दोनों जगह लोगों के साथ प्रेम व सामंजस्य बनाए रखने के लिए आपको बड़ी सूझबूझ के साथ निर्णय लेने होंगे।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 28

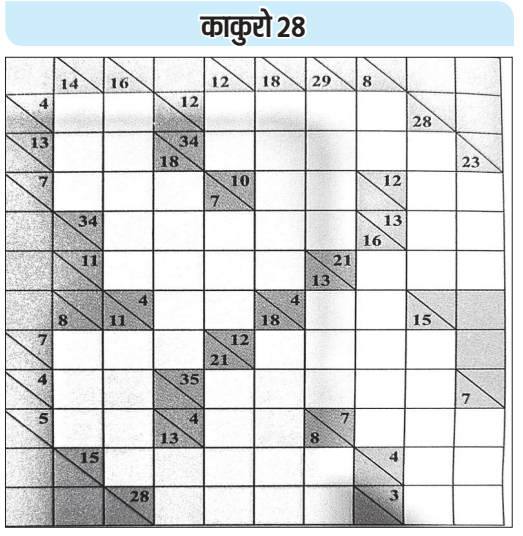

काकुरो 27 का हल

	11	34			16	4	7		
13	5	8	3	7	4	1	2	10	
10	3	6	1	4 10	1	3	4	2	6
16	1	4	2	3	6	8	1	4	3
11	2	9	3 22	1	2	6	4 8	3	1
	16	7	9	15 14	3	5	4	1	2
	24	16 30	7	9	3 34	1	3	16	
35	8	9	6	5	7	16 4	1	3	29
16	9	7	23	17	8	9	9 17	1	8
22	7	6	9	16 34	4	7	8	6	9
	30	8	6	7	9	20	9	4	7
		23	8	9	6		7	2	5

शब्द संसार

कहानी

बचपन की फुलझड़ियां

दीवाली की छुट्टियों में डॉक्टर सरिता ने अपने गांव जाने की पूरी तैयारी कर ली थी। गांव का शांत वातावरण, गायों के गले में पड़ी घंटियों की आवाजें, पेड़ों की छांव में बैठकर घंटों गपशप करने की यादें, उन्हें काफी दिन पहले ही याद आने लगी थी। जैसे ही अस्पताल से छुट्टी मिली, वह तुरंत गांव के लिए रवाना हो गईं। उनके गांव तक अब बस जाने लगी थी। जब वह छोटी थीं, तो केवल घोड़ागाड़ी या बैलगाड़ी ही उनके गांव जा पाती थीं।

सामान का बैग अपने कंधे पर लादकर वह बस अड्डे पर जा पहुंचीं। संयोग से बस उनके गांव जाने के लिए तैयार खड़ी थी। वह तेजी से बस में चढ़ीं और पीछे से आगे वाली सीट पर जाकर बैठ गईं। तभी एक अखबार बेंचने वाला, अखबार लेकर बस में चढ़ा। वह जब भी बस में यात्रा करती थीं, तो समय व्यतीत करने के लिए कोई न कोई पत्रिका या अखबार जरूर खरीद लेतीं थीं, लेकिन आज उन्होंने कोई अखबार या पत्रिका नहीं खरीदी। उन्हें तो अपने गांव की बीती हुई जिंदगी की यादों को याद करने में बड़ा मजा आ रहा था।

बस धीरे-धीरे सड़क पर रेंगने लगी थी। सरिता ने अपना सिर खिड़की के शीशे से टिकाकर अपने मस्तिष्क की डायरी में लिखे गांव के दिनों के पन्नों खोलकर पढ़ना शुरू कर दिया। वह अपने माता-पिता की चौथी संतान थी। उनसे बड़ा एक भाई और दो बहनें और थीं। पापा को वह बचपन से ही बाबा कहतीं थीं। अपने सभी भाई-बहनों में वह सबसे ज्यादा चंचल थीं। पढ़ाई-लिखाई में भी वह सबसे आगे थीं, लेकिन मां तथा बाबा की नजरों में, जो स्थान भइया का था, वह किसी भी बहन का नहीं था। सभी बहनें मिल-जुलकर घर का सारा काम करतीं थीं, लेकिन भइया को बस पढ़ाई करनी थी। बाबा को भइया से बहुत आशाएं थीं। वह कहते हैं कि भइया को वह खूब पढ़ाएंगे, जिससे वह बड़ा होकर बहुत बड़ा डॉक्टर बने। परंतु भइया का मन पढ़ाई में बिल्कुल नहीं लगता था। यही कारण था कि वह हाईस्कूल की परीक्षा में तीन बार फेल हुआ था, लेकिन सरिता ने केवल हाईस्कूल की परीक्षा ही नहीं पास की थी, वरन पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उसका फोटो खींचने के लिए अखबार वालों की लाइन सी लग गई थी।

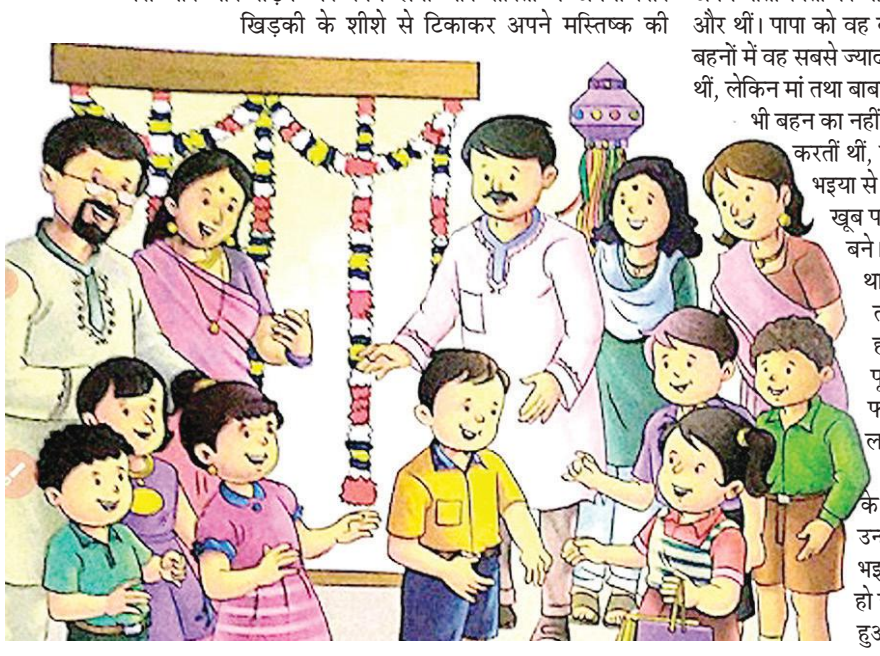

बाबा को खुशी तो हुई थी, लेकिन उनके मन के किसी कोने में उसके लड़की होने की टीस थी। उन्होंने बुझे मन से कहा भी था कि यदि यही स्थान भइया का आया होता तो उनका मस्तक गर्व से ऊंचा हो जाता। बाबा की इस बात से सरिता को बहुत दुख हुआ था, लेकिन उसने कुछ कहा नहीं! गांव में हाईस्कूल से ज्यादा कक्षा के स्कूल नहीं थे। अब यदि सरिता को पढ़ाई करनी थी तो उसे शहर जाना था। बाबा तथा अम्मा ने बिल्कुल ही मनाकर दिया था कि वह अब और आगे नहीं पढ़ेगी। घर में रहकर केवल घर के कामकाज सीखेगी। लड़कियों को ज्यादा पढ़ने से कोई फायदा नहीं! शादी हो जाने पर, उन्हें घर का ही चूल्हा-चौका देखना है। फिर लड़की जब ज्यादा पढ़ जाती है तो उसके मेल का लड़का मिलने में भी काफी परेशानी होती है,

लेकिन सरिता ने और आगे पढ़ने की ठान रखी थी। उसने इसी कारण कई दिनों तक खाना भी नहीं खाया था, परंतु इतना सब होने के बाद भी बाबा का दिल नहीं पसीजा था। वो तो चाचा की बलिहारी कहो कि वह उन्हीं दिनों गांव आए थे, जब उसकी भूख हड़ताल चल रही थी। चाचा शहर में एक बैंक में काम करते थे। सारी बात जानकर उन्होंने अपना निर्णय सुनाया था कि सरिता उनके साथ शहर जाएगी और वहीं रहकर आगे की पढ़ाई करेगी। चाचा की बात का बाबा ने काफी विरोध किया था, लेकिन चाचा ने किसी तरह उन्हें समझा लिया। फिर वह चाचा के साथ शहर आ गई थी। अब वह होली, दीवाली जैसे त्योहारों पर ही गांव जाती थी।

डॉ. देशबंधु
बाल साहित्यकार

धीरे-धीरे समय बीतता रहा। उसने इंटर की परीक्षा बहुत अच्छे अंकों से पास की थी। एक दिन उसने चाचा से डॉक्टरी की प्रवेश परीक्षा में बैठने की इच्छा प्रकट की। चाचा उसकी बात सुनकर बहुत प्रसन्न हुए थे। उन्होंने उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति ही नहीं दी, वरन खुद फार्म भी ले आए। सरिता पढ़ने में अव्वल तो थी ही, इसलिए प्रवेश परीक्षा में भी उसने बाजी मार ली। संपूर्ण प्रवेश परीक्षा में उसका प्रथम स्थान था। एक बार फिर वह अखबारों की सुर्खियों में छा गई। चारों ओर से उसके लिए बधाई संदेश आ रहे थे, लेकिन उसे अपनी बाबा तथा अम्मा के बधाई, आशीर्वाद संदेश का इंतजार था। वह इंतजार करती रही, लेकिन ऐसा कोई समाचार गांव से नहीं आया।

भइया ने हाईस्कूल में लगातार तीन साल फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और गांव में ही खेती का काम देखने लगा था। सरिता को मेडिकल कालेज में प्रवेश मिल गया था। यहां भी उसने मन लगाकर पढ़ाई की और लगातार अच्छे अंकों से पास होती रही। धीरे-धीरे उसकी डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी हो गई।

एक दिन उसने अखबार में अस्पताल में डॉक्टरों की भर्ती का विज्ञापन पढ़ा। उसने चाचा से इसमें आवेदन करने की अनुमति मांगी। चाचा ने तुरंत हामी भर दी। सरिता ने फार्म भरा। उसे साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। उसकी विलक्षण प्रतिभा के कारण उसका तुरंत चयन हो गया। अब वह सरकारी अस्पताल की डॉक्टर थी।

एक दिन वह अस्पताल में अपने कमरे में बैठी मरीज देख रही थी। तभी उसके मोबाइल की घंटी बज उठी। सरिता ने मोबाइल उठाकर देखा। उसके चाचा का फोन था। कॉल चालू होते ही उसे चाचा की घबराई हुई आवाज सुनाई पड़ी, "बिटिया, तुम्हारे बाबा को दिल का दौरा पड़ गया है। गांव के डॉक्टर ने जवाब दे दिया है। अभी कुछ ही देर में पड़ोसी उन्हें तुम्हारे पास ला रहे हैं।"

चाचा की घबराई हुई आवाज सुनकर सरिता के दिल की धड़कन बढ़ गई। कुछ ही देर में, चाचा जी पसीने से लथपथ, उसके कमरे में घुसे। उसे देखते ही वह चिल्लाए,-"बिटिया देखो, तुम्हारे बाबा को क्या हो गया?" इसके आगे वह और नहीं बोल पाए। फफककर रो पड़े।

चाचा की ऐसी हालत देखकर सरिता तुरंत अपनी सीट से उठकर दरवाजे की ओर भागी। बाहर गेट पर ट्रैक्टर वाली ट्राली में बाबा बेहोश पड़े थे। उनकी ऐसी हालत देखकर वह भी फफककर रो पड़ी, लेकिन उसने तुरंत ही अपने आप पर काबू पाकर नर्स को स्ट्रेचर लाकर बाबा को ट्राली पर से उतारने के लिए कहा। अंदर चारपाई पर लिटाकर उसने बाबा का चेकअप किया। फिर कुछ इंजेक्शन लगाकर ग्लूकोज की बोतल चढ़ानी शुरू कर दी। बाबा को वास्तव में दिल का दौरा पड़ा था। जब गांव के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया तो पड़ोसी उन्हें ट्राली पर लादकर शहर भागे थे। चार-पांच बोतलें चढ़ने के बाद बाबा को होश आया था। सामने सरिता बिटिया को देखकर उनकी आंखों से आंसू बह निकले। उनके मुंह से बस यही शब्द फूटे थे,-"जुग-जुग जियो मेरी बिटिया! तुमने आज मेरी लड़की का नहीं, वरन लड़के का हक अदा कर दिया है। मैंने लड़की और लड़के में भेद करके तुम्हें आगे पढ़ाई करने से रोका था। वह मेरी बहुत बड़ी भूल थी।" कुछ पल रुककर उन्होंने फिर कहा था, -"यदि आज तुम इस काबिल न होतीं बिटिया, तो शायद मैं जिंदा न रह पाता।" कहते-कहते उनकी आवाज भर्राने लगी थी।

बाबा की बातें सुनकर सरिता को लगा था, जैसे आज पहली बार उसे बाबा के हृदय का सच्चा प्यार मिल पाया है, जिसके लिए वह बरसों तरसी थी। उसे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे सारी दुनिया की खुशियां सिमटकर उसकी झोली में आ गईं है। वह बाबा के गले से लिपटकर काफी देर रोई थी। ये वो आंसू थे, जो बरसों अपने बाबा का सच्चा स्नेह पाने से वंचित रहने के कारण उसके हृदयंतर में बोझ की तरह कैद थे।

अचानक गाड़ी के रुकने से उसकी तंद्रा भंग हुई। उसने खिड़की से बाहर झांककर देखा। उसका गांव आ गया था। बीती-बातों की यादों ने उसका सफर पूरा कर दिया था। उसने अपना बैग उठाकर कंधे पर लादा और बस से उतरकर अपने घर की ओर चल दी। वह मन ही मन सोच रही थी कि अभी कुछ पल बाद वह अपनी प्यारी अम्मा के गले से लिपटकर उनके निर्मल प्यार में इतना नहा जाएगी कि उसकी सफर की थकान पलक झपकते ही समाप्त हो जाएगी। फिर वह अम्मा के द्वारा बने स्वादिष्ट गुलाब जामुन और दही-बड़े खाएगी। उसे मां के बनाए दही-बड़े बहुत अच्छे लगते थे। दीवाली वाले दिन वह अपने परिवार के साथ आतिशबाजी का खूब आनंद लेगी। मिट्टी के दीपकों से अपने घर को रोशन करेगी। यादों की मनमोहक रंग-बिरंगी रोशनी में डूबी सरिता के मन में, गांव में बीते बचपन की अनगिनत फुलझड़ियां छूट रहीं थीं। उसके होंठों पर यह सब सोचकर हल्की सी मुस्कान फैल गई थी।

कविताएं/गीत

बढ़ते कदम

ये बढ़ते कदम, बड़े निराले हैं,
हैं इनमें हजारों की उम्मीदें,
उन लाचारों की उम्मीदें
हर कदम में है विश्वास, बढ़ता
हौंसला और भविष्य
मत रोकों इन बढ़ते कदमों
को, बैचैन कदम हैं बढ़ने को

ये थकते नहीं हैं चलने से, न
हां कहते,न, न कहते
मकसद है सिर्फ चलने से,
इस दुनिया को बदलने से,

है ख्वाब इनमें उन परिंदों के,
जिनको जकड़ा है दरिंदों ने
मसलें हल होंगे सबके इनसे,
तुम भी बढ़ लो, मैं भी बढ़ लूं

बैर छोड़ों, प्रेम करों,
कदम तुम्हारा छोटा पड़
जाए, तो
मैं अपना कदम बढ़ा लूंगा,
कदम मिलाकर देखो तो, फिर
ये जहां बदलेगा इन कदमों से,

ये कदम चले हैं शोलों पर,
कड़ी धूप में रेतों पर
जुते खेत के ढेलों पर, जज्बा
बहुत है इन कदमों में
आगे बढ़कर हाथ मिलाओ,
इन कदमों से कदम मिलाओ।

डॉ बी. पी. सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

जीत गया

बंजारों सा सारा जीवन
चलते-चलते बीत गया।
गया नदी से दूर नहीं था
फिर भी गागर रीत गया।

शाम झांकती पत्तों में से
चिड़ियों में डर दीख रहा।
बदले मौसम के संग-
संग ही
अंतर्मन भी भीग रहा।
मौसम का रुख भी बदलेगा
अभी-अभी तो शीत गया।

जंगल-जंगल चलते-चलते
दिन कितने ही गुजर गए।
बस्ती के सच को गाया तो
कितने चेहरे मुकर गए।
जिसको अपनाना था मुझको
रूठ वही फिर मीत गया।

दूर पहाड़ी झरने के भी
स्वर क्यों उखड़े-उखड़े हैं।

जिसको देखो उसके मन में
ढेरों प्रश्न खड़े से हैं।
कदम-कदम जो हारा
मुझसे हार-हार कर जीत
गया।

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

कलयुग में कृष्ण नहीं आ पाएंगे

कलयुग की सुता तुम तनुजा
नहीं सत्ययुग की राधा हो।
न तुम त्रेतायुग की सीता न
अहिल्या, होल्कर मराठा हो।
घर में छिपकर बैठे रावण तुम्हें
हरण कर ले जाएंगे।
कुमारी, अपनी रक्षा स्वयं ही
कर लो कलयुग में कृष्ण नहीं
आ पाएंगे।
तेज कर चूल्हा,चकला-बेलन,
नंदिनी अब तुम शस्त्र उठा लो
अब ध्वंस करो गहनों से
सजना, मस्तक रणभूमि
तिलक लगा लो।
दु:शासन से चेहरे निर्मित, चीर
हरण कर जाएंगे, आत्मजा!
अपनी रक्षा स्वयं ही कर लो,
कलयुग में कृष्ण नहीं आ
पाएंगे।।
त्यागो तो अश्रुओं का क्रंदन,
मां ज्वाला सम कहानी हो
अभिज्ञा बनो अपने पराक्रम
की, तुम कालरात्रि भवानी हो
सतयुग के राम-लक्ष्मण
भरत-शत्रुघ्न,
आदर्श तुल्य नहीं मिल पाएंगे
दुहिता, अपनी रक्षा स्वयं ही
कर लो, कलयुग में कृष्ण नहीं
आ पाएंगे।।
'निर्भया' सा लज्जित कर
देंगे, 'श्रद्धा' सा तड़पाएंगे
देह तुम्हारी टुकड़े कर देंगे
और क्रूर क्रिया पर मुस्काएं
न्याय पाने की अभिलाषा में,
मात-पिता के आंसू शुष्क
कठोर हो जाएंगे,
बेटी, अपनी रक्षा स्वयं ही कर
लो, कलयुग में कृष्ण नहीं
आ पाएंगे।

प्रीति अरोरा
लेखिका

लघुकथा

संवेदनशीलता

त्रियुगी नारायण एक गांव से निकलकर शहर में पढ़ने आया। किसान का बेटा होने के बाद भी होनहार था सो ग्रेजुएशन करने के तुरंत बाद एक बैंक में अधिकारी पद की परीक्षा दी और पहली बार में ही पास होकर नौकरी करने लगा। त्रियुगी नारायण की नौकरी क्या लगी, शादी के प्रस्ताव भी आने लगे और माता-पिता ने एक सभ्य सुसंस्कृत परिवार की कन्या से विवाह कर दिया। विवाह के बाद त्रियुगी नारायण ने किराए का एक श्री बीएचके फ्लैट ले लिया तो माता-पिता भी दो-चार दिन के लिए आने लगे।

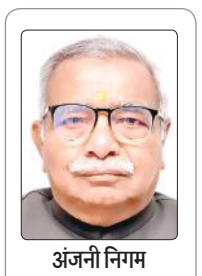

अंजनी निगम
वरिष्ठ पत्रकार

होली-दिवाली जैसे त्योहार त्रियुगी नारायण अपनी पत्नी सुनयना के साथ गांव में ही अपने माता-पिता के साथ मनाने के लिए जाते थे। त्रियुगी नारायण ने अपने माता-पिता से शहर के मकान में रहने का कई बार आग्रह किया, किंतु उन्होंने हर बार इनकार कर दिया कि गांव के जैसा शांत, प्रदूषण मुक्त वातावरण शहर में कहां मिलेगा। त्रियुगी के सारे प्रयास विफल हो गए तो उसने गांव के पुराने कच्चे मकान को पक्का करा दिया। समय बीतते देर नहीं लगी और त्रियुगी के घर में किलकारियां गूंजी तो सबसे अधिक प्रसन्नता गांव में उसके बाबा-दादी को हुई। पहली बार वो दोनों अपने कुलदीपक के साथ 15 दिनों तक रुके और जाते-जाते दुलार करते रहे। उन्होंने ही उसका नाम दीपक रखते हुए कहा कि अब यह कुल को और भी आगे बढ़ाएगा। दीपक बड़ा होने के साथ बाबा-दादी का दुलारा भी होता गया, दिन में एक बार वीडियो कॉल पर उसे न देख लें तो बाबा-दादी को चैन नहीं मिलता था। बैंक नौकरी में सीनियरिटी बढ़ने के साथ ही पहले शहर की ही बड़ी ब्रांच फिर दूसरे शहरों में तबादला होने लगा। इधर दीपक भी बड़ा होकर इंटरमीडिएट में आ गया, इसी बीच दो माह के भीतर ही पहले मां और फिर पिता जी की मृत्यु का समाचार त्रियुगी नारायण को मिला तो वह टूट ही गया। ऐसे में पत्नी सुनयना ने उसे हिम्मत बंधाई और निर्णय लिया गया कि गांव की संपत्ति को समेट कर अब शहर में रहा जाए, क्योंकि अब तैनाती गांव से काफी दूर थी और ट्रेन से जाने में पूरा एक दिन लग जाता था। खैर खेती-बाड़ी और गांव का मकान बेचकर त्रियुगी स्थायी रूप से शहर में ही आ गया। दीपक की हायर एजुकेशन को लेकर पति-पत्नी चिंता ही कर रहे थे कि उनका तबादला नोएडा में हो गया। यहां पर कुछ दिन तो किराए पर रहने के बाद, उन्होंने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बड़ी सोसायटी में फोर बीएचके का फ्लैट ले लिया। सोसायटी में सुरक्षा के साथ ही पार्क, जिम, इंटरटेनमेंट आदि की सुविधाएं भी थीं।

दीपक भी अपने पिता की तरह शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रहता था और पहली बार में ही उसका सलेक्शन नोएडा के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में हो गया। बीटेक करने के बाद उसने विदेश से एमटेक करने की इच्छा जताई तो पिता ने ब्रिटेन की एक नामी यूनिवर्सिटी में दाखिला करा दिया। एमटेक पूरा होने के पहले ही दीपक को वहां की एक कंपनी ने हायर कर लिया तो उसने वहीं अपना करियर शुरु कर दिया। धीरे-धीरे चार साल गुजर गए और त्रियुगी भी बैंक से रिटायर हो गए तो उन्होंने फेयरवेल पार्टी में दीपक से भी शामिल होने के लिए कहा, लेकिन कंपनी के कामों में व्यस्त रहने के उसने पिता से क्षमा मांग ली। इस घटना के बाद त्रियुगी कुछ उदास और गुमसुम रहने लगे। सोसायटी में भी लोगों से मिलना-जुलना कम हो गया। अचानक एक रात सोते समय उन्हें तेज घबराहट हुई तो उन्होंने सुनयना को जगाया और बात बताई। उन्होंने उसी ब्लॉक में रहने वाले एक डॉक्टर को रात में बुलाया तो उन्होंने आला लगाते ही कहा कि इन्हें तुरंत हॉस्पिटल ले जाना होगा। हॉस्पिटल वालों ने सॉरी बोलते हुए कहा आने में देर हो गई। सुनयना तो बदहवास हो गई, लेकिन सोसायटी के लोगों ने ढांढस बंधाया। दीपक को सूचना दी गई किंतु वह फिर नहीं आ सका। अंतिम संस्कार के बाद अब सुनयना इतने बड़े घर में अकेले रह गई तो उसकी हालत भी दीपक वाली हो गई। उसने अपना फ्लैट त्रियुगी के साथ बैंक में काम करने वाले कृष्णा अय्यर को किराए पर उठा दिया और खुद एक कमरे के मकान में रहने लगी।

सुनयना का मन किसी काम में नहीं लगता और न ही खाने की इच्छा रहती। धीरे-धीरे वह कमजोर होने लगी और बीमारियों ने उसके शरीर में जगह बना ली। एक दिन सुबह काम वाली ने डोर बेल बजाई तो दरवाजा नहीं खुला। उसने सोसायटी के गॉर्ड को सूचना दी तो बालकनी से घुसकर दरवाजा खोला गया और नजारा देखकर सभी दंग रह गए। सुनयना तो अपने बेड पर चिरनिद्रा में लीन थी। कृष्णा अय्यर ने सुनयना के फोन से दीपक को कॉल कर सूचना दी तो उसका जवाब था, अंकल! वर्क का ओवरलोड चल रहा है, आप लोग ही मम्मी का क्रिमनेशन मैनेज कर दीजिए मैं आपके अकाउंट में कुछ पैसे ट्रांसफर कर देता हूं। सोसायटी वालों ने ही सुनयना का अंतिम संस्कार कराया, दीपक ने इंग्लैंड में वहीं की एक भारतीय लड़की से शादी कर ली थी और उसके छह माह का बच्चा भी था। करीब सालभर बाद दीपक पत्नी और बच्चे के साथ घर आया और सीधे अय्यर साहब से मिला। चाय पानी की औपचारिकता के बाद उसने कहा, अंकल अब इस फ्लैट का मेरे लिए कोई काम नहीं इसलिए आप ही खरीद लीजिए। अय्यर बोले, इसकी इस समय कीमत पांच करोड़ है और मेरे पास अधिक से अधिक ढाई करोड़ ही हो पाएंगे। दीपक ने कहा कोई बात नहीं, लेकिन आप कल ही लिखापढ़ी करा लीजिए, पैसे तो बाद में भी मेरे अकाउंट में डाल दीजिएगा। अगले दिन दीपक अय्यर साहब की गाड़ी में रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचा और लिखापढ़ी होने के बाद उनके घर आकर पत्नी और बच्चे को लेकर हमेशा के लिए इंग्लैंड चला गया। अय्यर साहब उसके इस व्यवहार से आवाक थे।

व्यंग्य

मंत्रीजी के कुत्ते को बुखार

कल रात मंत्रीजी के कुत्ते को बुखार आ गया। देशभर में चिंता की लहर दौड़ गई। सुबह-सुबह टीवी पर ब्रेकिंग न्यूज आई, शेरू की तबीयत नासाज, डॉक्टरों की टीम रवाना हुई, शेरू यानी मंत्रीजी का पालतू कुत्ता, जो बीते सप्ताह थाईलैंड से लाया गया ऑर्गेनिक चिकन सिर्फ इसलिए नहीं खा रहा था, क्योंकि उसमें नमक जरा कम था। कल गलती से उसने नौकर की थाली से बासी रोटी चख ली और तब से उल्टियां कर रहा है।

वीना सिंह
व्यंग्यकार

जैसे ही खबर फैली, प्रशासन हरकत में आ गया। नगर निगम की टीम बुखार का स्रोत तलाशने पहुंची। पहले बंगले के पास की झुग्गी-बस्ती को तत्काल खाली कराया गया, संक्रमण फैलने से पहले रोकना जरूरी है, यह तर्क दिया गया। बंगले के सामने सड़कों की धुलाई शुरू हुई। कीटाणुनाशक का इतना छिड़काव हुआ कि मोहल्ले के लोग दो घंटे तक आंखें मलते रहे। पुलिस ने मंत्रीजी के बंगले की ओर जाने वाली गली को सील कर दिया, ताकि मीडिया की भीड़ शेरू की शांति भंग न करे।

पास की सरकारी डिस्पेंसरी को खाली कराया गया। वहां भर्ती मरीजों को बाहर बैठा दिया गया ताकि आईसीयू में शेरू को रखा जा सके।

वहां एक बुजुर्ग महिला ने पूछा, पर मैं तो इंसान हूं, मेरा क्या? नर्स ने कंधे उचकाकर कहा, आपके पास वोट है, भौंकने की ताकत नहीं।

इस बीच, बंगले के बाहर समर्थकों की भीड़ जुटने लगी। कुछ फूलों की माला लेकर आए, कुछ दवाई की शीशियां और कुछ घर में बनी चिकन हड्डियां। शाम तक मुख्यमंत्री खुद हालचाल लेने पहुंच गए। टीवी पर कैमरे ने जब मंत्रीजी को शेरू की पीठ सहलाते दिखाया, तो न्यूज एंकर ने भावुक होकर कहा, देखिए देश का असली सेवक, जो जानवरों से भी प्यार करता है। एक पार्टी प्रवक्ता ने बयान दिया, जो शेरू से जलते हैं, वो दरअसल मंत्रीजी की लोकप्रियता से जलते हैं। उधर बेरोजगार युवाओं का एक समूह बेरोजगारी भत्ता बढ़ाने की मांग लेकर धरना देना चाहता था, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझाया कि अभी माहौल भावुक है, शेरू की तबीयत नाजुक है। बाद में आइए।

एक सेलिब्रिटी ने ट्वीट किया, इस मुश्किल घड़ी में हम सब मंत्रीजी के साथ हैं। शाम को स्वास्थ्य विभाग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, बुखार अब 101 से घटकर 99.5 हो गया है। शेरू ने चिकन सूप पी लिया है और धीरे-धीरे पूंछ हिलाने लगा है।

पूरा देश राहत की सांस ले सका। रात 9 बजे की डिबेट में पांच एंकर इस बात पर भिड़ गए कि क्या शेरू को सरकारी खर्चे पर एमआरआई कराना ठीक था या नहीं। एक वरिष्ठ पैनलिस्ट ने गंभीर स्वर में कहा-जो सरकार अपने कुत्ते का भी इलाज न कर सके, वो जनता की क्या देखभाल करेगी? और दर्शक तालियां बजाते रह गए। केवल एक जगह सन्नाटा था, सरकारी अस्पताल के बाहर, जहां एक गरीब आदमी अपनी बीमार बेटी को गोद में लिए बैठा था। उसने धीरे से कहा, काश हम भी किसी मंत्री के कुत्ते होते।

किस्सा

रिंगटोन

"मैं जीना है तेरा तू जीना है मेरा/ दस लेना की नख़रा दिखा के/दिल दीयां गल्लां/ करांगे नाल-नाल बैके
अख्ख नाल अख्ख नूं मिला के।" जब भी मैं शालू को फोन मिलाती, रिंगटोन पर उसका भरा यह गाना सुनते ही मेरा मन झूम-झूम उठता। लगता कि इस गाने के बोल हम दोनों के लिए ही लिखे गए हैं। बचपन की हम दोनों ऐसी सहेलियां थीं जिनके परिवार परस्पर गहरे जुड़े थे। हमने एम.ए एक साथ किया, बचपन की सारी कक्षाओं में साथ-साथ रहीं, विवाह भी पास-पास हुए। दिन भर की सारी खबरें जब तक दूसरे को सुना न लें, हमें खाना ही हज़म होके न दे। सुबह जब उसका फ़ोन आया तो वह चहकने के बजाए उदास और सुस्त थी। कारण जब पूछा तो बोली, "ले पहले इसे सुन।" रिकॉर्डिड आवाज़ शालू के पापा जी (श्वसुर) की थी। " कैसा गाना भरा है फ़ोन पर? यह कोई शरीफ़ बहुओं के लच्छन हैं? किसके साथ बैठ-बैठ के दिल की बातें करनी हैं तुम्हें? यह सब नखरे हमारे यहां नहीं चलने वाले। आंख से आंख मिला कर करेंगे बातें।" और भी कुछ था टेप में। मैं और न सुन सकी। बंद कर दिया फ़ोन। दिन भर मन ख़राब रहा। शाम को जब मन थोड़ा स्थिर हुआ तो शालू को ढारस बंधाने का सोच उसका नम्बर मिलाया। रिंगटोन श्वसुर सुर में गा रही थी- "सीता-राम, सीता राम ऽऽऽऽ, सीता ऽऽऽऽऽऽऽराम।"

डॉ. आदर्श प्रकाश
लेखक

समीक्षा

पंचायत का दमघोंटू वातावरण

पंचायत सहायक- गांव का अफसर, जेब का फकीर, सतेन्द्र जी का प्रथम उपन्यास है। प्रथम कृति होते हुए भी इस उपन्यास में लेखक ने नायक के अंतर्मन में छटपटा रही वेदना, हृदय में चल रहे अंतर्द्वंद्व और एक विवश, लाचार, सत्यनिष्ठ और भ्रष्टाचारियों के चक्रव्यूह में फंसे पंचायत सहायक का किरदार बड़ी कुशलता से चित्रित किया है। इसकी भाषा सरल, सुबोध और प्रवाहपूर्ण है, शैली 'आत्मकथन' के रूप में उदघृत की जा सकती है, जिसमें गजब की रवानी है, हृदय को झकझोरने की क्षमता है, जिसमें छोटे-छोटे धारदार व्यंग्यों के माध्यम से देश की पंचायतों में पनप रहे भ्रष्टाचार, दीमक खाए हुए सिस्टम और अफसरों की जबरदस्त साजिश का पर्दाफाश किया गया है। मैं मुक्त कंठ से उपन्यासकार को बधाई देता हूं, उनकी अंतर्वेदना, मन में छटपटा रही टीस और धारदार व्यंग्य-प्रधान शैली प्रणम्य और सराहनीय हैं। मन की छटपटाहट, अर्थाभाव की विवशता, भ्रष्ट व्यवस्था के प्रति आक्रोश, चुपचाप उस संत्रास को भोगने वाला नायक विवेक मनः मस्तिष्क पर छा जाता है, क्योंकि वह ऐसा पात्र हैं, उसके सपने हमारे सपने हैं, उसकी बंद मुट्ठियां हमारी मुट्ठियां है। सुगठित कथा-संगठन, पात्रों का सजीव चरित्र-चित्रण, सरल-संक्षिप्त और हृदयस्पर्शी संवाद, हृदय को झकझोर देने वाला, पंचायत का दमघोंटू वातावरण, सरस-सजीव भाषाशैली इस उपन्यास को सजीव, रोचक, पठनीय और हृदयस्पर्शी बना देते हैं। यह उपन्यास संपूर्ण प्रांत के गौरव, स्नेह-सत्कार-सौम्य- सरल और कर्तव्य-परायण, खिलाड़ियों के प्रेरणा-स्रोत, युवा हृदय-सम्राट आई. जी. स्व० केवल खुराना को समर्पित करके स्पृहणीय कार्य किया है।

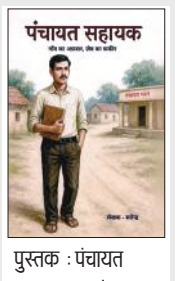

पुस्तक : पंचायत सहायक – गांव का अफसर, जेंब का फकीर
लेखक : सतेन्द्र
प्रकाशन : विजय मैहदीरत्ता
रूपए : 199
समीक्षक : डॉ. राम बहादुर 'व्यथित'

आधी दुनिया

करवाचौथ महिलाओं के लिए बेहद खास और शुभ अवसर है। इस दिन विवाहित महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। शाम को पूजा के समय महिलाएं सज-धजकर पारंपरिक परिधानों में दिखाई देती हैं। अक्सर इस दिन लाल, मैरून या गुलाबी रंग की साड़ी या लहंगा पहनने का प्रचलन रहा है, लेकिन हर बार एक ही तरह के कपड़े पहनने से लुक रिपीटेड लगता है। अगर आप चाहती हैं कि इस करवाचौथ पर आपका लुक बिल्कुल नया और अनोखा लगे, तो फैशन में चल रहे नए ट्रेंड्स और फ्यूजन स्टाइल्स अपनाकर आप सभी से अलग और आकर्षक दिख सकती हैं। *– फीचर डेस्क*

ट्रेडिशनल से लेकर मॉडर्न तक

करवाचौथ पर ट्राई करें ये आउटफिट

एथनिक गाउन

अगर आप भारी लहंगे से बचना चाहती हैं तो फ्लेयर वाला एथनिक गाउन पहन सकती हैं। गाउन में कढ़ाई, सीक्विन या गोटा-पत्ती वर्क करवाचौथ की शान बढ़ा देगा। यह लुक सिंपल होने के साथ-साथ बेहद शाही और एलिगेंट लगता है।

पलाजो सूट विद पोटली दुपट्टा

त्योहारों में आरामदायक परिधान सबसे जरूरी होते हैं। पलाजो सूट इस समय का एक बड़ा ट्रेंड है। बनारसी, ऑर्गेंजा या जॉर्जेट दुपट्टा इसके साथ पहनकर आप अपने लुक में पारंपरिकता का तड़का लगा सकती हैं। यह विकल्प उन महिलाओं के लिए बढ़िया है, जो हल्के कपड़े पसंद करती हैं।

फ्यूजन लहंगा विद कैप या जैकेट

अगर आप पारंपरिक लहंगे से हटकर कुछ नया पहनना चाहती हैं तो दुपट्टे की जगह हल्की-सी केप या लॉन्ग जैकेट ट्राई करें। यह लुक रॉयल और ग्लैमरस दोनों है। कैप पर हल्की कढ़ाई या मिरर वर्क करवाचौथ जैसे खास मौके पर एकदम उपयुक्त रहेगा।

शरारा विद शॉर्ट कुर्ती

रेशम या शिफॉन फैब्रिक का शरारा इस समय खूब पसंद किया जा रहा है। इसे गोटा-पत्ती वर्क या जरीदार कुर्ती के साथ पहनकर आप पारंपरिक और ट्रेंडी दोनों अंदाज पा सकती हैं। शरारा का भारी फ्लेयर आपके लुक में और भी निखार लाता है।

प्री-ड्रेप्ड या बेल्टेड साड़ी

आजकल प्री-ड्रेप्ड (तैयार) साड़ियां काफी लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें पहनना आसान है और ये आधुनिक लुक देती हैं। साथ ही आप साड़ी पर फैब्रिक बेल्ट डालकर इसे और अधिक आकर्षक बना सकती हैं। इस तरह की स्टाइलिश साड़ी करवाचौथ की पूजा और उत्सव दोनों में आपको भीड़ से अलग दिखाएगी।

रंगों का चुनाव

करवाचौथ पर लाल, मैरून और गुलाबी जैसे पारंपरिक रंग सबसे लोकप्रिय हैं, लेकिन अगर आप नया लुक चाहती हैं तो इन विकल्पों पर भी ध्यान दें:

पेस्टल शेड्स – पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, लैवेंडर या पीच जैसे हल्के रंग मॉडर्न और क्लासी दिखते हैं।

वाइन और रस्ट शेड्स-ये गहरे रंग फेस्टिव लुक में शाहीपन लाते हैं।

गोल्डन और सिल्वर कॉम्बिनेशन मेटैलिक टोन वाली साड़ी या लहंगा रात की पूजा के समय बेहद आकर्षक लगते हैं।

करवाचौथ पर ऐसे करें सही ज्वेलरी का चुनाव

करवाचौथ प्रेम, भक्ति और परंपरा का उत्सव मनाने का एक खूबसूरत अवसर है। अपने पहले करवाचौथ की तैयारी करते समय, सही आभूषण चुनना आपके लुक को निखार सकता है और इस दिन को और भी खास बना सकता है। हम ऐसे खूबसूरत आभूषण चुनने के टिप्स बताएंगे, जो न केवल आपके पहनावे को निखारेंगे, बल्कि आपके अनोखे अंदाज को भी दर्शाएंगे।

चमकदार झुमके

- आपके त्योहारी ज्वेलरी लुक को पूरा करने में इयररिंग्स अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे स्टेटमेंट इयररिंग्स चुनें, जो ध्यान खींचे और आपके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम करें। चांदबाली या झुमके करवाचौथ के लिए एकदम सही हैं, क्योंकि ये शान और परंपरा का एहसास दिलाते हैं।
- अगर आप कुछ ज्यादा मॉडर्न पसंद करती हैं तो आप रत्नों से सजे स्लीक स्टड इयररिंग्स भी चुन सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक और समकालीन, दोनों तरह के आउटफिट्स के साथ खूबसूरती से जंचता है। सही इयररिंग्स की जोड़ी के साथ अपने लुक को दिन से रात में बदलना आसान है, इसलिए ऐसी जोड़ी चुनें जो आपकी शाम की पार्टी में भी चमके।

स्टेटमेंट नेकलेस सेट

- एक खूबसूरत नेकलेस सेट आपके लुक को तुरंत बदल सकता है। करवा चौथ के लिए ऐसा नेकलेस चुनें जो आपके आउटफिट के साथ मेल खाए, चाहे आप पारंपरिक साड़ी पहन रही हों या मॉडर्न लहंगा। एक ऐसा मांगटीका सेट चुनें, जिसमें मैचिंग नेकलेस शामिल हो, यह कॉम्बिनेशन आपके पूरे लुक को निखार सकता है।
- अपना नेकलेस चुनते समय, अपने आउटफिट की नेकलाइन पर ध्यान दें। स्वीटहार्ट या ऑफ-शोल्डर नेकलाइन के लिए चोकर या लेयर्ड नेकलेस सेट एक शानदार आकर्षण का केंद्र बन सकता है। याद रखें सही नेकलेस ग्लैमर और शान बढ़ा सकता है, जिससे आप खुद को रानी जैसा महसूस कर सकती हैं।

मंगलसूत्र : प्रेम के बंधन का प्रतीक

- मंगलसूत्र सिर्फ एक आभूषण नहीं है – यह विवाह और प्रेम के बंधन का प्रतीक है। अपने पहले करवा चौथ के लिए, अपनी शैली के अनुरूप मंगलसूत्र चुनने पर विचार करें। कुछ ऐसा चुनें, जो सुरुचिपूर्ण और पारंपरिक हो। आप सुंदर सोने या हीरे की जड़ाई वाले जटिल डिजाइनों में से चुन सकते हैं, जो आपको एक सदाबहार लुक देंगे।
- अपने मंगलसूत्र को मैचिंग इयररिंग्स के साथ पहनने से एक आकर्षक सौंदर्यबोध पैदा हो सकता है। इसके अलावा मंगलसूत्र पहनना एक विवाहित महिला के रूप में आपकी नई प्रतिष्ठा का सम्मान करने का एक शानदार तरीका है, इसलिए ऐसा मंगलसूत्र चुनें, जो आपको गर्व और सुंदर महसूस कराए।

ट्रेंडी टच के लिए लेयरिंग

- अपने गहनों को कई परतों में पहनने से आपके पहले करवाचौथ लुक में गहराई और स्टाइल आ सकता है। अलग-अलग गहनों को एक साथ पहनने से न हिचकिचाएं, जैसे कि एक नाजुक चेन को एक बोल्ड स्टेटमेंट नेकलेस के साथ पहनना। यह तकनीक आपकी रचनात्मकता को प्रदर्शित कर सकती है और आपके पहनावे को वाकई अनोखा बना सकती है।
- उदाहरण के लिए आप एक साधारण पेंडेंट वाले हार के साथ एक ज्यादा आकर्षक हार भी पहन सकती हैं। जरूरी है कि आप दोनों हारों का संतुलन बनाए रखें, ताकि वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय एक-दूसरे के पूरक बनें। कई परतों के साथ प्रयोग करने से आप अपनी विशिष्टता भी व्यक्त कर सकती हैं, जिससे आपका पहला करवाचौथ और भी यादगार बन जाएगा।

खुशी से झंकृत चूड़ियां

- कोई भी त्योहारी पोशाक खूबसूरत चूड़ियों के बिना पूरी नहीं होती। चूड़ियां आपके पहनावे में एक खुशनुमा झंकार भर देती हैं, जो करवाचौथ के लिए इन्हें जरूरी बनाती हैं। आप रंगों और कपड़ों को मिलाकर एक अनोखा लुक तैयार कर सकती हैं, जो आपके व्यक्तित्व को दर्शाता हो।

- अपने पहनावे में क्लासिक टच के लिए सोने की चूड़ियां या जीवंतता लाने के लिए रंग-बिरंगी कांच की चूड़ियां पहनने पर विचार करें। अलग-अलग तरह की चूड़ियां पहनने से भी बोहेमियन लुक मिलता है। बस याद रखें, आपका लक्ष्य अपनी चूड़ियों के साथ मस्ती करते हुए अपनी स्टाइल दिखाना है।

भय दूर कर बच्चों को खेल खेल में सिखाएं गणित

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

गणित को लेकर बच्चों में फैला हुआ भय सिर्फ अंकों और सूत्रों से जुड़ा नहीं है, बल्कि उस किताब की मोटाई से शुरू होता है, जिसे बच्चे हाथ में लेते ही डरने लगते हैं। यह मनोवैज्ञानिक दबाव है कि सबसे मोटी किताब का मतलब है सबसे कठिन विषय। हम शिक्षक इसे समझते हैं, लेकिन व्यवस्था ने इस पर गंभीरता से कभी विचार नहीं किया। बच्चा जब तक कक्षा-8 तक पहुंचता है, तब तक उसे यह यकीन दिला दिया जाता है कि गणित एक पहाड़ है, जिसे पार करना नामुमकिन है। सवाल यह उठता है कि क्या मोटाई ज्ञान का प्रमाण है या डर पैदा करने का हथियार? किताबों की मोटाई कम करके विषय को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर पढ़ाना चाहिए ताकि बच्चे कदम-दर-कदम सीखें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। बच्चे तब डरते हैं, जब उन्हें सामने एक बेमानी बोझ दिखता है, जबकि सच यह है कि गणित जीवन का हिस्सा है और छोटी-छोटी चुनौतियों से जुड़कर ही आनंद देता है।

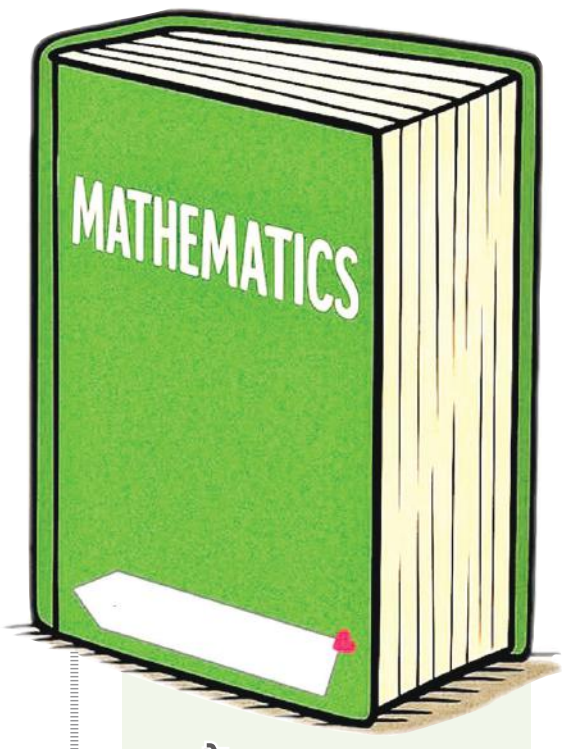

गणित को कैसे बनाएं रोचक

शिक्षाशास्त्र का यह सबसे बड़ा दोष है कि हमने ज्ञान को सुलभ बनाने के बजाय उसे बोझिल बना दिया। बहुत जरूरी है कि गणित की किताब को हल्का किया जाए-सिर्फ वजन में नहीं, बल्कि भाषा, प्रस्तुति और क्रमबद्धता में भी। जब तक किताब बच्चों के हाथों में एक भयावह मोटी दीवार बनी रहेगी, तब तक उन्हें सूत्रों और अवधारणाओं की खूबसूरती दिखाना असंभव होगा।

हरहाल में हमें यह तय करना ही होगा कि हम गणित को ज्ञान का साधन बनाएंगे या डर का प्रतीक? अगर हम सचमुच चाहते हैं कि बच्चा गणित से न डरे, तो हमें पहले उसकी किताब से वह मानसिक बोझ हटाना होगा, जो मोटाई की पहली नजर से ही उसे हताश कर देता है।

गणित को खेल और गतिविधियों में बदलें

- बच्चों को जोड़-घटाव, गुणा-भाग या पैटर्न की चुनौतियां खेलों के रूप में दें। कार्ड गेम, पजल, लूडो में जोड़-घटाव या ऑनलाइन गणित ऐप्स बच्चों के लिए रोचक बन सकते हैं। इससे गणित सिर्फ "किताबी सवाल" नहीं, बल्कि मजेदार गतिविधि लगने लगती है।

छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें

- बच्चों को बड़ी समस्याओं के बजाय छोटे-छोटे हिस्सों में समस्याएं हल करने दें। उदाहरण: 124 + 356 को पहले 100 के हिसाब से जोड़ना, फिर दस और फिर एक का जोड़ करना। छोटे सफलतापूर्वक कदम उन्हें आत्मविश्वास देते हैं।

गलतियों को सीखने का अवसर बनाएं

- गलती करने पर डांटना या शर्मिंदा करना डर बढ़ाता है। गलतियों को सकारात्मक रूप में समझाएं: "देखो, यहां गलती हुई, चलो मिलकर हल करते हैं।" इससे बच्चा डर के बजाय समस्या को चुनौती की तरह देखने लगता है।

रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ें

- खरीदारी में रुपये-पैसे का हिसाब लगाना, खाना बनाते समय माप लेना, समय और दूरी का अंदाज लगाना। जब बच्चे देखेंगे कि गणित हर जगह काम आता है तो उनका डर कम होगा और रुचि बढ़ेगी।

प्रशंसा और उत्साह बढ़ाएं

- बच्चे की कोशिशों की तारीफ करें, चाहे उत्तर सही हो या गलत। सकारात्मक शब्द जैसे "बहुत अच्छा कोशिश की" या "तुमने सही दिशा में सोचा" बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। आत्मविश्वासी बच्चे गणित के डर को जल्दी पार कर लेते हैं।

क्या हैं कारण

- **शुरुआती अनुभव :** अगर किसी बच्चे ने शुरुआती दिनों में गणित में गलतियां की हों या टीचर/अभिभावक ने उसकी गलतियों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हो तो बच्चा गणित से डरने लगता है।
- **अभिभावक या समाज का दृष्टिकोण:** अक्सर बड़े कहते हैं, "मुझे गणित कभी समझ नहीं आया," जिससे बच्चे के मन में भी यह विचार बैठ जाता है कि गणित कठिन है।
- **अभ्यास की कमी :** गणित केवल समझने से नहीं, बल्कि अभ्यास से भी आती है। जब बच्चा लगातार समस्याओं का सामना करता है और सफल नहीं होता तो डर बढ़ता है।
- **संगठन और आत्मविश्वास की कमी :** बच्चे को यह नहीं पता होता कि समस्याओं को कैसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हल किया जाए। इससे जल्दी हताशा होती है।

खाना खजाना

गुलाब जामुन

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर

गुलाब जामुन उत्तर भारत की प्रसिद्ध मिठाई है। यह ऐसी मिठाई है, जो लगभग सभी को प्रिय है। इसे हर अवसर पर बनाया और खाया जाता है। यह बाजार में खूब मिलती है। गुलाब जामुन को मावा में थोड़ा सा मैदा डालकर बनाया जाता है। मावा और पनीर को मिलाकर भी गुलाब जामुन बनाते हैं। आज हम आपको मावा और पनीर मिलाकर गुलाब जामुन बनाना सिखाते हैं।

सामग्री

- मावा (खोया) – 250 ग्राम (11/4 कप)
- पनीर-100 ग्राम (1/2 कप)
- मैदा-20-30 ग्राम (2-3 टेबिल स्पून)
- काजू – 1 टेबल स्पून (एक काजू को बारीक टुकड़ों के हिसाब से काट लीजिए)
- किशमिश-टेबल स्पून
- चीनी-600 ग्राम (3 कप)
- घी- आवश्यकता अनुसार तलने के लिए

बनाने की विधि सबसे पहले आप मावा, पनीर और मैदा को एक चौड़े और बड़े बर्तन में रखकर तब तक मलें जब तक कि वह नरम, चिकना गूंथे हुए आटे जैसा न लगने लगे। गुलाब जामुन बनाने के लिए मावा तैयार है। तैयार मावा से थोड़ा सा मावा (करीब एक छोटी चम्मच) अंगुलियों की सहायता से निकालिए, उसे हथेली पर रखकर चपटा करके 3-4 काजू के टुकड़े और एक किशमिश उसमें भरने के लिए उसके ऊपर रखें। मावा को चारों ओर से उठाकर काजू-किशमिश को मावा के अंदर बंदकर दीजिए, अब दोनों हथेलियों के बीच रखकर गोल करिए। मावा का गोला अच्छी तरह बन जाने के बाद प्लेट में रख लीजिए। सारे गोले इसी तरह तैयार कर लीजिए।

अब कढ़ाई में घी डालकर गरम कीजिए। गुलाब जामुन तलने से पहले टेस्ट कर सकते हैं (एक गुलाब जामुन को घी में डालकर तलें। यदि गुलाब जामुन घी में फट रहा है, तब गुलाब जामुन के मावा में थोड़ा मैदा और मिलाएं) 3-4 गोले, कढ़ाई में डालें और तलें (गैस की फ्लेम धीमी रखें। गुलाब जामुन को तलते समय उस पर कलछी न लगाएं, बल्कि गरम-गरम घी उस पर कलछी से डालें और ब्राउन होने के बाद हल्के से हिला हिलाकर तलें, गुलाब जामुन के चारों तरफ ब्राउन होने तक तल लीजिए, तले गुलाब जामुन कढ़ाई से निकालकर प्लेट में रखिए। थोड़ा ठंडा होने पर दो मिनट बाद चाशनी में डुबा दीजिए। इसी तरह सारे मावा के गोल-गोल गुलाब जामुन बनाकर, तलकर चाशनी में डालकर डुबा दीजिए।

चाशनी बनाने का तरीका

एक बर्तन में चीनी में 300 ग्राम पानी (चीनी की मात्रा का आधा पानी) मिलाकर आग पर चाशनी बनने के लिए रखिए।

चाशनी में जब उबाल आ जाए और चीनी पानी में घुल जाए उसके बाद 1-2 मिनट तक और पकाएं। चाशनी के घोल से लेकर 1-2 बूंद प्लेट में टपकाएं। अंगूठे और अंगुली के बीच चिपकाकर देख लीजिए, चाशनी उंगली और अंगूठे के बीच चिपकनी चाहिए, आधा तार की चाशनी यानी कि तार बहुत ही कम दूरी तक बने, चाशनी को ठंडा करके, छान लीजिए। तले हुए गुलाब जामुन को इस चाशनी में डाल दीजिए। 1-2 घंटे में गुलाब जामुन मीठा रस सोखकर मीठे और स्वादिष्ट हो जाएंगें। गुलाब जामुन तैयार हैं, इन्हें गरम-गरमा या ठंडे परोसिए और खाइए।

न्यूज ब्रीफ

बकाया गन्ना मूल्य का शीघ्र भुगतान हो

बहेड़ी, अमृत विचार : संपूर्ण समाधान दिवस में किसानों ने बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान कराने की मांग अफसरों से की। किसानों ने केसर चीनी मिल पर 166 करोड़ के बकाये का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। शनिवार को हुए संपूर्ण समाधान दिवस पर 57 शिकायतें प्राप्त हुई इनमें से आठ का मौके पर निस्तारण किया गया। किसान नेता राकेश गंगवार ने गन्ना मूल्य भुगतान की मांग उठाई। केशवपुरम और आदर्श कालोनी के निवासियों ने रेलवे क्रासिंग पर ई रिक्शा का जमघट हटाने को कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हटाने की बात रखी। एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह और एसडीएम इशिता किशोर उपस्थित थीं।

घटना की निंदा की

शेरगढ़, अमृत विचार : युवा मंडल विद्यालय के कार्यालय कक्ष में लगी आग के बाद पूर्व ब्लाक प्रमुख ने विद्यालय का दौरा किया। पूर्व प्रमुख प्रमोद अग्रवाल ने आगजनी की घटना को लेकर विद्यालय के प्रबंधक भूपराम श्रीवास्तव से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एक के बाद एक विद्यालय में तीसरी बार हुई आगजनी की घटना की निंदा करते हुए घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार कर पुलिस प्रशासन से शीघ्र खुलासे की मांग की। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, दिनेश शर्मा, विनोद अग्रवाल, राजीव वाजपेई, डॉ पवन सिंह आदि मौजूद रहे।

भजन संध्या में गायकों ने बांधा समां

फतेहगंज पूर्वी अमृत विचार : नगर में हुए खाटू श्याम के भजन कीर्तन कार्यक्रम में गायकों ने समां बांध दिया। राधा रमन मंदिर पर आयोजित खाटू श्याम के भजन कीर्तन कार्यक्रम में कलाकार अंकित भारद्वाज तथा सीते ठाकुर ने भजन गाकर समां बाध दिया। कार्यक्रम में प्रदीप कुमार सिंघल उमेश शास्त्री, राजीव अग्रवाल, सजल अग्रवाल, मोहित, अमित मिश्र अंश मिश्र आदि का विशेष सहयोग रहा।

पथ संचलन पर ग्रामीणों ने की पुष्प वर्षा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

संवददाता, भमोरा

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर स्वयंसेवकों ने शनिवार दोपहर कस्बा देवकर में ठाकुरद्वारा मंदिर परिसर में शस्त्र पूजा कर पथ संचलन निकला। जिसकी शुरुआत ठाकुरद्वारा मंदिर से की गई। जिसका रास्ते में कई जगह ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत श्रीधर दास जी महाराज ने की।

मुख्य वक्ता सुरेश प्रांत कार्यकारिणी सदस्य ब्रज प्रांत रहे। कार्यक्रम का संचालन आदित्य सेठ नगर कार्यवाहक देवचरा ने किया। इस मौके पर जिला प्रचारक अनुज पार्थ, धर्मवीर के साथ स्वयंसेवक सनी टंडन, अनिल सेठ, दिनेश शर्मा, रामबाबू श्रीवास्तव, श्याम बाबू, बोनी खन्ना, विनोद गुप्ता, सौरभ गुप्ता, विराट टंडन, डॉ मनोज गुप्ता, अवध बिहारी गुप्ता आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भमोरा में शनिवार को स्वयं सेवकों ने निकाला पथ संचलन। ● अमृत विचार

राजपुर कला में शताब्दी वर्ष कार्यक्रम सम्पन्न: राजपुरकला। राजपुर कला अनिरुद्धपुर मंडल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शताब्दी वर्ष का कार्यक्रम हुआ। इसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रचारक अनुज, सह जिला कार्यवाह धर्मवीर, विभाग गौ सेवा गतिविधि प्रमुख वीरपाल, जिला सह शारीरिक प्रमुख विक्रम तथा विभाग योग प्रमुख प्रवीन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों को संघ की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संघ का लक्ष्य भारत को परम वैभव के शिखर पर पहुँचाना है।

शेरगढ़ में हुए एकत्रीकरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संघ के प्रांत बौद्धिक प्रमुख नरेंद्र कुमार ने शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की। शनिवार को एक बरात घर में हुए कार्यक्रम में संघ कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रमोद अग्रवाल, चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य, मास्टर सुरेंद्र सिंह, दिनेश शर्मा, राजीव बाजपेई, विनोद अग्रवाल, राघवेंद्र पाठक, डॉ नत्थूलाल गंगवार, ओमप्रकाश चंद्रा, चंद्रशेखर गुप्ता, बृजभूषण शुक्ला, पप्पू कश्यप, रामआसरे शुक्ला, राम बाबू चंद्रा, सतीश कुमार शर्मा, वद्री प्रसाद, रूप किशोर उर्फ बोरा, बाबूराम मौर्य, अमित उपाध्याय, रूपेंद्र सिंह, मुकेश गुप्ता आदि रहे।

भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नवाबगंज, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने शनिवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मंडी व्यवस्था में हो रही अनियमितताओं पर कड़ा रोष व्यक्त किया। किसानों ने बताया कि उनकी फसल खेतों में पककर तैयार खड़ी है, लेकिन नेट न चलने के कारण मंडी में एसएमआई द्वारा शोषण किया जा रहा है। आरोप है कि मंडी में न तो धान सुखाने की सुविधा दी जा रही है और न ही समय पर तौल की प्रक्रिया हो रही है। अधिकारियों द्वारा कागजों का सत्यापन न होने का बहाना बनाकर किसानों को भटकाया जा रहा है, जिस कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने एसडीएम से मांग की है कि जब तक नेट की समस्या दूर नहीं होती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसान दलालों के शोषण से बच सकें। किसानों ने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान न हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

146 शिकायतों में नौ का मौके पर हुआ निस्तारण

सम्पूर्ण समाधान दिवस

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम आंवला विदुषी सिंह और तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। अधिकारियों ने दर्ज 70 शिकायतों में 5 का मौके पर निस्तारण कर दिया।

दिवस में डीएम बरेली के आने की सूचना पर फरियादियों की संख्या अधिक रही। डीएम दिवस में नहीं पहुंच सके। दिवस में राजस्व विभाग की 27, पुलिस की 23, विकास संबंधी 7, और अन्य विभागों की 13 शिकायतें शामिल रहीं। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नवाबगंज में शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम एफआर संतोष कुमार सिंह ने जनसमस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 47 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 3 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एडीएम ने शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

इस मौके पर गाँव सुतय्या कला निवासी आजम अली ने बताया कि खेल मैदान के सौंदर्यीकरण के लिए नहीं होने से मैदान में लगे उपकरण बेकार पड़े हैं। इससे बच्चे चोटिल हो रहे हैं। समाधान दिवस पर एसडीएम उदित पवार, तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मीरगंज में 29 शिकायतों में एक का निस्तारण मीरगंज में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में तहसील सभागार में हुआ। इस दौरान एसडीएम आलोक कुमार, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, आदि मौजूद रहे। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई।जिनमें मौके पर एक का निस्तारण किया गया।

विधायक और पूर्व सांसद ने किया रामलीला का शुभारंभ

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : रामलीला ग्राउंड पर शनिवार को रामलीला का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने किया। मथुरा वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा गणेश पूजन के बाद नारद मोह लीला का मंचन किया गया।

शनिवार को सीएस इंटर कॉलेज रामलीला ग्राउंड में रामलीला का शुभारंभ पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, कुंवर महाराज सिंह, विधायक डा. श्याम बिहारी लाल, संजीव अग्रवाल, जिला अध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह ने गणेश पूजन एवं भगवान राम के मुकुट पूजन कर शुभारंभ किया। मेला अध्यक्ष सुबोध अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष अतीश अग्रवाल ने फूल माला पटका पहनाकर, जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस दौरान विकास अग्रवाल शानू प्रतीक सिंगल, ब्रह्मा शंकर गुप्ता सौरभ अग्रवाल, सर्वेश अग्रवाल बवलू आदि नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंगद और हनुमान ने यज्ञ विध्वंस किया

नवाबगंज, अमृत विचार : रामलीला में शनिवार को निकुम्बला यज्ञ की लीला का मंचन किया गया।

राम - रावण युद्ध के दौरान सेना को मिली हार के बाद दशानन पुत्र इन्द्रजीत मेंघनाथ के मैदान मे जाने से पूर्व जीत के लिए कुलदेवी निकुम्बला माई को प्रसन्न करने के लिए गुप्त स्थल पर यज्ञ कर रहा था। जिसकी सूचना पर भगवान राम ने लक्ष्मण को हनुमान व अंगद के साथ यज्ञ विध्वंस करने के लिए भेजा।

भगवान राम का आदेश मिलने पर लक्ष्मण ने हनुमान व अंगद के साथ जाकर मेघनाथ के इस यज्ञ को भंग कर डाला। जिसके बाद हुए विकराल युद्ध में लक्ष्मण ने मेघनाथ का वध कर दिया। कमेटी के सदस्यों ने बताया रविवार को रामलीला मेंघनाथ का पुतला दहन होगा।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

मीरगंज, अमृत विचार : गांव ठिरिया बुजर्ग में में कलश यात्रा के बाद सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का शुभारम्भ हो गया। सात दिनों तक ब्रजभूषण शास्त्री से श्रद्धालु श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करेंगे।

कथा शुभारम्भ से पूर्व कलश यात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। अशोक कुमार उपाध्याय सिर पर श्रीमद भागवत कथा पुराण को रखकर आगे चले। इस दौरान बंटी उपाध्याय, अमर पाल, सूरज पाल, मिंटू भारद्धाज, राम सेवक, मधुलिका शर्मा, कुन्ती देवी, गुड़िया शर्मा, राधा शर्मा, पिंकी, कुमकुम, विनीता, सावित्री, सुनीता, कुसुम आदि रहीं।

श्रीराम की राजगद्दी शोभायात्रा निकाली

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : विजयादशमी पर्व के अवसर पर शनिवार को नगर में भगवान श्रीराम की राजगद्दी शोभायात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में रामदरबार की झांकियां, बैंड-बाजे और भक्तों का जयघोष माहौल को भक्तिमय बनाता रहा। नगरवासी भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भरत के रूपों को देखकर भाव-विभोर हो उठे।

शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पक्का कटरा मोहल्ले में पहुंची, जहां भरत मिलाप का भव्य मंचन किया गया। इस दौरान मेला कमेटी अध्यक्ष वीरसिंह पाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, सूरज भान गुप्ता, संजय अग्रवाल उर्फ बॉबी, सचिन गुप्ता, संजीव मोहन शर्मा, रामवीर

आंवला में राजगद्दी शोभायात्रा में श्रीराम, अपने भाइयों के साथ। ● अमृत विचार

● नगर के विभिन्न मार्गों से निकली शोभायात्रा का किया स्वागत

प्रजापति, अमित कुशवाह, अनिल कश्यप आदि मौजूद रहे।

बहेड़ी में शनिवार को दोपहर में नगर के मुख्य मार्ग होते हुए शोभायात्रा तहसील परिसर स्थित जनकपुरी पहुंची जहां तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण तथा हनुमान के स्वरूपों का तिलक कर उनकी आरती उतारी। शोभायात्रा में अपने अपने रथों पर हिंदू आराध्यों तथा उनसे जुडी.विभिन्न झांकियां थीं। शोभायात्रा देखने भारी भीड़ उमड़ी। कई स्थानों पर लोगों ने प्रभु श्री राम सहित सभी अन्य आराध्यों की आरती उतारी।

न्यायालय अपर सिविल जज (व0 प्र0) कक्ष स0 3, बरेली

मूलवाद सं0-654/2025

1.मुन्ने खां पुत्र बन्ने खां नि0 अभयपुर केशोपुर तह. व जिला बरेली। 2. सहदेव सिंह पुत्र रामस्वरूप नि0 दोपहरिया परगना रिछा तह. बहेडी जिला बरेली। .....वादीगण बनाम 1. मो0 नसीम पुत्र तौकीर हुसैन नि0 ग्राम मुडिया जागीर परगना रिछा तह. बहेडी जिला बरेली। 2. मो0 तसलीम पुत्र तौकीर हुसैन नि0 ग्राम मुडिया जागीर परगना रिछा तह. बहेड़ी जिला बरेली। 3. सुगरा पत्नी तौकीर हुसैन निवासी ग्राम मुडिया जागीर परगना रिछा तहसील बहेडी जिला बरेली।.....प्रतिवादीगण चुंकि मुसम्मी मुन्ने खां आदि ने आपके नाम एक नालिस वास्ते विनिर्दिष्ट अनुपालन का वाद दायर किया है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 07.10.2025 को असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी बाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज वतारीख 04.10.25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया। **आदेशानुसार मुंसरिम न्यायालय अपर सिविल जज (व. प्र.) कक्ष सं.-3, बरेली।**

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई-टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 42/2025 दिनांक 09-09-2025 के अंतर्गत निविदा जो दिनांक 03-10-2025 को खोली जानी थी, उत्तर प्रदेश सरकार के जिला प्रशासन बरेली द्वारा बरेली परिक्षेत्र में दो दिनों के लिये नेट सेवा बन्द करने के कारण उक्त निविदा अब दिनांक 07-10-2025 को खोली जायेगी।

ई-निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट पर *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-279 **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, फरीदपुर (बरेली)

पत्रांक : 3596/लेखा./विज्ञ./2025 दिनांक : 30.09.2025

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों व ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य सभा सांसद निधि के अंतर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु आइटम रेट पर (सीलबंद) निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा दिनांक 01.10.2025 से 15.10.2025 के दोपहर 12 बजे विकास खण्ड में रखे बाक्स में डाली जा सकती है जो दिनांक 15.10.2025 को दोपहर 02 बजे निविदा दाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.सं.	निर्माण कार्य का नाम जिसकी निविदा जारी की जाती है	प्रा.की अनु.ला.
1.	ग्राम पडेरा में श्री रामकिशोर पंडित के घर से श्री बृजकिशोर जी (चेयरमैन गन्ना समिति) के फार्म हाउस तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	9.984/-

कार्य हेतु कार्य नियमानुसार निविदा शुल्क, धरोहर राशि, जमानत राशि देय होगी तथा कार्य पूर्ण करने का अनुमानित समय अधिकतक 03 माह होगा। कार्य हेतु नियम व शर्तें विकास खण्ड कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है। **खण्ड विकास अधिकारी फरीदपुर**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर/ खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक :-5505/352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2025-26 दिनाँक:-25.09.2025

ई-निविदा सूचना (स्वीकृति की प्रत्याषा में)

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में सेतु कार्यो हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से जनहित में नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
1	खीरी/ नि0ख0-1	जनपद लखीमपुर खीरी में शारदा नदी पर स्थित पचपेडी घाट पान्टून पुल के अनुरक्षण एवं मरम्मत का कार्य।	55.00	4.75	2715.00	09 माह

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 07.10.2025 से दिनांक 15.10.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 15.10.2025 को समय दोपहर बाद 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.10.2025 को सायंकाल 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 238511 **दिनांक:** 3/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(के0 के0 झा)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, लखीमपुर-खीरी।

(सतीष कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5276/ई-टेण्डर/25-26 दिनांक 25.09.2025

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 06.10.2025 से दिनांक 25.10.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.10.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (लाख रू0)	निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद बरेली में कलेक्ट्रेट कार्यालय, सी0डी0ओ0 कार्यालय तथा डी0एम0, ए0डी0एम0 आवास के सम्मुख स्थित समस्त मार्गों पर सामान्य मरम्मत के साथ बी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	21.00	2.10	944.00	तीन माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

UP – 238517 **दिनांक:** 3/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

सैजना के प्रधान को मारने की धमकी

मीरगंज: ग्राम सैजना के प्रधान सोमपाल गंगवार को गांव के तीन लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। उनके मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने थाने में तहरीर देकर बताया कि 2 अक्टूबर को गांव के ही तीन लोग अवैध तरीके से दारू बेच रहे थे। इसकी सूचना पुलिस को ग्रामीणों द्वारा दी गई।पुलिस के आने से पहले तीनों लोग फरार हो गए। इसी बात को आधार बनाकर 3 अक्टूबर को तीनों ने गांव के मुख्य चौराहे पर ग्राम प्रधान सोमपाल गंगवार को घेर लिया और उन्हें गालियां देते हुए मारपीट पर आमादा हो गए। तीनों अवैध रूप से गांव में शराब बेचते हैं। गांव के लोग इससे बहुत परेशान हैं।वहां मौजूद लोगों ने उन्हें बचाया नहीं तो तीनों उन्हें जान से मार देते।

चंद्रशेखर आजाद इंटर कालेज गैनी बना ओवरऑल चैंपियन

आंवला, अमृत विचार : श्री सुभाष इंटर कॉलेज मैदान में माध्यमिक एवं बेसिक विद्यालयों की दो दिवसीय 69वीं तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज गैनी के छात्र ओवर ऑल चैम्पियन रहे।

प्रतियोगिता में चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज गैनी, चाचा नेहरू इंटर कॉलेज आंवला, वीर अब्दुल हमीद इंटर कॉलेज वहानपुर, डी.पी. सिंह कन्या इंटर कॉलेज रामनगला समेत क्षेत्र के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दूसरे एवं अंतिम दिन विभिन्न वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। 3000 मीटर दौड़, भाला फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, 1600 मीटर दौड़ तथा अंडर-14 बालक वर्ग की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद आंवला के चेयरमैन सैय्यद आविद अली ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

क: काल: कानि मित्राणि को देश: कौ व्ययागमौ।
कश्चाहं का च मे शक्तिरिति चिन्त्यं मुहुर्मुहु: ॥

आचार्य चाणक्य कहते हैं, सही वक्त, सही दोस्त, सही ठिकाना, पैसे कमाने का सही जरिया, पैसे खर्च करने का सही तरीका और अपने ऊर्जा स्रोत पर गौर जरूर करें, भविष्य में यही काम आएंगे।

हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। संघ 100 साल का हो गया। दुनिया के कई देशों में संघ की शाखाएं हैं। विश्व के तमाम विचारक संघ कार्य पर शोध कर रहे हैं। सबके निष्कर्ष अलग-अलग हैं। किसी ने संघ में स्वयंसेवकों की लाठी देखी, कहा संघ और कुछ नहीं वस्तुतः लाठीधारी लोगों का खतरनाक संगठन है, तो किसी ने इसे भारतीय जनता पार्टी की शाखा बताया। अगले ने कहा यह, 'खुफिया संगठन' है। राज-समाज के लिए खतरनाक है। विश्व में किसी भी ध्येयसेवी संगठन पर फर्जी आरोप नहीं लगे। संघ प्रतिष्ठित रहा। संघ पर प्रतिबंध भी लगे। आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक गिरफ्तार हुए। उन्होंने दुख झेले, ध्येय से विचलित नहीं हुए। उनमें मैं भी एक हूं।

> शंकराचार्य का भाष्य है, 'जिस प्रकार एक छत्ता अनेक मधुकरों द्वारा तैयार किया जाता है, उस प्रकार सभी भूत (मूल तत्व) इस पृथ्वी के मधु कार्य हैं। यह मनुष्य भी समस्त भूतों का मधु है और सभी भूत इस मनुष्य के मधु।' मैं उसी तर्ज पर कहता हूं कि भारत का सनातन धर्म सभी भूतों का मधुरस है और सभी भूत सनातन धर्म के मधुरस। पूरे आत्मविश्वास के साथ लिख रहा हूं, 'सनातन धर्म व हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रकट हुआ।'

संघ के प्रति लोगों की जिज्ञासा बढ़ रही है। आखिरकार संघ कैसे जाना जाए? याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को तत्वज्ञान दिया था। बृहदारण्यक उपनिषद (अध्याय दो, ब्राह्मण 5) में ऋषि ने बताया, 'यह पृथ्वी सभी भूतों (मूल तत्व) का मधु है और सब भूत इस पृथ्वी के मधु।' शंकराचार्य का भाष्य है, 'जिस प्रकार एक छत्ता अनेक मधुकरों द्वारा तैयार किया जाता है, उस प्रकार सभी भूत इस पृथ्वी के मधु कार्य हैं।' फिर सूर्य, चंद्र और आकाश को भी मधु कार्य बताते हैं। फिर अग्नि के लिए कहते हैं, 'यह अग्नि समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत इस अग्नि के मधु।' अंत में कहते हैं, 'यह धर्म और सत्य समस्त भूतों का मधु है।' फिर कहते हैं, 'यह मनुष्य भी समस्त भूतों का मधु है और सभी भूत इस मनुष्य के मधु।' मैं उसी तर्ज पर कहता हूं कि भारत का सनातन धर्म सभी भूतों का मधुरस है और सभी भूत सनातन धर्म के मधुरस। पूरे आत्मविश्वास के साथ लिख रहा हूं, 'सनातन धर्म व हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रकट हुआ।'

संघ विचार आधारित संगठन है। 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में संघ की स्थापना हुई। राष्ट्र निर्माण की चुनौतियों पर चर्चा हुई और संघ की नींव पड़ गई। संघ का कार्य क्षेत्र विस्तृत होता गया। इसी के साथ मार्क्सवादी संगठन का भारत में उदय हो गया। विचारधारा के प्रति आग्रह में संघ व वामपंथ आमने-सामने रहे। परिस्थितियां तेजी से बदल गईं। वामपंथ का वैज्ञानिक भौतिकवाद पिछड़ता चला गया। संघ में आत्मीयता थी। सांस्कृतिक आधार था।

विश्व विचारों से भरापूरा है। विचार विविधता भारतीय संस्कृति का आभूषण है। यहां अनेक विचार हैं। गौतम का 'न्याय दर्शन' है, कपिल का 'सांख्य' है। कणाद का वैशेषिक है, जैमिनि का 'मीमांसा' है और वादरायण का वेदांत। यहां बुद्ध और जैन भी हैं। इस्लाम आने के साथ ही मजहबी विचारधारा भी आई। ईस्ट इंडिया कंपनी के बाद ईसाइयत का विचार भी फला-फूला, लेकिन 1925 में कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जन्म के साथ आए वैज्ञानिक भौतिकवादी विचार ने नई पीढ़ी को झकझोर दिया था। मार्क्सवाद परदेसी विचार था और संघ का राष्ट्रवाद स्वदेशी। दोनों विचारधाराओं में टक्कर पिछले 100 साल से जारी है। अब कम्युनिस्ट विचार के लोग पुरातात्विक मिथक जैसे हो गए हैं। संघ विचार के कार्यकर्ताओं ने उन्हें उनके गढ़ केरल में घुसकर चुनौती दी है। संघ कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई। हिंसक विचार का अंत हो गया। संघ बढ़ता गया।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

वामपंथ का अस्त अस्वाभाविक नहीं है। अंधविश्वासी पंथिक विचार का आधुनिक विश्व में अब कोई भविष्य नहीं। मार्क्सवाद का सामाजिक दर्शन ईसाई पंथिक विचार का विरोधी था। मार्क्स ने इसी संदर्भ में ईश्वर को अफीम कहा था। ईसाईयत का ईश्वर मार्क्स की दृष्टि में अंधविश्वास था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में अंधविश्वास का स्थान नहीं होता। तर्क बुद्धि और अर्थशास्त्र से पैदा मार्क्सवाद भी मजहब बन गया। अब वाद-विवाद-संवाद में उनकी आस्था नहीं। वामपंथी अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे पक्ष के सही और संवैधानिक तथ्य को भी 'थोपा जाना' बताते हैं। वंदेमातरम् राष्ट्रगीत है। वे कहते हैं कि इसका थोपा जाना अनुचित है। राष्ट्रभाव स्वाभाविकता है, वे कहते हैं कि राष्ट्रवाद का थोपा जाना असहिष्णुता है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की निष्ठा अपरिहार्य है। वे इसे भी थोपे जाने का आरोप लगाते हैं। उनकी प्रकृति पंथिक अंधविश्वासी है। संघ भारत के परम वैभव का स्वप्न दृष्टा है।

चीन का हमला हुआ। यह आज भी भारत के मन पर गहरा जख्म है। कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर कम्युनिस्ट चीन और अपने भारत की निष्ठा को लेकर द्वंद्व था। पार्टी टूट गई। चीन प्रिय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट हो गए और शेष भारतीय कम्युनिस्ट। यों यहां कम्युनिस्ट विचार के दो दर्जन से ज्यादा संगठन हैं। नक्सलबाड़ी रक्तपात से निकले समूह नक्सलपंथी या माओवादी कहे जाते हैं। संसदीय जनतंत्र में विश्वास न करने वाले समूह बंदूक विश्वासी है। दूसरों को फासिस्ट बताने वाले वामसमूह ने 1975 में इंदिरा गांधी की फासिस्ट तानाशाही का समर्थन किया था। बीस माह के आपातकाल में पूरा देश यातनागृह था। तब भी कम्युनिस्ट फासिस्ट सत्ता के समर्थक थे। कम्युनिस्ट सोनिया गांधी के संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन में भी थे। कहने को इस गठबंधन का 'न्यूनतम साझा कार्यक्रम' था, लेकिन वस्तुतः यह प्रच्छन्न सत्ता भागीदारी की तिकड़म थी। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। वे सत्ता को हिलाते थे, सत्ता हिलती थी। वे अपने विचार थोपते थे। संप्रग सिर झुकाने को विवश था। संघ राजनीति से अलग अपने ध्येय में लगा रहा।

2008 में वाम बाएं मुड़ गए। वे अमेरिकी परमाणु करार के विरोधी थे। उन्होंने संभवतः पहली दफा 'राष्ट्रहित' शब्द का प्रयोग किया कि राष्ट्रहित में यह कार्रवाई आगे नहीं बढ़नी चाहिए। तब पश्चिम बंगाल बचा था। वाम हिंसा और कुशासन से पीड़ित बंगाली जनसमुदाय ने उन्हें खारिज किया। अब वह किसी एक सहयोग से फिर से अखिल भारतीय होने के प्रयास में थे, लेकिन उनसे यारी को कोई तैयार नहीं हुआ। उनकी विदाई हो गई है। तो भी तमाम राष्ट्रीय जिज्ञासाएं हैं। मसलन उन्होंने गांधी का विरोध क्यों किया? उन्होंने सुभाष चंद्र बोस का समर्थन क्यों नहीं किया? उन्होंने 1857 को स्वाधीनता संग्राम क्यों नहीं माना? आपातकाल का समर्थन क्यों किया? उन्होंने पूर्वज आर्यों को विदेशी सिद्ध करने में ही सारी बौद्धिक शक्ति क्यों लगाईं? सवाल और भी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिना सदस्यता पर्ची ही दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया। यह राष्ट्रीय होकर भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा में है। कम्युनिस्ट अंतर्राष्ट्रीय होकर भी क्यों अभिशप्त हैं?

संघ के स्वयंसेवक अपने दैनिक कार्यक्रमों में राजनीतिक नारेबाजी नहीं करते। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हम सब राष्ट्र के ही भाग हैं। देश में कई बार राष्ट्रीय आपदाएं आईं। गुजरात में भूकंप हो, दक्षिण भारत में सुनामी हो, ओड़िसा में तूफान हो, केदारनाथ की त्रासदी हो, 1962, 1971 आदि वर्षों का युद्धकाल हो, संघ के स्वयंसेवक ऐसे संकट के समय सेवाभाव लेकर सक्रिय रहे। संघ हिंदू और हिंदुत्व का संपूर्ण अधिष्ठान लेकर सक्रिय है। राष्ट्र जीवन में 100 बरस बहुत ज्यादा नहीं, लेकिन यह अवधि बहुत कम भी नहीं कही जा सकती। देश के सभी घरों में बिजली पानी है। 100 बरस की सेवा का अनुभव कुछ और विशिष्ट गढ़ने में लगाया जा सकता है। भारत को भारत की नियति तक ले जाना हम सब का कर्तव्य है। मैं इस संगठन का 60 वर्षीय स्वयंसेवक अपने में गर्व का अनुभव करता हूं।

'आई लव एजूकेशन' का बैनर लगाएं मुसलमान!

पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा से प्यार करने वाला मुस्लिम समाज अपने पैगंबर के किरदार, तालीम, नसीहत और हदीस की राह पर चले तो तरक्की, तालीम, अनुशासन, इंसानियत व इत्तेहाद इस समाज का पहला प्यार होगा। दुनियाभर के मुसलमानों की तरह भारत का मुस्लिम समाज भी अपने पैगंबर को अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करता है, लेकिन ये प्यार कभी-कभी अधूरा सा दिखता है। प्यार पूरी तरह से सच्चा होता तो मोहम्मद साहब के किरदार, उनके उद्देश्यों-हदीसों से प्रभावित दिखता। कहा जाता है कि रसूल शहर-ए-इल्म थे, इसलिए मुस्लिम समाज को शिक्षा में आगे आने की पुरजोर कोशिश करनी होगी। एक बूढ़ी औरत द्वारा मोहम्मद साहब पर कूड़ा फेंकने की कहानी नसीहत देती है कि दुश्मन से भी प्यार करो, लेकिन क्या मुसलमानों ने दुश्मन से भी प्यार करने का किरदार पेश किया?

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मुसलमानों के हालात शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी जरूरतों में बद से बदतर हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि अपने पैगंबर के किरदार पर अमल करते हुए ये समाज शिक्षा में आगे बढ़े। अपने बच्चों को अनुशासन, आपसी सौहार्द जैसे सुसंस्कार देकर तरक्की की उंचाई की राह दिखाए। कभी कला, साहित्य, शिक्षा, व्यापार और विज्ञान में अपनी बराबर की मौजूदगी दर्ज कराने वाला ये समाज अपने तमाम हुनरों को व्यवसायिक बनाने के लिए योगी-मोदी सरकारों की योजनाएं 'एक जनपद एक उत्पाद, एमएसएमई, आरटीई, स्टार्टअप' का खूब लाभ लेने की कोशिश करे। ये समाज सरकारी योजनाओं से प्यार का एलान भी करे। जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं से प्यार की तख्तियां टांगे, पोस्टर लगाए तो भी अच्छा है, क्योंकि आई लव सरकारी योजनाओं का कैंपेन उन गरीब, जरूरतमंद, हुनरमंद मुस्लिमों तक पहुंचे जो इन योजनाओं से वाकिफ नहीं हैं और इन सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुस्लिम समाज के खास लोग, उलमा, धार्मिक गुरु, धार्मिक नेता या इस समाज का वोट हासिल करने वाले राजनीतिक दल काश अकलियत का सही मार्गदर्शन करते।

> प्रतियोगी और यूपीएससी जैसी परीक्षाओं में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी बढ़ रही है। बावजूद इसके कुछ धार्मिक नेता और राजनीतिक दलों की तरफ से समय-समय पर मुस्लिम नौजवानों को भड़का कर उनकी जिंदगी को नरक बनाकर खुद की राजनीति को चमकाने का गुनाह जारी है।

आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक दशक में मोदी-योगी सरकारों में ये समाज शिक्षा में कुछ आगे बढ़ा है। पहले की अपेक्षा अधिक अनुशासित हुआ है, आपराधिक दुनिया में इनकी भागीदारी कम हुई है। प्रतियोगी/यूपीएससी परीक्षाओं में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी बढ़ रही है। बावजूद इसके कुछ धार्मिक नेता और राजनीतिक दलों की तरफ से समय-समय पर मुस्लिम नौजवानों को भड़का कर उनकी जिंदगी को नरक बनाकर खुद की राजनीति को चमकाने का गुनाह जारी है। देश, प्रदेश और समाज के लिए ये बेहतर होगा कि मुस्लिम समाज किसी के बहकावे में आकर भीड़ बनकर लाठियां न खाएं, जेल न जाएं और आई लव डेवलेपमेंट-आई लव एजूकेशन की नियत कर मोहम्मद साहब के सौहार्दपूर्ण और तरक्की पसंद किरदार का नमूना पेश करें।

सूखती जल धाराएं सूखता भविष्य

कमोबेस सभी नदियों की हालत बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण खराब होती जा रही है। नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित हुए एक अध्ययन के परिणामों में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में नदियां अब महासागरों से भी ज्यादा गर्म हो रही हैं, जिससे न केवल नदियों का तापमान बढ़ रहा है, बल्कि उनकी ऑक्सीजन भी तेजी से कम हो रही है और इससे नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा पैदा हो रहा है।

दरअसल, जलीय जीवन मूल रूप से नदियों के पानी के तापमान तथा ऑक्सीजन के स्तर पर ही निर्भर करता है। अध्ययन में बारिश, मिट्टी के प्रकार, सूर्य की रोशनी जैसे कारकों भी शामिल किया गया, जिसमें अमेरिका की 580 और मध्य यूरोपीय 216 नदियों के आंकड़े थे। पे स्टेट की अगुआई में अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा दुनियाभर की 796 नदियों का अध्ययन करने पर पाया गया कि उनमें से 87 प्रतिशत नदियां गर्म हो रही हैं और 70 प्रतिशत नदियों में ऑक्सीजन की कमी होने लगी है। अध्ययन में कहा गया है कि अगले सात दशकों में विशेष रूप से अमेरिका के दक्षिणी हिस्सों में नदियों के तंत्र में ऑक्सीजन इतनी कम हो जाएगी कि मछलियों की कुछ प्रजातियां पूरी तरह खत्म हो सकती हैं।

योगेश गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

शोधकर्ताओं के अनुसार गर्म होती जलवायु के कारण महासागर तो गर्म हो रहे हैं लेकिन यह उम्मीद नहीं थी कि बहने वाली उथली नदियों के साथ भी ऐसा ही हो रहा होगा। ओसियानिक एंड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक शहरी नदियां ज्यादा तेजी से गर्म हुई हैं, जबकि कृषि वाली नदियां धीमी गति से गर्म हो रही हैं, लेकिन वे तेजी से ऑक्सीजन गंवा रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक भविष्य में नदियों में ऑक्सीजन कम होने की दर पहले के समय में अवलोकित की गई दर के मुकाबले 1.6-2.5 गुना ज्यादा होगी।

'नेचर रिव्यूज अर्थ एंड एनवायरनमेंट' में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में भी यह तथ्य सामने आया है कि चरम मौसम की घटनाओं के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इस शोध से पता चला कि जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण ये घटनाएं अधिक, लगातार और गंभीर होती जा रही हैं, पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और सुरक्षित पानी तक लोगों की पहुंच तेजी से खतरे में पड़ सकती है।

इस अध्ययन के दौरान सूखे, लू अथवा हीट वेव, भयंकर बारिश और बाढ़ जैसे चरम मौसम के साथ-साथ जलवायु में लंबी अवधि के बदलावों के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता में बदलाव के 965 मामलों का विश्लेषण किया गया। कुछ अध्ययनों में दुनियाभर की कई नदियों के पानी में इंसानों द्वारा प्रयोग की गई दवाओं से जुड़े हानिकारक तत्वों की बहुत बड़ी मात्रा में मौजूदगी पाई जा चुकी है। दवाओं से नदियों में होने वाले इस प्रदूषण से मछलियों के साथ-साथ अन्य जलीय जीवों के लिए भी खतरा बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि नदियों में दवाओं के कारण बढ़ रहा यह प्रदूषण भी करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

अखिलेश की सियासत व आजम की जरूरत

नाजुक मिजाज लखनवी लोगों के लिए पान वाले पान में चूना लगाने में बहुत एहतियात बरतते हैं। चूना ज्यादा लग गया तो मुंह कट जाएगा, कम लगा तो पान का जायका ही नहीं रहेगा, इसलिए अलग से पुड़िया पर चूना लगा कर खतरे से बचा जाता है। समाजवादी पार्टी के फाउंडर मेंबर मोहम्मद आजम खान की अहमियत की मात्रा को संतुलित रखना अखिलेश यादव के लिए बड़ी चुनौती है। आजम को इग्नोर किया तो मुसलमान भड़क जाएंगे और यदि अखिलेश यादव ने आजम को सिर आंखों पर उठाया तो हिंदू समाज में सपा को आजमवादी-नमाजवादी पार्टी बताकर ध्रुवीकरण से 20-80 का बंटवारा करने में भाजपा को मदद मिलेगी।

> आजम को इग्नोर किया तो मुसलमान भड़क जाएंगे और यदि अखिलेश यादव ने उन्हें सिर आंखों पर उठाया तो हिंदू समाज में समाजवादी पार्टी को आजमवादी-नमाजवादी पार्टी बताकर ध्रुवीकरण से बीस-अस्सी का बंटवारा करने में भाजपा को मदद मिलेगी।

सोशल मीडिया पर मुस्लिम समाज में ऐसे गिले, शिकवे-शिकायतें भी झलकती हैं। जैसे- अमेठी के मोहम्मद आरिफ के सारस को वन विभाग ने चिड़ियाघर में भेज दिया तो अखिलेश यादव कई बार सारस से मिलने गए पर आजम खान से जेल में मिलने नहीं गए। जेल से बाहर हुए तो भी उन्हें लेने नहीं पहुंचे, तो क्या सपा मुखिया की नजर में आजम खान की अहमियत सारस से भी कम है! दरअसल भाजपा की ये ख्वाहिश रहती है कि सपा में आजम खान को खूब अहमियत दी जाए, ताकि आजम की कट्टर मुस्लिम परस्त कथित छवि की पिच पर भाजपा ध्रुवीकरण के चौके-छक्के लगाकर विजय प्राप्त करती रहे।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

विरोधी की ऐसे रणनीति को विफल करने के लिए अखिलेश यादव आजम खान से थोड़ी दूरी बनाते हैं, तो भाजपाई ही मुस्लिम समाज में संदेह देने की कोशिश करते हैं कि प्रदेश के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे खां साहब को अखिलेश नजरंदाज करते हैं। जाहिर सी बात है, इस तरह के आरोप जब सच्चाई की कसौटी पर दिखाई देते हैं तो सपा के भरोसे के दीवाने मुस्लिम समाज में अपनी मनपसंद पार्टी के प्रति प्यार, विश्वास और एकजुटता में ढीलापन आता है।

पिछले एक दशक से अधिक समय से भाजपा की सफलता का नरैटिव बहुसंख्यक समाज में सेट होने के बाद, जो मोहम्मद आजम खान समाजवादी पार्टी के लिए वरदान थे, वो अभिशाप बन गए हैं। भाजपा उनके नाम को तुष्टिकरण के तानों और ध्रुवीकरण का जादू चलाने का सबसे बड़े हथियार के रूप में लेती है और इस बात में भी दम है कि योगी-मोदी के दौर वाली भाजपा की सियासत को ध्रुवीकरण सार्वाधिक रास आया और केंद्र और राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ा। खासकर यूपी, जहां जाति की राजनीति की जड़ें गहरी थीं, भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व के चेहरे से यहां सनातनी एकता स्थापित कर जातियों के बिखराव पर काबू पाकर दूसरी बार सत्ता हासिल की। करीब पौने चार दशक बाद यहां किसी मुख्यमंत्री ने दूसरा कार्यकाल निभाया। इस सफलता में बटोगे तो कटोगे, बीस-अस्सी, श्मशान-कब्रिस्तान, मिट्टी में मिला देंगे... जैसे नारे हिंदुत्व की राजनीतिक फसल को खाद-पानी देते रहे।

आजम खां के जेल जाने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मौके की सियासी नजाकत को देखते हुए ध्रुवीकरण से बचने के लिए और मुस्लिम परस्ती जैसे आरोपों से बचने के लिए फूंक-फूंक कर कदम रखे। पीडीए की रणनीति में अधिक से अधिक गैर यादव पिछड़ी जातियों और दलित समाज का भरोसा जीतने पर अधिक बल दिया। एमवाई के दायरे से निकलकर बड़ा दायरा बनाने की रणनीति पर काम करने वाले अखिलेश यादव को 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुत बड़ा लाभ मिला। लोकसभा में 37 सीटें जीतकर सपा के पीडीए का आत्मविश्वास बढ़ा और अखिलेश मुस्लिम-यादव से अधिक दलित-पिछड़ों के उत्थान के मुद्दों पर ज्यादा बल देने लगे।

यूपी की आबादी की करीब 20% हिस्सेदारी वाला मुस्लिम समाज जब भाजपा को सबसे बड़ी चुनौती देने वाले दल के साथ एकजुट होता दिखाई देता है, तो भाजपा 80-20 वाले ध्रुवीकरण के राजनीतिक कौशल की धार तेज करने लगती है। अतीत में सपा-बसपा जैसे यूपी के क्षेत्रीय दल मुस्लिम अल्पसंख्क समाज के भरपूर समर्थन और हिंदू समाज की जातियों की राजनीति से सत्ता में काबिज होते रहे। दलितों-पिछड़ों के साथ मुस्लिम समाज का कॉम्बो जनाधार बनाने की कोशिश करने वाले क्षेत्रीय दलों को चुनौती देने के लिए भाजपा ने धर्म की राजनीति का पलटवार कर कई बार पासा पलटा। खासकर योगी-मोदी के दौर में हिंदू समाज की बिखरी हुई जातियों को एकजुट करने में भाजपा ने निरंतर सफलता हासिल की।

बाएं हाथ को भी खबर न हो कि दाहिने हाथ ने दान किया

हर धर्मों में दान का बहुत महत्व बताया गया है, जिसके चलते दान की परंपरा चली आ रही है, लेकिन दान किस तरह और किन लोगों को करना चाहिए, इस पर ध्यान कम दिया जाता है। धर्म स्थलों के बाहर चादर बिछाकर या कटोरा लेकर बैठे लोगों को कुछ रुपये-पैसे देकर दान का कर्तव्य मान लिया जाता है, जबकि दान का यह सही तरीका नहीं है।

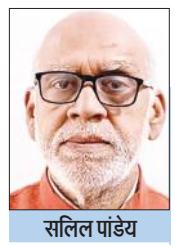

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

सर्व प्रथम दान देने के लिए सुयोग्य पात्र की तलाश करनी चाहिए। ऐसा व्यक्ति जो जीवन में कुछ करना चाहता है और धन के अभाव में नहीं कर पा रहा है। ऐसे व्यक्ति को दान और मदद से वह खुद तो स्वावलंबी बनेगा, साथ में वह दूसरों को भी स्वावलंबी बनाएगा, जबकि धर्म स्थलों के बाहर बैठे भिखारी आजीवन भीख ही मांगते है। उनकी आदतें भीख मांगने की जो हो जाती है, वह जल्दी छूटती नहीं।

इस संबंध में एक बोध कथा है कि एक युवा भिखारी सड़क किनारे बैठकर भीख मांगा करता था। आते-जाते लोग कुछ रुपये उसे दे देते थे, लेकिन किसी महात्मा से उसने भीख मांगी तो महात्मा जी पूछ बैठे, "यहां बैठकर तुम भीख मांगते हो कि कहीं आते-जाते भी हो।" भिखारी बोला, "कहीं जाता नहीं, यहीं बैठकर भीख मांगकर काम चलाता हूं।"

महात्मा ने कहा, "जब कहीं जाते नहीं तो तुम्हरा पैर बेकार का है। 10 हजार ले लो और बदले में पैर दे दो। इस पर भिखारी बोला, "लेकिन पैर दे दूंगा तो नित्य क्रिया के लिए कैसे जाऊंगा।" महात्मा जी ने कहा, "चलो, 20 हजार में एक हाथ दे दो।" भिखारी हाथ देने के लिए भी तैयार नहीं हुआ। महात्मा जी ने एक लाख में जब दोनों आखें मांगी तो तैश में आ गया भिखारी बोला, "करोड़ रुपए देंगे तो शरीर का एक रोम (रोआ) दूंगा नहीं। चलिए आगे बढ़िए।"

भिखारी के इस कथन पर महात्मा बोले, "जिसके पास करोड़ों की संपत्ति है, वह भीख मांगे, यह भी उचित नहीं। महात्मा जी की वाणी उसके मन में लग गई और बोल पड़ा, "अब भीख नहीं मांगूगा।" उस दिन से भीख मांगना छोड़, वह अपने काम में लग गया। दान के बारे मनीषियों ने तो यहां तक कहा कि दाहिना हाथ दान करे तो बाएं हाथ तक को खबर न लगे कि दाहिने हाथ ने दान किया है।

खेत की मिट्टी से भविष्य की फसल उगाते नौजवान

पिछले कई दशकों में युवा गांव में खेती-किसानी की जगह शहरी नौकरियों, मेट्रो-जिंदगी और शहरों की चमक-दमक की तरफ खिंचे चले आए हैं, लेकिन अब एक बार फिर से बदलाव नजर आने लगा है। कुछ युवा वापस गांव और खेती की तरफ लौट रहे हैं या कम-से-कम खेती को एक सम्मानजनक, तकनीकी और लाभदायक करियर विकल्प के रूप में देखने लगे हैं। अगर राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति सिरे चढ़े, तो उसके सामाजिक, आर्थिक और मानवीय असर दूरगामी होंगे। इससे न केवल फसल बढ़ेगी बल्कि गांव का आत्म-सम्मान, परिवारों की सुरक्षा और स्थानीय जीवन की गुणवत्ता भी उभरेगी।

सबसे पहले एक बात स्पष्ट करनी जरूरी है कि कितने प्रतिशत युवा खेती की तरफ आकर्षित हो रहे हैं? इसका कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इसे अलग-अलग अध्ययनों में अलग तरीके से नापा गया है। कुछ अध्ययनों ने केवल 'रुचि' मापी है, तो कुछ ने वास्तविक 'भागीदारी' या स्वरोजगार अपनाने को मापा है। एक अध्ययन में युवा वर्ग में लगभग 79.8% ने खेती में रुचि होने की दर बताई गई है। यानी बहुत से युवा कहते हैं कि वे खेती को लेकर इच्छुक हैं, बशर्ते उन्हें सही प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर मिले।

किशन कंवर
लेखिका

वहीं राजस्थान पर केंद्रित शोधों ने दिखाया है कि जिलेवार और गतिविधि-वार भिन्नता बहुत है। कुछ जिलों में युवा अधिक सक्रिय रूप से फसलों, कृषि लॉजिस्टिक्स और एग्री-बिजनेस में जुड़ रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर अभी भी भागीदारी सीमित है। इससे स्पष्ट है कि 'रुचि' और 'व्यवहारिक वापसी' में अंतर है और नीति, प्रशिक्षण व बाजार पहुंच इसे कम कर सकते हैं। वास्तव में, युवा जब खेती की तरफ आते हैं, तो पहले और सबसे बड़ा असर परिवार और समुदाय पर होता है। आज कई परिवारों के बुजुर्ग किसान हैं, पर युवा यदि खेत, आधुनिक तकनीक और कृषि-व्यवसाय सीखकर वापस लौटते हैं, तो बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं के नए तकनीक का मेल होगा, जिसका असर खेती में नजर आएगा। इससे पलायन की लहर भी धीमी पड़ेगी।

युवा नई तकनीकें, सामाजिक मीडिया के माध्यम से डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर चैनल, वैल्यू-एडिशन (जैसे फलीय प्रसंस्करण, पेय बनाना) और अन्य मॉडलों को अपना सकते हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की हालिया नीतियां और स्कीमें भी तकनीक तथा स्किलिंग पर जोर दे रही हैं। इससे युवा प्रशिक्षण और उद्यमिता के अवसर बढ़ते हैं, जिससे खेती 'कठिन पड़ाव' से निकलकर 'आकर्षक व्यवसाय' बन सकती है। उदाहरण के तौर पर राजस्थान में कृषि-तकनीक और सौर ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट्स और युवा कौशल केंद्रों की घोषणा हुई है, जो युवा-केंद्रित पहल का समर्थन करते हैं। कई ग्रामीण युवा जब रोजगार के लिए शहरों में झूठे वादों के पीछे भागते हैं तो न केवल आर्थिक असफलता होती है, बल्कि अलगाव और मानसिक दबाव भी बढ़ता है।

खेती में लौटने का मतलब है रिश्तों की मरम्मत, सामाजिक सहारे का पुनर्निर्माण और यह अहसास कि उनकी मेहनत गांव के अस्तित्व और पोषण सुरक्षा से जुड़ी है। इससे आत्म-सम्मान बढ़ता है और डिप्रेशन/अलगाव जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है, हालांकि इस क्षेत्र में चुनौती भी कम नहीं है। भूमि की सीमाएं, पानी की कमी, संकटकाल में बाजार पहुंच और प्रारंभिक पूंजी की कमी युवा किसानों के मनोबल को तोड़ सकती है, इसलिए अगर वास्तविक बदलाव चाहिए तो नीति-निर्माताओं, वित्त संस्थाओं और स्थानीय पंचायतों को मिलकर ऐसे मॉडल तैयार करने होंगे जो लीज्ड-लैंड, साझा उपकरण, माइक्रो-फाइनेंस और मार्केट लिंकिंग उपलब्ध कराएं। साथ ही विज्ञान-आधारित प्रशिक्षण और विपणन शिक्षा देना जरूरी है, ताकि युवा इसे केवल खेती का काम न समझें बल्कि इसे 'एग्री-बिजनेस' के रूप में देखें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आसान नहीं था पांच हजार से दो करोड़ तक का नोरा का सफर

हमेशा सुर्खियों में रहने वाली ग्लैमर क्वीन नोरा फतेही आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्मों तक, हर जगह उनके डांस मूव्स और स्टाइल ने लोगों को दीवाना बना दिया है, लेकिन जिस मुकाम पर आज नोरा हैं, वहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। उन्हें यह सफलता रातों-रात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे छिपा है वर्षों का संघर्ष, आत्मविश्वास और हार न मानने का जज्बा। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने स्ट्रगल के दिनों में क्या सहा है।

कनाडा की गलियों से मुंबई की चमक तक

नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था। वह बचपन से ही फिल्मों और डांस की दीवानी थीं। जब उनके दोस्तों के सपने बिज़नेस या जॉब तक सीमित थे, नोरा के मन में सिर्फ एक ख्वाब था- फिल्मों की दुनिया में पहचान बनाना। उन्होंने तय किया कि चाहे रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो, वो अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचेंगी। यही जज्बा उन्हें कनाडा से भारत खींच लाया। सोचिए, एक 22 साल की लड़की, जिसके पास सिर्फ 5000 रुपये थे, जो न भाषा जानती थी, न यहां कोई पहचान, उसने जब मुंबई की धरती पर कदम रखा, तो यह सफर कितना कठिन रहा होगा।

संघर्ष के दिन

नोरा बताती हैं कि शुरुआती दिनों में उनका जीवन बेहद कठिन था। उन्होंने बताया कि "जब मैं भारत आई, मेरे पास सिर्फ 5000 रुपये थे। मैं और नौ लोग एक 3 बीएचके फ्लैट में रहते थे। दो लड़कियों के साथ एक छोटा-सा कमरा शेयर करती थी। उस वक्त सोचती थी- हे भगवान, मैं यहां क्यों आई?" यह वो दौर था जब न उन्हें स्थायी काम मिल रहा था, न कोई गाइड करने वाला था। कई बार ठगी हुई, कई बार गलत लोगों पर भरोसा करने से निराशा हाथ लगी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

पहला कदम: 'रोर' से शुरुआत

नोरा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2014 में फिल्म 'रोर : टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' से की। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा नहीं चली, लेकिन इससे उन्हें इंडस्ट्री में एक पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख किया, जहां उनके डांस ने सबका ध्यान खींचा। प्रभास स्टारर फिल्म 'बाहुबली : द बिगिनिंग' में उनका डांस सीक्वेंस यादगार साबित हुआ। नोरा की मेहनत रंग लाने लगी थी। उन्होंने धीरे-धीरे अपने कदम मजबूत किए और 'दिलबर', 'कमरिया', 'साकी-साकी' और 'गर्मी' जैसे सुपरहिट गानों के ज़रिए डांसिंग क्वीन बन गईं।

कभी निराश मत होना

नोरा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहती हैं कि कई बार उन्हें मानसिक रूप से बहुत झटका लगा। "जब मैं मुंबई आई थी, तब मैं बहुत भोली थी। जो भी मुझे काम का वादा करता, मैं समझती थी कि उसे भगवान ने मेरे लिए भेजा है, लेकिन कई बार लोग मुझे इस्तेमाल करना चाहते थे। उस दौर में मैं डिप्रेशन में चली गई थी और मुझे थेरेपी लेनी पड़ी।" फिर भी उन्होंने खुद को टूटने नहीं दिया। उन्होंने खुद से वादा किया कि वह हमेशा पॉजिटिव रहेंगी और अपनी मेहनत से लोगों को जवाब देंगी।

सपनों की कीमत

आज नोरा फतेही बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय डांसर और एक्ट्रेस में शुमार हैं। उनकी गिनती उन सितारों में होती है, जो एक परफॉर्मेंस के लिए 2 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं। उन्होंने सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'भारत', वरुण धवन की 'स्ट्रीट डांसर 3D' और जॉन अब्राहम की 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों में अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। नोरा सिर्फ डांस नहीं करतीं, बल्कि अपनी परफॉर्मेंस में एनर्जी, ग्रेस और स्टाइल का ऐसा संगम लाती हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

आसान नहीं था खुद की पहचान बनाना

नोरा का कहना है कि "इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में विदेशी चेहरे को स्वीकार करना आसान नहीं था। जब मैं यहां आई थी, लोग मुझे सीरियसली नहीं लेते थे। कई बार मुझे सिर्फ ग्लैमर के लिए कास्ट किया गया, लेकिन मैंने दिखाया कि मैं सिर्फ खूबसूरत नहीं, टैलेंटेड भी हूं।" नोरा आज इस मुकाम पर हैं, जहां लोग उन्हें सिर्फ एक डांसर नहीं, बल्कि एक मेहनती और समर्पित आर्टिस्ट के रूप में पहचानते हैं। नोरा फतेही ने अपने संघर्ष और मेहनत से जो मुकाम पाया है, वह किसी प्रेरणा से कम नहीं। उन्होंने साबित किया कि असली सफलता वही है, जो कठिनाइयों से होकर निकलती है। आज वह न केवल एक सफल परफॉर्मर हैं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत भी हैं, जो युवाओं को यह संदेश देती हैं कि "खुद पर भरोसा रखो, क्योंकि अगर तुम खुद पर विश्वास करोगे, तो पूरी दुनिया तुम्हारे साथ खड़ी होगी।"

शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार की एटली ने कर दी थी भविष्वाणी

दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक एटली ने फिल्म जवान की शूटिंग के दौरान ही बता दिया था कि शाहरुख खान को इस फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। वर्ष 2023 में प्रदर्शित एटली के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म जवान के लिए शाहरुख खान को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने बताया कि जवान की शूटिंग के दौरान एटली ने निडरता से भविष्यवाणी की थी कि शाहरुख खान को उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने कहा, "जब हम जवान की शूटिंग कर रहे थे, एटली सर पहले ही बता चुके थे कि शाहरुख खान राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले हैं। वह यह इतनी आत्मविश्वास के साथ कहते थे और अब देखो, उन्होंने नेशनल अवार्ड जीत लिया। वह वास्तव में कमाल के हैं।" यह भविष्यवाणी अब इतिहास बन चुकी है। शाहरुख खान ने अपने 30 साल के करियर में आखिरकार प्रतिष्ठित नेशनल अवार्ड जीता, जो सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि एटली के लिए भी एक मील का पत्थर है, जिनकी निर्देशन और कहानी कहने की क्षमता ने शाहरुख के सबसे यादगार प्रदर्शन को परिपूर्ण मंच प्रदान किया।

फिल्म समीक्षा

तकनीकी रूप से दमदार फिल्म

ऋषभ शेट्टी ने एक बार फिर कंतारा वर्ल्ड में जादू बिखेरा है, उनका लेखन, निर्देशन और अभिनय, सब दमदार है। साथ ही गुलशन देवैया, रुख्मिणी वसंत और जयराम का अभिनय भी दमदार रहा है। तीन साल पहले आई कंतारा सिर्फ 16 करोड़ में बनी थी, इस बार निर्माता ने ऋषभ के लिए 125 करोड़ का बजट रखा था और यह पर्दे पर भी साफ दिखाई देता है। एक बार तो हमें यह एहसास होता है कि इतने बजट में इतनी बढ़िया फिल्म कैसे बन सकती है। फिल्म के दृश्य बेहद शानदार हैं, हर फ्रेम खूबसूरत लगता है। तकनीकी रूप से भी फिल्म एकदम सही है। बीजीएम और गाने कमाल के हैं, मैंने कई सालों बाद किसी फिल्म में शास्त्रीय संगीत सुना है। मुझे ये कहानी बहुत पसंद आई, ऋषभ इसी चीज को भारतीय सिनेमा में लेकर आए।

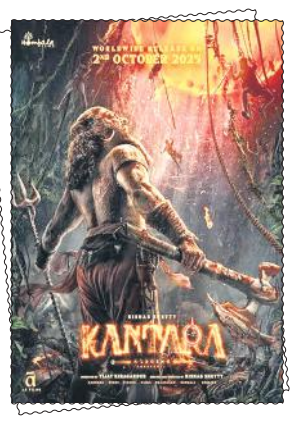

कहानी वहीं से आगे बढ़ती है, जहां कंतारा खत्म हुई थी और फ्लैशबैक में हमें कदंब राज्य दिखाया जाता है। कदंब राज्य का राजा, जो कंतारा वन चाहता है, लेकिन वहीं मर जाता है, फिर उसका बेटा (जयराम) वहां वापस जाने की हिम्मत नहीं करता। जब बेटा बड़ा होता है तो वो राजा बनता है और उसके एक बेटा (गुलशन देवैया) और एक बेटी (रुखमणी वसंत) होती है। बेटे (गुलशन देवैया) को राजगद्दी पर बिठाकर राजा बना दिया जाता है, लेकिन जो बेटा राजा है, वो अय्या के साथ ही रहता है। यहां, कोई एक नवजात शिशु बर्मी (ऋषभ शेट्टी) को कंतारा वन में छोड़ देता है और वहां एक महिला, जिसके कोई बच्चे नहीं हैं, उसकी देखभाल करती है। फिल्म शुरू से अंत तक बांधे रखती है, एक भी फ्रेम हमें बोर नहीं करता। एक्शन कोरियोग्राफी कसी हुई है, युद्ध भी दिखाया गया है, वहां तकनीकें भी अच्छी थीं। हमें यह भी देखने को मिलता है कि उस समय के लोग कैसे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। स्क्रीन प्ले को उस समय को ध्यान में रखकर और हर चीज को ध्यान में रखकर दिखाया गया है।

समीक्षक- शिवकांत पालवे

एडवेंचर फिल्म इलियो

इलियो एक अमेरिकन एनिमेटेड साइंस फिक्शन एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्माण पिक्सर एनिमेशन स्टूडियो ने वॉल्ट डिज्नी पिक्चर्स के लिए किया है। शानदार म्यूजिक, खूबसुरत सिनेमेटोग्राफी और ढेर सारे क्यूट कैरेक्टर के साथ इलियो मनोरंजन करने में सफल रही। एनिमेशन का अपना ही स्वाद अपना ही मजा है। जब-जब बचपन की तरफ लौटने का मन करता है तो एनीमेटेड मूवी ढूंढ कर छोटे बेटे के साथ देखने बैठ जाता हूं। यह मूवी इलियो नाम के छोटे बच्चे की कहानी है, जिसके माता-पिता नहीं रहे और वो अपनी बुआ ओल्गा के साथ रहता हैं। बुआ वायु सेना में मेजर है, जो अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती थी, पर भतीजे की परवरिश के कारण अपना सपना, सपना समझ भूल जाने की कोशिश करती हैं।

इलियो और ओल्गा के बीच संबंध अच्छे नहीं है, जिसके चलते इलियो दूर अंतरिक्ष में दूसरे गृह पर जाने की जिद्द पर आ जाता हैं। एक दिन वो सैन्य ठिकाने से संदेश भेजता है, जिसे सुन एलियंस इलियो को अपने साथ ले जाते हैं। वहां जाकर इलियो क्या-क्या गुल खिलाता हैं यह देखना बड़ा मजेदार हैं।

हालांकि फिल्म साधारण है, जिस तरह की एनिमेटेड फिल्मों का हॉलीवुड में इतिहास रहा है, उस लेवल की तो नहीं है पर आप अगर क्राइम थ्रिलर, एक्शन, हॉरर फिल्में देख देख थक गए हैं तो रिफ्रेश होने के लिए इलियो फिल्म देख सकते हैं। इलियो परिवार के साथ मिलकर देखेंगे तो एक ताजा सिनेमा अनुभव होगा, पर हां बहुत ज्यादा उम्मीद रख कर मत देखिएगा।

समीक्षक-राजदीप जोशी

आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया: भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि आलोचनाओं ने उन्हें और ज्यादा प्रेरित किया है। मिल्केन इंस्टीट्यूट के 12 वें एशिया समिट में दुनियाभर के बड़े लीडरों के बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी निजी कहानी, हिम्मत और जिम्मेदारी की बात से सबको प्रभावित किया। भूमि पेडनेकर ने बताया कि जब वह अभिनेत्री बनने का सपना देखती थीं, तो उन्हें पर्दे पर अपनी तरह की महिलाएं नहीं दिखती थीं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा से पता था कि मैं एक कलाकार बनना चाहती हूं, लेकिन बड़े होते हुए मुझे पर्दे पर अपने जैसी लड़कियां नहीं दिखीं। जब भी मैंने लोगों को अपने सपने के बारे में बताया, तो वे मुझ पर हंसे। उन आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया और मैंने सोचा, मैं उन्हें करके दिखाउंगी। भूमि ने कहा कि उनकी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' ने उन्हें सिनेमा की असली ताकत दिखाई।

ईरानी सिनेमा की महिला सुपर स्टार गोलशिफतेही

मैं ईरानी सिनेमा का शौकीन हूं और शायद मैं ही नहीं विश्व सिनेमा का हर संजीदा दर्शक ईरानी फिल्मों का दीवाना होता है। इन फिल्मों का स्तर अंतर्राष्ट्रीय होता है। माजिद मजीद और दारिश मेहरजुई जैसे ख्यातनाम निर्देशक विश्व फलक पर ईरानी सिनेमा को रचकर अमर हैं। ईरानी सिनेमा की प्रख्यात अभिनेत्री और महिला सुपर स्टार 'गोलशिफतेही फरहानी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है और नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म एक्सट्रैक्शन में भी काम किया है। इन्हें महज 14 साल की उम्र में नामी निर्देशक दारिश मेहरजुई की फिल्म की 'द पीयर ट्री' में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया है। इस भूमिका के लिए गोलशिफतेही को तेहरान में 16 वें 'फज्र इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' के अंतर्राष्ट्रीय खंड से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के 'क्रिस्टल रॉक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनकी अभिनीत फिल्म 'अबाउट अली' (निर्देशक असगर फरहानी) ने ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का व बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सिल्वर बीयर का अवार्ड जीता। यह इनकी ईरान में प्रदर्शित आखिरी फिल्म थी। बाद में वे लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ फिल्म 'बॉडी ऑफ लाइज' में मुख्य भूमिका में आई। इसमें इनके बिना हिजाब के होने के कारण उन्हें 2009 से ईरान में वापस लौटने और काम करने पर विवाद के चलते वे पैरिस में बस गई। कालांतर में उन्हें फ्रांस में सीजर अवार्ड्स में 'द पेशेंस स्टोन' के लिए 'मोस्ट प्रॉमिसिंग एक्ट्रेस' के अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया।

2017 में आई एक फंतासी फिल्म 'पायरेट्स ऑफ द कैरिबियन' में वे एक समुद्री चुड़ैल शांसा की भूमिका में दिखाई दीं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। 2020 में वे नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक्शन फिल्म 'एक्सट्रैक्शन' में इन्होंने अविस्मरणीय निक खान का किरदार निभाया। 2023 के बर्लिन फिल्म फेस्ट में इन्हें मुख्य समापन जूरी के सदस्य के रूप में भी चुना गया। फरहानी न केवल पर्यावरण समर्थक है, बल्कि ईरान की तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम की भी संवाहक है। प्रसिद्ध ब्रिटिश रॉक बैंड 'कोल्डप्ले' ने 'स्फेयर्स वर्ल्ड टूर' में फरहानी को आमंत्रित किया था, जिसके लैटिन अमेरिका प्रदर्शन के दौरान दो रात केवल लाइव इवेंट सिनेमा स्पेशल के हिस्से के रूप में कॉन्सर्ट को 70 से अधिक देशों में 3,500 से अधिक सिनेमाघरों में लाइव प्रसारित किया गया था, जो कि एक अपने आप में एक इतिहास है।

जुलाई 1983 में तेहरान के एक थिएटर निर्देशक और अभिनेता और स्टेज अभिनेत्री फहीमेह रहीमिनिया के घर जन्मी गोलशिफतेही का नाम उनके पिता ने रखा था, जिसके मायने होते है 'प्यार करने वाला फूल', जबकि उनका कानूनी नाम राहवार्ड है। उन्होंने पांच साल की उम्र में संगीत और पियानो का अध्ययन शुरू किया और बाद में तेहरान के एक संगीत विद्यालय में प्रवेश लिया लेकर विधिवत ईरानी संगीत की तालीम ली। लगभग 53 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी गोलशिफतेही फरहानी को अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है। 2017 में वे पैरिस से ईबीसा (पुर्तगाल के नजदीक) रहने चली गई, जहां वे आज भी संगीत और सिनेमा के लिए कार्यरत हैं।

-अरविंद सिंह आशिया, लेखक

इंडियन ऑयल में निदेशक बने सौमित्र

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल में निदेशक (वित्त) नियुक्त किए गए सौमित्र पी. श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण कर लिया। देश की तेल विपणन कंपनी में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले श्रीवास्तव ने आईआईटी रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक और एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एक्जीक्यूटिव एमबीए किया है। अपने करियर के दौरान उन्होंने प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 5 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

डी-मार्ट का राजस्व 15.4% बढ़कर 16,219 करोड़

नई दिल्ली। खुदरा शृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और परिचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स की चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत राजस्व 15.43% बढ़कर 16,218.79 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले कंपनी का परिचालन से राजस्व 14,050.32 करोड़ था। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन से एकीकृत राजस्व 16,218.79 करोड़ रुपये रहा। सितंबर 2025 तक डी-मार्ट के स्टोर्स की कुल संख्या 432 थी। तिमाही आधार पर डी-मार्ट का राजस्व 1.8% बढ़ा। वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का एकीकृत राजस्व 12,307.72 करोड़ रुपये था।

मजबूत मांग से सोभा की बिक्री बुकिंग 61% बढ़ी

नई दिल्ली। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 61% बढ़कर 1,902.6 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री 1,178.5 करोड़ थी। शेयर बाजार को दी जानकारी में सोभा ने बताया कि कंपनी ने इस वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 13,648 रुपये प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 13.94 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेंगलुरु ने तिमाही बिक्री में 69.7% का योगदान दिया, जिसका मूल्य 1,326.4 करोड़ था। यह बढ़ोतरी सोभा टाउन पार्क परियोजना में बिक्री की तेजी के कारण हुई। दिल्ली-एनसीआर ने तिमाही बिक्री में 309.7 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि केरल क्षेत्र की बिक्री 184.8 करोड़ रुपये रही।

मॉयल का उत्पादन बढ़कर 1.52 लाख टन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मैंगनीज अयस्क उत्पादक कंपनी मॉयल का उत्पादन सितंबर में 3.8% बढ़कर 1.52 लाख टन पर पहुंच गया। इस्पात मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह कंपनी का सितंबर महीने का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उसने बताया कि अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग 5,314 मीटर पहुंच गई, जो 46% की वृद्धि है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में मिनीरत्न कंपनी का उत्पादन 10.3% बढ़कर 4.42 लाख टन पर पहुंच गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.3% अधिक है। बिक्री भी 18.6% बढ़कर 3.53 लाख टन हो गई।

बैंकों और नियामकों के पास बिना दावे वाली 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां

केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण ने किया आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान का शुभारंभ

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये संपत्तियां उनके असली मालिकों तक पहुंचें।

सीतारमण ने गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, बैंकों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गांधीनगर से तीन महीने के 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि या शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तीन महीने के अभियान के दौरान बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके मालिकों तक पहुंचाने के लिए तीन पहलुओं जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई पर काम करने का आग्रह किया।

गुजरात में आपकी पुंजी आपका अधिकार नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान का शुभारंभ करतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व अन्य।

सीतारमण ने कहा कि दावे के बिना धनराशि बैंकों, आरबीआई या आईईपीएफ (निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष) के पास पड़ी है। हमें इन निधियों के असली मालिकों और दावेदारों का पता लगाना होगा और उन्हें धन सौंपना होगा। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अनुसार, 1,84,000 करोड़ रुपये वहां पड़े हैं। यह राशि सुरक्षित है। आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं। आपको धन दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि अगर किसी वजह से संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है। जमा राशि के मामले में यह बैंकों से आरबीआई के पास जाता है, और शेयर या इसी तरह की संपत्तियों के मामले में यह सेबी से किसी अन्य केंद्र या आईईपीएफ में जाता है। सीतारमण ने कहा कि आरबीआई ने यूडीजीएएम (अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स गेटवे टू एक्सेस इन्फॉर्मेशन) पोर्टल बनाया है। इसलिए, यह बिना दावे वाले क्षेत्र से दूसरे बिना दावे वाले क्षेत्र में जा रहा है।

संगठित प्रयास अभियान को बनाएगा सफल

सीतारमण ने अधिकारियों से कहा कि जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां है, दस्तावेज़ के साथ आएं और इसे ले जाएं। बस उन्हें कागजात ढूंढने और पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि एक संगठित प्रयास ही अभियान को सफल बनाएगा। प्रधानमंत्री ने ही उन्हें और मंत्रालय से कहा कि जगह-जगह जाकर, लोगों को फोन करके उनसे बकाया लेने के लिए कहिए।

गडकरी ने विमानन क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर दिया जोर

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को हवाई यातायात नियंत्रण सहित विमानन क्षेत्र में वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी और नियमों को उन्नत करने का आह्वान किया। गडकरी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा नागर विमानन पर आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे।

गडकरी ने कहा कि विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि देश में हवाई अड्डों की संख्या 75 से बढ़कर 150 हो गई है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गडकरी ने कहा कि नागपुर देश के केंद्र में स्थित है और संभवतः यह भारत में सम्पूर्ण हवाई यातायात नियंत्रण का केन्द्र बन सकता है। मंत्री ने कहा कि पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त करने और सुरक्षा से समझौता किए बिना वैश्विक मानकों के अनुसार नए नियम लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नए नियमों से इस क्षेत्र में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने के लिए हवाई यातायात नियंत्रकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

कागज पर जीएसटी वृद्धि से कॉपी निर्माताओं में नाराजगी

संवाददाता, बलिया

- कागज पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18% करने से बढ़ेगी कॉपी निर्माताओं की लागत
- वित्त मंत्री को पत्र भेजकर शिक्षा को बढ़ावा देने को कॉपी पर जीएसटी शून्य करने की मांग

अमृत विचार : फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र चतुर्वेदी ने कागज पर जीएसटी दर बढ़ाने को लेकर सरकार से सवाल किए। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र भेजकर मांग की कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कॉपी पर जीएसटी शून्य किया गया, लेकिन कागज पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18% किया गया। इससे कॉपी निर्माताओं की लागत बढ़ेगी, जिसका असर छोटे और कुटीर उद्योगों पर पड़ेगा।

प्रयाग कागज कॉपी व्यवसायी कल्याण समिति ने इस निर्णय पर नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री से गुहार लगाई। समिति का कहना है कि कागज महंगा होने से नोटबुक, किताबें और उत्तर पुस्तिकाएं 6% तक महंगी होंगी। 22 सितंबर से लागू नियमों में कागज (एचएसएन कोड 4802) पर 18% जीएसटी और कॉपी पर 0% जीएसटी लगाया गया है। इससे निर्माताओं को इनपुट टैक्स क्रेडिट रिवर्स करना होगा, जिससे छोटे व्यापारियों को नुकसान होगा।

छोटे व्यापारी जो ट्रेडर्स से कागज खरीदते हैं, अब 18% जीएसटी पर माल लेंगे। शून्य जीएसटी पर कॉपी बेचने से उनकी लागत बढ़ेगी, जिससे कॉपी की कीमतें बढ़ेंगी। व्यापारियों का कहना है कि बड़े उद्योगपति मिलों से सीधे कागज खरीदकर लाभ उठा सकते हैं, लेकिन छोटे व्यापारी इससे वंचित रहेंगे। इससे कुटीर उद्योग बंद होने की कगार पर हैं।

एक एचएसएन कोड पर दो अलग-अलग दरों से असमंजस

व्यापारियों ने बताया कि एक ही एचएसएन कोड पर दो अलग-अलग जीएसटी दरों से असमंजस की स्थिति है। कागज 18% जीएसटी पर खरीदने के बाद सस्ती कॉपी बेचना असंभव है। उन्होंने सरकार से इस नीति पर पुनर्विचार की मांग की, ताकि छोटे व्यापारियों और कुटीर उद्योगों को बचाया जा सके।

रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना को रखा बरकरार : क्रिसिल

कोलकाता, एजेंसी

- अमेरिकी शुल्क से दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का रहेगा जोखिम

क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी। आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

सिंगापुर के निवेशक भारत में तलाशें अवसर : गोयल

- इंडिया सिंगापुर: पार्टनरशिप फॉर ग्रोथ' विषय पर निवेशकों संग केंद्रीय मंत्री ने की बैठक

सिंगापुर, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर के निवेशकों से आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में भारत द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर विचार करने का आग्रह किया। गोयल ने शनिवार को 'इंडिया सिंगापुरः पार्टनरशिप फॉर ग्रोथ' विषय पर निवेशकों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप भारत द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर गौर करें। केंद्रीय मंत्री ने भारत की तीन खास विशेषताओं पर प्रकाश डाला - इसके बाजार का आकार, अवसर और इसके कार्यबल का कौशल। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर काम करने तथा भारत सिंगापुर बिजनेस राउंडटेबल द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों को तेजी से आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के अधिकारी अथक प्रयास कर रहे हैं तथा ऐसे मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिनसे दोनों देशों के संबंधों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। सिंगापुर की यात्रा पर आए गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि एक साथ मिलकर कई नई सीमाएं हैं, जिन्हें पार करना होगा। मंत्री ने कहा कि चाहे वह पूंजी का क्षेत्र हो, अनुसंधान और विकास हो, मानव संसाधन, कौशल, प्रतिभा या शिक्षा का क्षेत्र हो, भारत और सिंगापुर मिलकर सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिंगापुर में निवेशकों के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

उन्होंने बताया कि भारत के सभी वाणिज्य और उद्योग मंडल, सिंगापुर के चैंबर्स के साथ ही यूरोपीय, अमेरिकी और जापानी कंपनियों के प्रतिनिधि शुक्रवार को एक मंच पर एकत्र हुए ताकि भारत में मौजूद अवसरों की तलाश की जा सके।

राष्ट्रीय

शांति भंग करने वालों को देंगे मुंहतोड़ जवाब : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से किया इन्कार, कहा-हथियार डालें

जगदलपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से इन्कार करते हुए कहा कि वे आत्मसमर्पण करें और विकास में सहभागी बनें। शाह ने जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव, 2025 और स्वदेशी मेला को संबोधित करते हुए एक बार फिर 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया। गृह मंत्री ने कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे।

शाह ने कहा कि मैं सभी आदिवासी भाइयों बहनों को कहना चाहता हूं कि आपके ग्राम के युवाओं को हथियार डालने के लिए समझाइए। वह हथियार डाल दें, मुख्यधारा में आएं तथा बस्तर के विकास में सहभागी बनें। कुछ लोग वार्ता की बात करते हैं, मैं फिर से स्पष्ट कर देता हूं, हमारी दोनों सरकारें - छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार बस्तर और नक्सल प्रभावित हर क्षेत्र के विकास को समर्पित है, किस चीज की वार्ता करनी है, बहुत मोहक आत्मसमर्पण नीति हमने बनाई है, आइए हथियार डाल दीजिए। हथियार के बल पर बस्तर की शांति को अगर छिन्न-भिन्न करने का काम किया तो हमारे सशस्त्र बल इसका जवाब देंगे। 31 मार्च 2026 की तिथि नक्सलवाद को इस देश की भूमि पर से विदाई देने के लिए तय है।

बस्तर दशहरा महोत्सव में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

शाह ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोगों ने वर्षों तक भ्रांति फैलाई कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई है, पर मैं आदिवासी भाइयों को बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से महरूम रहा, विकास आप तक नहीं पहुंचा है इसका मूल कारण नक्सलवाद है। आज देश के हर गांव में बिजली, पीने का पानी, रोड, हर घर में शौचालय, पांच लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा, पांच किलो मुफ्त चावल और आपके धान को 3100 रुपये (प्रति क्विंटल) तक पहुंचाने की व्यवस्था हुई है। लेकिन बस्तर इसमें पीछे रह गया है। शाह ने कहा कि मैं आज प्रधानमंत्री की ओर से आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि नक्सलवादी आपके विकास को नहीं रोक पाएंगे। आपके अधिकार को नहीं रोक पाएंगे। छत्तीसगढ़ शासन ने भारत में सबसे अच्छी आत्मसमर्पण नीति बनाई है। एक ही माह में 500 से ज्यादा लोगों ने हथियार डाले हैं।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का किया अनुरोध

शाह ने सभी से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया है। स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी का जन आंदोलन चला रहा है। अब प्रधानमंत्री ने सभी से कहा है कि संकल्प लेना है कि मेरे घर में देश में बनी हुई चीजों का उपयोग होगा। हर व्यापारी को संकल्प लेना है कि मेरी दुकान में, मेरे शॉपिंग मॉल में विदेशी चीज उपलब्ध नहीं होगी। आज मैं बताने आया हूं 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को आत्मसात करे तो भारत को दुनिया की सर्वोच्च आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। शाह ने कहा कि मोदी ने देशभर की माता-बहनों को 395 वस्तुओं में कर (जीएसटी) घटाकर राहत दी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा आदिवासियों के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने आदिवासियों के सम्मान में ढेर सारी योजनाएं शुरू की है।

कुछ लोग कर्पूरी ठाकुर का जननायक सम्मान चुराने की कोशिश में : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व शासन के दौरान तबाह हुई शिक्षा की स्थिति को राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन का एक प्रमुख कारण बताया और हालात में सुधार लाने एवं राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की शनिवार को सराहना की। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

मोदी ने बिहार के लिए कई परियोजनाओं समेत युवा केंद्रित शिक्षा एवं कौशल विकास पहलों के उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी परोक्ष निशाना साधा जिन्हें कांग्रेस के सदस्य अक्सर जननायक कहते हैं। जननायक शब्द का इस्तेमाल ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए किया जाता रहा है। मोदी ने गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोगों द्वारा ठाकुर से जुड़े सम्मान को चुराने के प्रयासों के प्रति बिहार के लोगों को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकुर को जननायक की उपाधि सोशल मीडिया ट्रोल ने नहीं दी बल्कि यह उनके प्रति लोगों के प्रेम का प्रतीक है।

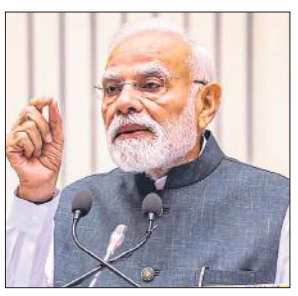

- प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना, नीतीश सरकार की सराहना की

युवाओं के लिए 62,000 करोड़ की पहल का अनावरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शनिवार को अनावरण किया। मोदी ने 60,000 करोड़ के निवेश के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु की शुरुआत की। इस योजना में 1,000 सरकारी आईटीआई को हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नत करने की परिकल्पना की गई है जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। हब एंड स्पोक मॉडल एक वितरण प्रणाली है जो साइकिल के पहिये की तरह काम करती है जिसमें एक हब (केंद्र) होता है जो सभी स्पोक (छोटे, सहायक स्थानों) को आपस में जोड़ता है।

लोकतंत्र की आधारशिला हैं दल पारदर्शिता से निभाएं भूमिका

पटना, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने बिहार विस चुनाव को लेकर की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बिहार विस चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके सुझाव और अपेक्षाओं पर चर्चा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी भी उपस्थित थे। यह जानकारी आयोग ने एक्स पर दी।

आयोग ने अपील की कि वे लोकतंत्र की आधारशिला होने के नाते पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आयोग ने दलों को याद दिलाया कि वे प्रत्येक बूथ पर पोलिंग एजेंटों की नियुक्ति करना न भूलें। मतदाता सूची में सुधार को चलाए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को ऐतिहासिक, पारदर्शी और ठोस कदम बताते हुए दलों की भागीदारी के लिए आभार जताया। मतदाता केंद्र पर अधिकतम 1,200 मतदाताओं की संख्या तय करने को भी राजनीतिक दलों ने सराहना की है।

चुनाव एक-दो चरणों में कराएं : भाजपा

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को निर्वाचन आयोग से विधानसभा चुनाव एक या दो चरणों में कराने और मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर पहुंचने वाली महिलाओं के चेहरे का मिलान करने की मांग की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में बिहार आई टीम से मुलाकात करने के बाद जायसवाल ने यह बात कही।

मुंबई हमले के बाद अमेरिकी दबाव में थी संप्रग सरकार

- भाजपा ने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के साक्षात्कार का दिया हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई थी।

भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से स्पष्ट करने को कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की अनुमति क्यों दी। कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी हाल ही में चिदंबरम द्वारा दिए साक्षात्कार में किए खुलासों पर सफाई दें। तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री चिदंबरम ने साक्षात्कार में कहा था कि पूरी दुनिया दिल्ली पर टूट पड़ी ताकि पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई को रोका जा सके। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस ने उनसे और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से प्रतिक्रिया न देने को कहा था। और कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भाटिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 26/11 के हमले के बाद जब भारत कड़ी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा था, सोनिया गांधी वाशिंगटन से निर्देशों का इंतजार कर रही थीं। यह समझौतावादी और कमजोर संप्रग सरकार की विदेश नीति थी। भाटिया ने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे मनीष तिवारी ने भी चिदंबरम द्वारा किए खुलासों को गंभीर चिंता का विषय बताया है। भाटिया ने पूछा कि राहुल गांधी कहां हैं? क्या वह जनता के प्रति जवाबदेह नहीं हैं? राहुल की प्राथमिकता क्या है? क्या सिर्फ एक देश में जाना, चार दिन वहां रहना, भारत के खिलाफ साजिश रचकर कमजोर करना, बदनाम करना और देश के नागरिकों द्वारा उठाए सवालों का जवाब न देना?।

संप्रग सरकार अमेरिकी सलाह के बाद करती थी कैबिनेट मंत्रियों का चयन : पात्रा

भुवनेश्वर। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने 26/11 हमले के बाद विदेशी दबाव में पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी, लेकिन देश के नेतृत्व में पाकिस्तान पर कार्रवाई की राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के दबाव में

तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से कहा होगा कि वे पाकिस्तान पर कोई त्वरित कार्रवाई न करें, जबकि मुंबई हमले में 160 लोग मारे गए थे। अपने दावे के समर्थन में पात्रा ने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के हालिया साक्षात्कार का हवाला दिया। पात्रा ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह स्थिति बदल गई, क्योंकि देश को मजबूत सशस्त्र बल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिली। पात्रा ने दावा किया कि पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार अमेरिकी सरकार से सलाह लेने के बाद कैबिनेट मंत्रियों का चयन करती थी।

प्रारंभिक परीक्षा के बाद अंतरिम कुंजी प्रकाशित करेगा यूपीएससी

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने रखा पक्ष

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि उसने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होने के बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। आयोग सिविल सेवा परीक्षा समेत कई प्रतियोगी परीक्षाएं करता है। उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने कहा कि अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित की जाएगी। यह हलफनामा सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित लंबित याचिका पर दाखिल किया गया था।

यूपीएससी ने कहा कि मामले के लंबित रहने के दौरान उसने अदालत द्वारा नियुक्त न्यायमित्र के सुझाव समेत कई कारकों पर विचार-विमर्श किया है। अधिवक्ता वर्धमान कौशिक के दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि व्यापक विचार-विमर्श और संवैधानिक निकाय के रूप में यूपीएससी को सौंपी गई भूमिका को ध्यान में रखते हुए, आयोग सुविचारित निर्णय पर पहुंचा है कि प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होने के बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित किया जाए।

परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से अभ्यावेदन या आपत्तियां मांगी जाएंगी। प्रत्येक ऐसे अभ्यावेदन या आपत्ति के समर्थन में तीन प्रामाणिक स्रोत होने चाहिए तथा जिन आपत्तियों के पक्ष में प्रामाणिक स्रोत नहीं हो, उन्हें शुरुआत में ही खारिज किया जाना चाहिए।

कुल्लू दशहरा

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में सप्ताह भर चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के तीसरे दिन भगवान नरसिम्हा की शोभा यात्रा निकाली जाती है जिसमें भारी संख्या में लोग भाग लेते हैं।

कफ सिरप बना जहर

कई राज्यों में बच्चों की मौत के बाद उठ रहे सवाल

हो सकते हैं जहरीले केमिकल, सावधानी जरूरी

कफ सिरप एक आम दवा है जिसका उपयोग खांसी और सर्दी के इलाज के लिए किया जाता है। लेकिन कुछ कफ सिरप में जहरीले केमिकल होते हैं जो बच्चों की जान ले सकते हैं? हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत हो गई है, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है।

ऐसे में इसके उपयोग में सावधानी जरूरी है। कफ सिरप बच्चों को देने के पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। सरकार और कंपनियों को कफ सिरप की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। लोगों को भी कफ सिरप के बारे में जागरूक करना होगा।

12550 करोड़ का बाजार

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में कफ सिरप का बाजार लगभग 12,453 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट ने बताया कि बाजार हर साल 8% से 10% की दर से बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट की मानें तो 2025 में ये बाजार 12550 करोड़ के आसपास है। एक अन्य विश्लेषण के अनुसार, 2021 से 2026 तक भारत के कफ सिरप बाजार में 3 .52% की वार्षिक वृद्धि हो रही है। कफ सिरप की आसान उपलब्धता के कारण भी इसकी खपत अधिक होती है। खांसी के मरीज मेडिकल स्टोर्स से सीधे खांसी की दवा की खरीद करते हैं।

सिरप में क्या इस्तेमाल होते हैं केमिकल?

कफ सिरप में आमतौर पर पेरासिटामोल, डेक्सट्रोमेथॉर्फन और ग्लिसरीन जैसे तत्व होते हैं। कुछ कंपनियां लागत कम करने के लिए इन तत्वों की जगह जहरीले केमिकल जैसे डायएथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल का उपयोग करती हैं।

कोल्ड्रिफ सिरप पर लगा प्रतिबंध, जांच शुरू

सरकार ने कफ सिरप की जांच के लिए कई कदम उठाए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मध्यप्रदेश में दूषित कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत की खबरों के बाद छह राज्यों में कफ सिरप और एंटीबायोटिक समेत 19 दवाओं की विनिर्माण इकाइयों में जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू किया है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश सरकार ने कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है।

14 बच्चों की हुई मौत

हाल ही में, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से 14 बच्चों की मौत हो गई है। इनमें से 11 मौतें मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में हुई हैं। गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरें आई हैं।

ड्राई - वेट कफ के लिए अलग होते हैं सिरप

- ड्राई कफ सिरप : यह सूखी खांसी को दबाने के लिए काम करता है।
- वेट कफ सिरप : यह बलगम को पतला करके उसे बाहर निकालने में मदद करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ताकाइची चुनी गईं जापान की सत्तारूढ़ पार्टी की नेता

तोक्यो। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने शनिवार को पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुना, जिसके साथ ही उनके देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने की संभावना बढ़ गई है। लैंगिक समानता के मामले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब स्थिति में माने जाने वाले देश में, ताकाइची (64) ने लंबे समय से शासन कर रही रूढ़िवादी एलडीपी की पहली महिला नेता बनकर इतिहास रच दिया है। ताकाइची पुरुष-प्रधान पार्टी की सबसे रूढ़िवादी सदस्यों में से एक हैं। वह जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की अति-रूढ़िवादी विचारधारा की समर्थक हैं। वह नियमित रूप से यासुकुनी श्राइन जाती हैं, जिसे जापान के युद्धकालीन सैन्यवाद का प्रतीक माना जाता है।

टेक्सास में भारतीय छात्र की हत्या

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक गैस स्टेशन पर कथित चोरी के दौरान 27 वर्षीय भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि हैदराबाद के रहने वाले चंद्रशेखर पोल डलास के उस गैस स्टेशन पर अंशकालिक नौकरी करते थे, जहां शुक्रवार को गोलीबारी हुई थी। वह डेंटन स्थित नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय से डेटा एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे। डलास पुलिस विभाग ने कहा कि मामले की जांच जारी है।पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम इस दुखद घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। डलास काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय शव का पोस्टमार्टम कर रहा है। मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाना अभी बाकी है, जो शव को स्वदेश भेजे जाने के लिए एक आवश्यक दस्तावेज है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि गोलीबारी चोरी की वारदात के दौरान हुई थी। ह्यूस्टन स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) स्थानीय अधिकारियों और पीड़ित परिवार के साथ समन्वय कर रहा है।

ईरान ने छह कैदियों को फांसी पर लटकाया

दुबई। ईरान ने देश के तेल समृद्ध दक्षिण-पश्चिम में इजराइल की ओर से हमले करने के मामले में मृत्युदंड पाने वाले छह कैदियों पर फांसी दे दी। ईरान में कैदियों को फांसी दिए जाने की कार्रवाई तेज हो गई है। ईरान ने कहा कि इन लोगों ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या की थी तथा ईरान के अशांत खुजस्तान प्रांत में खोर्रमशहर के आसपास के स्थलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए थे।

गाजा पर बमबारी बंद करे इजराइल : ट्रंप

हमास युद्ध रोकने संबंधी योजना के कुछ बिंदुओं पर सहमत, इजराइल अपने सिद्धांतों के अनुसार सहयोग देगा

दीर अल-बलाह (गाजा), एजेंसी

गाजा में युद्ध खत्म कराने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास ने स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद ट्रंप ने इजराइल को बमबारी तुरंत रोकने का आदेश दिया है। हमास ने कहा है कि वह बंधकों को रिहा करेगा और सत्ता अन्य फलस्तीनियों को सौंपेगा, हालांकि योजना के कुछ अन्य बिंदुओं पर फलस्तीनियों के बीच विस्तृत चर्चा होगी।

हमास के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कुछ प्रमुख असहमतियां हैं, जिनपर विस्तृत चर्चा की जरूरत है। ट्रंप ने हमास के फैसले का स्वागत करते हुए लिखा कि मुझे लगता है कि वे दीर्घकालिक शांति के लिए तैयार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इजराइल को गाजा में बमबारी तुरंत रोकनी होगी ताकि बंधकों को सुरक्षित तथा शीघ्र रिहा कराया जा सके। फिलहाल हमले जारी रखना बहुत खतरनाक होगा।

इस बीच,इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल गाजा में युद्ध खत्म कराने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के पहले चरण को लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इजराइल अपने सिद्धांतों के अनुसार युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप को पूरा सहयोग देगा। हमास की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि गाजा के भविष्य और फलस्तीनी अधिकारों से संबंधित प्रस्ताव के पहलुओं पर निर्णय अन्य गुटों की सर्वसम्मति और अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर लिया जाएगा।

बयान में हमास के हथियार डालने के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो ट्रंप के प्रस्ताव में शामिल इजराइल की एक प्रमुख मांग थी। मुख्य मध्यस्थों मिस्र और कतर ने ताजा घटनाक्रमों का स्वागत किया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने कहा कि वे योजना पर चर्चा जारी रखेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने सभी पक्षों से गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने के इस अवसर का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सभी बंधकों की रिहाई और गाजा में संघर्ष विराम करीब है। इजराइली बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्य संगठन ने कहा कि लड़ाई रोकने की ट्रंप की मांग बंधकों को गंभीर व अपरिवर्तनीय क्षति से बचाने के लिए आवश्यक है।

संगठन ने नेतन्याहू से सभी बंधकों को वापस लाने के लिए तुरंत सार्थक वार्ता शुरू करने का आह्वान किया।

ट्रंप ने दी थी हमास को युद्ध की चेतावनी

इससे पहले ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि हमास को रविवार शाम तक योजना को मंजूरी देनी होगी, वरना और बड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा था कि अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी भी तरह शांति कायम की जाएगी। ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त कराने के लिए एक योजना पेश की थी।

गाजा में शांति प्रयासों को मोदी ने दिया समर्थन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि गाजा में शांति प्रयासों में निर्णायक प्रगति के बीच भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने चमरपंथी संगठन हमास की ओर से इजराइली बंधकों की रिहाई के संकेतों का उल्लेख किया और कहा कि यह क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत शांति की दिशा में किए गए सभी प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता रहेगा। ट्रंप ने इजराइल और हमास के बीच दो वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त कराने की एक शांति योजना पेश की थी।

युद्ध समाप्त कराने की ट्रंप योजना

ट्रंप की इस योजना के तहत हमास तीन दिन के अंदर शेष 48 बंधकों को इजराइल को सौंपेगा, जिनमें से करीब 20 की मौत होने की आशंका है। इसके अलावा हमास को सत्ता छोड़नी होगी और हथियार डालने होंगे। इसके बदले इजराइल हमले रोकेगा और गाजा के अधिकतर क्षेत्र से पीछे हट जाएगा। साथ ही इजराइल को सैंकड़ों फलस्तीनी कैदियों को छोड़ना होगा और गाजा के पुनर्निर्माण के लिए मानवीय मदद की आपूर्ति को मंजूरी देनी होगी। गाजा की अधिकांश आबादी को अन्य देशों में स्थानांतरित करने की योजना स्थगित कर दी जाएगी। गाजा का प्रशासन एक अस्थायी, तकनीकी और गैर-राजनीतिक फलस्तीनी निकाय को सौंपा जाएगा, जिसकी निगरानी बोर्ड ऑफ पीस करेगा। इस निकाय के अध्यक्ष राष्ट्रपति ट्रंप होंगे और इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर सहित अन्य वैश्विक नेता सदस्य होंगे।

गाजा में हमला नहीं करेगा इजराइल

तेल अवीव। गाजा में युद्ध खत्म करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि वह योजना के पहले चरण के लिए तैयारियां तेज करेगी। सेना ने कहा कि इजराइली नेताओं ने योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयारियां तेज करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने गाजा में रक्षात्मक स्थिति अख्तियार कर ली है और वह हमला नहीं करेगा। बताया कि गाजा से कोई भी सुरक्षा बल नहीं हटाया गया है। इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार करने के बाद इजराइल को गाजा में हमले रोकने का आदेश दिया था।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ क्वांटम कंप्यूटिंग पर समझौता

लंदन, एजेंसी

क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता अगले सप्ताह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर की मुंबई यात्रा से पहले हुआ है। यह परियोजना 'भारत-यूके टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव' (टीएसआई) का हिस्सा है, जो क्वांटम तकनीक पर आधारित है। इसका उद्देश्य मृदा सूक्ष्मजीवों को बेहतर बनाना और सूखे व जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की रक्षा के नए तरीके खोजना है।

पिछले वर्ष हस्ताक्षरित 'भारत-यूके टीएसआई' मंगलवार को मुंबई में शुरू हो रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने पर एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी, मुंबई जाने वाले प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में शामिल होंगे। इंपीरियल कॉलेज के डॉ. पो-हेंग (हेनरी) ली और आईआईटी बॉम्बे के डॉ. इंद्रजीत चक्रवर्ती के नेतृत्व वाली एक टीम पहले से ही मिट्टी में पौधों और बैक्टीरिया के बीच जटिल अंतःक्रियाओं का मॉडल बनाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग का इस्तेमाल कर रही है।

बहु विषयक क्षेत्र है क्वांटम कंप्यूटिंग

क्वांटम कंप्यूटिंग एक बहु-विषयक क्षेत्र है जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी और गणित के पहलू शामिल हैं। यह क्वांटम यांत्रिकी का उपयोग करके जटिल समस्याओं को पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में तेज़ी से हल करता है। क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हार्डवेयर अनुसंधान और अनुप्रयोग विकास शामिल है।

मोदी-स्टार्मर 9 को करेंगे व्यापक वार्ता

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे। पिछले वर्ष जुलाई में पदभार संभालने के बाद भारत की उनकी यह पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को कहा कि स्टार्मर की 8 से 9 अक्टूबर तक की यह यात्रा दोनों देशों के बीच साझेदारी प्रगाढ़ करने के साझा दृष्टिकोण की पुष्टि करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। स्टार्मर 9 अक्टूबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क के खिलाफ केस

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क के खिलाफ स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, धार्मिक समूहों, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और अन्य लोगों के एक समूह ने शुक्रवार को एक संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया।

समूह ने मुकदमा दायर करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने नए एच1बी कामकाजी वीजा के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के एकमुश्त शुल्क की घोषणा की है। सैन फ्रांसिस्को स्थित 'यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' में दायर मुकदमे में कहा गया है कि एच-1बी कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और शिक्षकों की नियुक्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

शोध

पर्यावरण के लिए अनुकूल बनाई गईं प्लेट्स उपयोग के बाद मिट्टी में हो जाएगी तब्दील

आईआईटी रुड़की ने भूसे से बनाई डिस्पोजल प्लेट्स

मुख्य संवाददाता, देहरादून/रुड़की

अमृत विचार : आईआईटी रुड़की ने गेहूं के भूसे से पर्यावरण के लिए अनुकूल बायोडिग्रेडेबल कंपोस्टेबल प्लेट्स बनाई हैं, जो खानपान के प्रयोग में सुरक्षित है। इन प्लेट्स से भूसा (पराली) जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण व प्लास्टिक डिस्पोजेबल से होने वाले कचरे से निजात मिलेगी। वहीं, किसान इस व्यर्थ भूसे को बेचकर आय भी हासिल कर सकते हैं।

आईआईटी की इनोपैप (इनोवेशन इन पेपर एंड पैकेजिंग लैब) ने पैरासन मशीनरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड औरंगाबाद के सहयोग से गेहूं के भूसे से यह कंपोस्टेबल प्लेट बनाई हैं। कागज प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. विभोर के रस्तोगी ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी एक साथ दो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं फसल अवशेष (पराली) जलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रदूषण की समस्या का समाधान करती है। गेहूं के भूसे को ढाले हुए, जैव-अवक्रमणीय और कंपोस्टेबल वेयर में बदलकर इस तकनीक ने मिट्टी से मिट्टी तक के सिद्धांत को मूर्त किया है। सरल शब्दों में कहें तो धरती से उत्पन्न होकर उपयोग के बाद फिर से धरती में समा जाता है। उन्होंने कहा कि यह शोध दर्शाता है कि कैसे रोजमर्रा की फसल के अवशेषों को उच्च-गुणवत्ता वाले, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है। यह विज्ञान और इंजीनियरिंग की उस क्षमता को दर्शाता है जो पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान प्रदान कर सकती है।

यह पहल स्वच्छ भारत मिशन, आत्मनिर्भर भारत व संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों विशेष रूप से एसडीजी-12 (जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन) तथा एसडीजी-13 (जलवायु कार्रवाई) के भी अनुकूल है। पीएचडी छात्रा जैस्मीन कौर एवं पोस्ट डॉक्टरल शोधकर्ता डॉ. राहुल रंजन ने मोल्डेड टेबलवेयर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बायोडिग्रेडेबल कंपोस्टेबल प्लेट्स के साथ शोधकर्ता।

- **सिंगल यूज प्लास्टिक और पराली जलाने से होने वाले प्रदूषणों से भी मिलेगी निजात**

> यह नवाचार समाज की वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने के प्रति आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह स्वच्छ भारत और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों को मजबूती प्रदान करता है। साथ ही प्रयोगशाला अनुसंधान को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने का उदाहरण है।
> – **प्रो. कमल किशोर पंत**, निदेशक आईआईटी रुड़की

भारत में हर वर्ष पैदा होता है 35 करोड़ टन कृषि अपशिष्ट

भारत में हर वर्ष 35 करोड़ टन कृषि अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा हिस्सा जला दिया जाता है या बेकार छोड़ दिया जाता है। यह नवाचार न केवल इस पर्यावरणीय हानि को रोकता है बल्कि किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत प्रदान कर अपशिष्ट को संपदा में बदलने वाले चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल की दिशा में कदम है।

बच्चों के आधार बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन में शुल्क माफ

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बच्चों के लिए आधार के अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन के सभी शुल्क माफ कर दिए हैं।

यह शुल्क माफी एक वर्ष तक लागू रहेगी। बयान में कहा गया है कि जनहित में एक कदम उठाते हुए, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन (एमबीयू-1) के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस कदम से लगभग छह करोड़ बच्चों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे का फोटो, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराकर आधार के लिए नामांकन किया जाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 15 .03 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

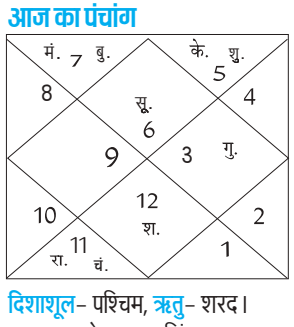

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 08 .01 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष – आज रोजगार के नए विकल्प मिलने से उत्साहित रहेंगे। प्रेम विवाह के लिये परिवार को सहमत करने में सफलता मिलेगी। नई संपत्ति खरीद सकते हैं। अपनी इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास करें। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृष – आज उलझा हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी राय और विचारों की लोग अपेक्षा करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अत्यंत शुभ है। फिर भी किसी भी मुद्दे पर सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया दें। छोटे बच्चों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

मिथुन – आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यर्थ के कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। यात्रा के दौरान सेहत और सामान की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। आप अनुसंधान के मूड में हो सकते हैं। बजट का ध्यान रखते हुए काम करें।

कर्क – आज आत्मकेन्द्रित होने के कारण मित्रगण आपसे नाराज हो सकते हैं। बुजुर्ग लोगों को घुटने व कमर में दर्द की शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी से कोई बात न छिपाएं। शारीरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से दिन कमजोर हो सकता है।

सिंह – आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। साझेदारी में व्यवसाय प्रारंभ करने की योजना बना सकते हैं। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। परिवार का वातावरण खुशनुमा रहेगा।

कन्या – आज उधार लेन-देन सावधानी पूर्वक करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने का प्रयास करें। यदि किसी महत्वपूर्ण बैठक के लिए जा रहे हैं तो आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला – आज बातचीत के दौरान सरल शब्दों का प्रयोग करें। वरना आपकी बातों का गलत मतलब भी निकल सकता है। अप्रत्याशित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को तनाव हो सकता है। बच्चों की गलत आदतों को अनदेखा न करें।

वृश्चिक – आज रियल एस्टेट में सावधानी पूर्वक निवेश करें। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र की समस्याओं को दूर करने में सफलता मिलेगी। आपको दौड़-धूप अधिक करनी पड़ेगी।

धनु – आज दांपत्य संबंधों में आनंद का अनुभव करेंगे। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। जीवनशैली में नयापन आएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर – आज संतान को लेकर कुछ चिंतित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में थोड़ी कठिनाई महसूस होगी। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से आपको परेशानी होगी। आपको झूठ बोलने से बचना चाहिए। परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – आज आप ऑनलाइन शॉपिंग में अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार को धन उधार देना पड़ सकता है। आपके व्यवहार में शालीनता रहेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। खरीदारी के दौरान अपने बजट का ध्यान रखें।

मीन – आज कारोबार में विस्तार करने में कठिनाई होगी। दिखावे के चक्कर में अपना नुकसान न करवाएं। जीवनसाथी के साथ झगड़ा हो सकता है। परिस्थितियों पर क्रोध करने के बजाय, उन्हें शांति से निपटाएं। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

सुडोकू-120

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3				9		
4	8		3				5	7
		9		7		6		
6				1	5		7	
	3						8	
	9		2	3				4
		7				8		3
3	6				8		2	
		1				4		

सुडोकू - 119 का हल

5	8	1	2	3	7	4	6	9
4	7	3	9	1	6	8	2	5
6	9	2	5	8	4	7	1	3
8	6	5	4	7	2	9	3	1
9	3	7	6	5	1	2	4	8
1	2	4	8	9	3	6	5	7
7	4	8	3	6	5	1	9	2
2	5	9	1	4	8	3	7	6
3	1	6	7	2	9	5	8	4

रोहित शर्मा, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आप एक शानदार कप्तान रहे हैं। आप रणनीति बनाने में माहिर थे। आपने टीम को सिखाया कि अगर बड़े मौकों पर जीतना है तो जोखिम लेना ही होगा।
- दिनेश कार्तिक

स्टेडियम

बरेली, रविवार 5 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी तस्नीम व श्रीयांशी

अल ऐन (यूएई) : भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सफर शनिवार को यहां 120,000 अमेरिकी डॉलर इनामी अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में समाप्त हो गया लेकिन उभरती हुई शटलर तस्नीम मीर और श्रीयांशी वालीशेट्टी ने विपरीत अंदाज में जीत के साथ महिला एकल के फाइनल में एक दूसरे से भिड़ंत पक्की की। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर में पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 20 वर्षीय तस्नीम ने तुर्की की पांचवीं वरीयता प्राप्त नेस्लिहान एरिन को 9-21, 21-17, 21-10 से हराया जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त श्रीयांशी ने इंडोनेशिया की चियारा मारवेला हांडोयो को 21-11, 21-12 से मात दी। दोनों भारतीयों के लिए यह पहला फाइनल होगा। वहीं 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और 50 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के शोलेह ऐदिल से 4-21, 21-11, 19-21 से हार गए। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकारुनन और एम आर अर्जुन की भारतीय जोड़ी ने सिंगापुर के इंग केट वेस्ली कोह और जुनसुके कुबो को 52 मिनट में 20-22, 21-14, 21-16 से हराया। फाइनल में उनका सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त रेमंड इंद्र और निकोलस जोआक्विन की जोड़ी से होगा।

अमांडा एनिसिमोवा ने कोको गॉफ को हराया

बीजिंग : अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में अपना खिताब बचाने की उम्मीद शनिवार को यहां हमवतन तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से सेमीफाइनल में मिली हार से टूट गई। इस साल अमेरिकी ओपन और विम्बलडन की उप विजेता अमांडा ने गॉफ को महज 58 मिनट में 6-16-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब अमांडा का सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

मार्श के तूफानी शतक से ऑस्ट्रेलिया विजयी

न्यूजीलैंड : मिचेल मार्श (नाबाद 103 रन) के पहले टी20 शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को तीन विकेट से करारी शिकस्त देकर चैपल हैडली शृंखला 2-0 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया था। उन्होंने अपनी 73वीं पारी में आठ चौके और सात छक्के की मदद से 52 गेंद में 103 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बीच के ओवरों में जल्दी जल्दी कई विकेट गंवा दिए लेकिन मिचेल मार्श एक छोर पर डटे रहे जिससे टीम ने दो ओवर रहते सात विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के नौ विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नौ विकेट पर 156 रन ही बना सकी जिसमें सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट 35 गेंद में 48 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। सिफर्ट के अलावा कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

शुभमन बने भारत के नये वनडे कप्तान, रोहित व कोहली टीम में

अहमदाबाद, एजेंसी

एक बड़े बदलाव के तहत भारतीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा कर विश्व कप -2027 के मद्देनजर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आगामी आस्ट्रेलिया दौरे के लिये टीम की कमान सौंपी है। गिल टेस्ट टीम के भी कप्तान हैं। चयनकर्ताओं के इस फैसले को गिल को सभी प्रारूपों में कप्तानी सौंपने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। रोहित और विराट कोहली को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है। श्रेयस अय्यर को तीन मैचों की वनडे शृंखला के लिये उपकप्तान बनाया गया है। सूर्य कुमार यादव टी20 के कप्तान बने रहेंगे।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले के लिए चयनित भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

एकदिवसीय मैच 19 से 25 अक्टूबर के बीच सिडनी, एडीलेड और मेलबर्न में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज का आग़ाज 29 अक्टूबर को होगा व आठ नवंबर को सीरीज का अंतिम मैच खेला जाएगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे शृंखला से आराम दिया गया है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में निरंतर प्रदर्शन के बाद बायें हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की वनडे टीम में वापसी हुई है। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने साफ तौर पर कहा कि अब कुछ ही वनडे खेलने हैं। लिहाजा तीन अलग अलग कप्तान रखना असंभव है। क्योंकि इससे रणनीति बनाने में दिक्कत होती है। अगरकर ने कहा कि हमने आखिरी वनडे मैच आठ या नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था और अगला मैच 19 अक्टूबर को है। इस समय वनडे क्रिकेट थोड़ा चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से ध्यान टी20 विश्व कप पर है लेकिन धीरे धीरे हम आने वाले विश्व कप के लिए योजना बनाना शुरू कर देंगे

- सूर्य कुमार यादव की कप्तानी में टी 20 टीम का भी एलान

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय वनडे टीम

- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल व यशस्वी जायसवाल।

टी-20 मुकाबले के लिए चयनित भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

भारत की टी20 टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

भारतीयों की गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज की दूसरी पारी महज 146 रनों पर सिमटी

अहमदाबाद, एजेंसी

उपकप्तान रविंद्र जडेजा के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1 - 0 से बढ़त बना ली। भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढत बना ली थी। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 45 .1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर चार विकेट लिए। दूसरा टेस्ट दस अक्टूबर से दिल्ली में खेला जायेगा।

विकेट लेने के बाद रवीन्द्र जडेजा को बधाई देते साथी खिलाड़ी। एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा कि यह हमारे लिये परफेक्ट मैच था। तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग। तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया। सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर तीन विकेट लिये। भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने नौ साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बनाकर नाबाद रहे। तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी। जडेजा की अगुवाई में स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को दबाव में रखा। सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरूआत की लेकिन आठवें ओवर में नितीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपककर भारत को पहली कामयाबी दिलाई। सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा। जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया। चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया। वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया। छठे नंबर पर आये शाइ होप ने जडेजा की गेंद पर कट शॉट खेला और यशस्वी जायसवाल ने शॉर्ट थर्डमैन पर अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया। जडेजा एक मैच में शतक और पारी के पांच विकेट लेने का कारनामा एक बार फिर अपने नाम करने से चूक गए।

- नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में लिए चार विकेट

भारतीयों का कमाल

- **वेस्टइंडीज पहली पारी :** 162 रनों पर सिमट गई थी
- **भारत पहली पारी :** पांच विकेट पर 448 रन (घोषित)

वेस्टइंडीज दूसरी पारी

जान कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा	14
तेजनारायण चंद्रपॉल का रेड्डी बो सिराज	8
एलिक अथानाजे का और बो सुंदर	38
ब्रेंडन किंग का राहुल बो जडेजा	5
रोस्टन चेस बो कुलदीप	1
शाइ होप का जायसवाल बो जडेजा	1
जस्टिन ग्रीव्स पगबाधा बो सिराज	25
खारी पियरे नाबाद	13
जोमेल वारिकन का गिल बो सिराज	0
जोहान लेन का सिराज बो जडेजा	14
जेडेन सील्स का और बो कुलदीप	2

अतिरिक्त : पांच रन

योग : 45 .1 ओवर में 146 रन

विकेट पतन : 12-1, 24-2, 34-3, 35-4, 46-5, 92-6, 98-7, 98-8, 122-9

गेंदबाजी

गेंदबाज	ओवर	मेडेन	रन	विकेट
बुमराह	6	1	16	0
सिराज	11	2	31	3
जडेजा	13	3	54	4
कुलदीप	8.1	3	23	2
सुंदर	7	1	18	1

गिल बोले

- कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हमारे लिए यह परफेक्ट मुकाबला था। हमने अच्छी बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवीण को कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली,एजेंसी

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रवीण कुमार के चेहरे पर ऊंची कूद में कांस्य पदक जीतने के बावजूद उदासी साफ झलक रही थी। जबकि एकता भयाना शनिवार को क्लब थ्रो स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहने के बाद रजत पदक जीत कर खुश दिखीं। भारत ने शनिवार को एक रजत और दो कांस्य पदक जीते जिससे उसके पदकों की संख्या 18 (6-7-5) हो गई।

यह विश्व चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जबकि एक दिन का खेल अभी बाकी है। भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 कोबे (जापान) में था जहां टीम ने 17 पदक (6-5-6) जीते थे। ब्राज़ील 37 पदकों (12-18-7) के साथ तालिका में शीर्ष पर बना रहा।

भारत को आज तीसरा पदक पुरुषों की शॉटपुट एफ57 श्रेणी में मिला जब सेना के 42 वर्षीय सोमन राणा ने 14.69 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता।

राणा का कांस्य पदक हालांकि रविवार को रजत पदक में तब्दील हो सकता है क्योंकि इस स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहने वाले ब्राजील के थियागो पॉलिनो डॉस सैंटोस के खिलाफ अपील दायर की गई है।

विश्व पैरा एतलेटिक्स चैम्पियनशिप में गोला फेंकते सोमन राणा। एजेंसी

- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की वेबसाइट पर शनिवार देर शाम राणा के कांस्य पदक को रजत पदक के तौर पर दिखाया जाने लगा लेकिन आयोजकों में से एक ने कहा कि अंतिम सुनवाई रविवार को होगी और उसके बाद ही पदक बढ़ाने पर कोई फैसला लिया जाएगा। उज्बेकिस्तान के 2018 एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेमुरबेक गियाजोव ने 2.03 मीटर के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवर्ड्स ने दो मीटर के साथ रजत पदक जीता। एकता भयान ने छठे और अंतिम प्रयास में 19.80 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 2024 विश्व क्लब थ्रोअर एफ51 स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफल रही।

यूक्रेन की ज़ोइया ओवसी ने अपने पांचवें प्रयास में 24.03 मीटर की बड़े थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि तटस्थ पैरा एथलीट एकातेरिना पोटापोवा (18.60 मीटर) ने कांस्य पदक जीता। एकता ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, यह मेरा तीसरा विश्व पदक है और मुझे खुशी है कि मैं अपना प्रदर्शन दोहरा सकी। अब 2028 लॉस एंजिल्स पैरालिंपिक का इंतजार है।

बारिश की भेंट चढ़ा ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का मैच

कोलंबो, एजेंसी। लगातार बारिश के कारण शनिवार को श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप के मैच को रद्द करना पड़ा। लगातार बारिश के कारण टॉस भी नहीं हो सका। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका दोनों ने इस मैच से एक-एक अंक साझा किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब दो मैचों में तीन अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है जबकि श्रीलंका दो मैचों में एक अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर है।

आईओसीएल को हराकर रेलवे ने जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल,महिला) को हराकर पांचवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीत लिया। भारतीय खेल प्राधिकरण ने नई दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के खिलाफ कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

फाइनल में, रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महिला) को 5-1 से हराया। नवनीत कौर (नौवें, 21वें, 54वें) ने शानदार हैट्रिक बनाकर अपनी टीम के ट्रॉफी जीतने के इरादे को पुख्ता किया। सलीमा टेटे और संगीता कुमारी ने भी एक-एक गोल दागे। ज्योति ने (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए सांत्वना गोल दागा और रजत पदक के साथ अभियान खत्म किया।

महिला विश्व कप क्रिकेट | प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा, भारत ने अपने पहले ही मुकाबले में श्रीलंका को करारी मात दी है

रणनीति : पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम की जीत पर नजर

कोलंबो, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कभी भी सिर्फ़ एक मैच नहीं होता, और जब महिला विश्व कप कल यहां आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा, तो दांव रनों और विकेटों से कहीं आगे जाने का वादा करता है। रिकॉर्ड के लिए, भारतीय महिला टीम ने इस प्रतिद्वंद्विता पर एक सुगठित ऑर्केस्ट्रा की तरह कब्ज़ा जमाया है - 11 मैच, 11 जीत, और आखिरी मैच 2022 विश्व कप में 107 रनों से करारी हार।

दीप्ति शर्मा की ऑलराउंड कला और अमनजोत कौर के साहसिक अर्धशतक की बदौलत, अपने पहले मैच में मेजबान श्रीलंका को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 59 रनों से हराने के बाद, लय फिर से उनके साथ है। फिर भी, भारत-पाकिस्तान के मामले में हमेशा की तरह, इसका निहितार्थ क्रिकेट जितना ही दिलचस्प है। पुरुष टीम को परेशान करने वाला "हाथ मिलाने का विवाद" अब महिला टीम पर भी हावी हो गया है। इस बारे में पूछे जाने पर, दीप्ति शर्मा ने एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज़ की तरह शांत भाव से इस सवाल का जवाब दिया: "जब मौका आएगा तब देखेंगे।" कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी सीधी बात जोड़ते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम सिर्फ़ प्रदर्शन की बात करता है, प्रोटोकॉल की नहीं। हालांकि, बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि हाथ न मिलाने का यह रुख महिला खिलाड़ियों पर भी लागू हो सकता है। और इसलिए, गेंद फेंके जाने से पहले ही अटकलों का बाज़ार गर्म हो जाता है। मैदान पर, भारत एक पूरी टीम नजर आती है। इस साल 936 रन बनाकर अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में चल रही स्मृति मंधाना एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगी। प्रवाह की तलाश में हरमनप्रीत कौर कोलंबो की रात को रोशन करने की क्षमता रखती हैं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करती हैं। दीप्ति और स्नेह राणा की अगुवाई में गेंदबाज़ी, जिसमें युवा क्रांति गौड़ अपना जाल बुनने के लिए तैयार हैं, कप्तान कौर को मजबूती और कुशलता प्रदान करती है। दूसरी ओर, पाकिस्तान बड़े मंच पर अप्रत्याशित मेहमान बना हुआ है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत। एजेंसी

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

- प्रतीक रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी। पाकिस्तान महिला टीम की संभावित प्लेइंग XI: मुनीबा अली, ओमैमा सोहेल, सिदरा अमीन, आलिया रियाज, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), नतालिया परवेज, फातिमा सना (कप्तान), रमीन शमीम, नशरा संधू, डायना बेग, सादिया इकबाल।

बांग्लादेश के खिलाफ 129 रनों पर सिमटने से उनकी पुरानी कमज़ोरियाँ उजागर हो गईं। सिदरा अमीन का शानदार प्रदर्शन (इस साल 518 रन) और मुनीबा अली की निरंतरता ही उम्मीद जगाती है। अगर पाकिस्तान को भारत के दबदबे को चुनौती देनी है, तो फातिमा सना, अपने आक्रामक ऑलराउंड खेल और बाएँ हाथ की स्पिनर नशरा संधू को अपनी क्षमता से कहीं ज़्यादा प्रदर्शन करना होगा। प्रेमदासा की पिच, जो आमतौर पर स्ट्रोक लगाने वालों के लिए अनुकूल होती है, लेकिन स्पिनरों को परेशान करने के लिए धीमी हो जाती है, एक बार फिर अनुकूलन की मांग कर सकती है।